प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

जो होने वाला है वो होकर ही रहता है,
और जो नहीं होने वाला वह कभी नहीं होता,
ऐसा निश्चय जिनकी बुद्धि में होता है,
उन्हें चिंता कभी नही सताती है..!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

पूर्वांचल सूर्य

आवाज आज की, नज़र कल पर

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 17 | अंक 238 | दैनिक | रांची | शुक्रवार 12 अप्रैल 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

चतुर्थ

कूष्माण्डा

देवी मां के चतुर्थ रूप का नाम है, देवी कृष्माण्डा। कृष्माण्डा का संस्कृत में अर्थ होता है लौकी, कद्दू। अब अगर आप किसी को मज़ाक में लौकी, कद्दू पुकारेंगे तो वह बुरा मान जाएंगे और आपके प्रति क्रोधित होंगे। कू' का अर्थ है छोटा, 'ष ' का अर्थ है ऊर्जा और ' अंडा ' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

अत्याचार सहने वाली कौम का वजूद भी नहीं बचता

- **अलीगढ़ के बाद लुधियाना में ईद पर फिलिस्तीन के लिए प्रदर्शन**

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज पर फिलिस्तीन के लिए भी दुआ की। यही नहीं इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग फिलिस्तीन के झंडे भी लेकर आए और लहराते दिखे। लुधियाना के फील्डगंज स्थित जामा मस्जिद का एक पुराना इतिहास रहा है और स्वतंत्रता संग्राम से भी इसका ताल्लुक रहा है। बीते साल भी यहां से करीब 2 लाख लोगों की परेड फिलिस्तीन के समर्थन में निकाली गई थी। ईद की नमाज के बाद बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सड़कों पर उतरकर इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन किया। इनके हाथों में इजरायल के खिलाफ लिखे नारों वाले पोस्टर भी थे। ईद की नमाज के बाद लोगों को संबोधित करते हुए पंजाब के शाही इमाम मौलाना उस्मान रहमानी लुधियानवी ने कहा कि हम इस मौके पर उन लोगों को नहीं भूल सकते, जिन्हें इजरायली हमलों में जान गंवानी पड़ी।

दंगा भड़काने की कोशिश होगी, जाल में मत फंसना

- **कोलकाता में ईद की नमाज पर बोलीं सीएम ममता बनर्जी**

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईद की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने मुसलमानों से एकजुटता की अपील की और दंगा भड़काने वाले तत्वों से सावधान रहने को कहा। ममता बनर्जी ने कहा, चुनाव के दौरान कुछ लोग दंगा भड़काने की कोशिश करेंगे, उनके जाल में मत फंसना। इसके अलावा उन्होंने मुस्लिमों से कहा कि अगर हम एकजुट होकर रहेंगे तो कोई हमें नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा। यही नहीं ममता बनर्जी ने ईद के मौके पर भी सीएए, एनआरसी और समान नागरिक संहिता का डर मुस्लिमों को दिखाया। उन्होंने कहा कि हम इन तीनों को स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि ये भारत के सेकुलरिज्म के खिलाफ हैं। इस मौके पर ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे।

हरियाणा में स्कूल बस पलटी, 6 बच्चों की मौत

22 से ज्यादा घायल, नशे में था ड्राइवर, फिटनेस भी एक्सपायर

महेंद्रगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में गुरुवार सुबह प्राइवेट स्कूल की तेज रफ्तार बस पलट गई। हादसे में 6 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 22 बच्चे घायल हुए हैं। इनमें से 2 की हालत गंभीर है। महेंद्रगढ़ के कस्बा कनीना में स्थित जीएल पब्लिक स्कूल ईद पर छुट्टी के बाद भी खुला था। गुरुवार सुबह बस करीब 35 बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। इस बीच गांव उन्हानी के पास हादसा हो गया। 5 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 ने अस्पताल में दम तोड़ा। हादसे में मरने वाले बच्चों की पहचान सत्यम (16), युवराज (14), दो सगे भाई यशु व अंशु, वंश (14) और रिकी (15) के रूप में हुई है। इनमें से 4 एक ही गांव झाड़ली के हैं। महेंद्रगढ़ के एसपी अर्श वर्मा ने कहा कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे की घटना है। ड्राइवर के शराब के नशे में होने की सूचना है। हम उसका मेडिकल करवा रहे हैं। वह ज्यादा तेज गति से स्कूल बस चला रहा था। जिस वजह से बस रोड से फिसल गई और पेड़ से टकरा गई। इस मामले में पुलिस ने स्कूल प्रिंसिपल दीप्ति राव को हिरासत में ले लिया है। शुरुआती जांच में पता चला कि ड्राइवर के नशे में होने पर ग्रामीणों ने उन्हें सूचना दी। दीप्ति ने कहा कि आज बस ले जाने दीजिए, कल हटा देंगे लेकिन उससे पहले ही ये हादसा हो गया। ईद की सरकारी छुट्टी होने पर स्कूल लगे होने पर एसपी ने कहा कि इस बारे में स्कूल अथॉरिटी से संपर्क नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान देखेंगे कि इस मामले में स्कूल की क्या जिम्मेदारी बनती है, उस हिसाब से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि गाड़ी के डॉक्यूमेंट पूरे न होने के बारे में भी जांच की जाएगी। हादसे के वक्त बस की रफ्तार काफी ज्यादा था।

देशभर में ईद का जश्न

नमाजियों पर बरसाए फूल

मौलाना बोले-गाय-बैल के कारोबार से दूर रहें मुस्लिम

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। देशभर में गुरुवार को ईद-उल-फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, समेत कई दिग्गज नेताओं और हस्तियों ने सोशल मीडिया के जरिए ईद की मुबारकबाद दी। प्रयागराज में नमाज पढ़ने पहुंचे नमाजियों पर फूल बरसाए गए। आगरा के ताजमहल में भी हजारों नमाजियों ने ईद की नमाज पढ़ी। सिलिगुड़ी में स्टेडियम में ईद की नमाज पढ़ी गई। भोपाल में ताजुल मसाजिद में सबसे पहले नमाज पढ़ी गई। इस दौरान मुफ्ती अब्दुल कलाम ने मुसलमानों से गाय-बैल के कारोबार से दूर रहने की सलाह दी। भोपाल में सबसे पहले ईदगाह में सुबह 7.15 बजे ईद की नमाज अदा हुई। यहां शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी नमाज अदा कराई। राजधानी भोपाल में ताजुल मसाजिद में ईद की नमाज के बाद हुई तकरीर (प्रवचन) में मुफ्ती अब्दुल कलाम ने मुसलमानों से गाय-बैल के कारोबार से बचने की सलाह दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर बनाई जा रही मुसलमानों की छवि पर भी चिंता व्यक्त की। यूपी में गुरुवार को ईद मनाई जा रही है। लखनऊ में ऐशबाग ईदगाह पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे। लोगों को ईद की बधाई दी। यूपी में करीब 29 हजार 439 मस्जिदों और 3865 ईदगाहों में ईद-उल-फितर की नमाज पढ़ी गई। कानपुर की बड़ी ईदगाह में पहली शिफ्ट में तकरीबन दो लाख लोगों ने नमाज अदा की। हरियाणा के नूंह जिले में 9 गांवों के किसानों ने ईद के त्योहार पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा कर अपना रोष जताया। किसानों ने कहा कि डेढ़ माह से किसान धरने पर बैठे हैं, सरकार उनकी कोई सुनवाई नहीं कर रहीं है। सरकार को जगाने के लिए किसानों ने ईद की नमाज काली पट्टी बांधकर अता की।

इटखोरी प्रखंड के करनी पंचायत में अबुआ आवास आवंटन में गड़बड़ घोटाला

करनी पंचायत के मुखिया पति पर अबुआ आवास दिलाने के नाम पर 15 हजार घूस लेने का लगा आरोप

- **स्वयंसेवक ने अपने परिवारों के तीन नाम से स्वीकृत कराया अबुआ आवास**
- **प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा, एक पर लगाया गया रोक**

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

इटखोरी(चतरा)। झारखंड सरकार के महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास में जमकर लूट मचा हुआ है। सरकार ने वैसे गरीब वर्ग के लोगों को जिनके पास पक्का मकान नहीं है, उनके लिए आवास बनाना सुनिश्चित की है। सरकार की इस योजना का लाभ गरीबों तक पहुंचे इसके लिए राज्य सरकार के द्वारा पारदर्शी नियम बनाए गए हैं। परंतु गरीबों को इसका लाभ मिले या ना मिले मुखिया, पंचायत सचिव और स्वयं सेवकों के बल्ले बल्ले है। अबुआ आवास दिलाने के नाम पर मुखिया के द्वारा धन उगाही किया जाना, अपने चहेतों को लाभ पहुंचाना एक सवालिया निशान खड़ा करता है। इधर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में अवैध पैसों की वसूली की सूचना है, तो कहीं जरूरतमंदों की अनदेखी करने की भी बात सामने आ रही है। इतना ही नहीं मुखिया पंचायत सचिव और स्वयंसेवक की मिली भगत से अपने चहेतों को भी लाभ पहुंचाने की बात खुलकर सामने आ आने लगी है। ताजा मामला जिले के इटखोरी प्रखंड अंतर्गत करनी पंचायत का है, जहां एक मामला अबुआ आवास आवंटन के नाम पर पैसे लेने का मामला प्रकाश में आया है,तो वंही दूसरी ओर करनी पंचायत के स्वयंसेवक का एक ही परिवार में तीन-तीन अबुआ आवास आवंटन की बात प्रकाश में आया है।

पहला मामला मुखिया पति संजय रजक के द्वारा अबुआ आवास के नाम पर एक महिला से?15000 लेने का है।

करनी पंचायत के करनी गांव के उमेश राणा की पत्नी ललिता देवी ने मुखिया पति संजय रजक पर आरोप लगाते हुए कहा कि 15 हजार रुपये अबुआ आवास में एक नम्बर सूची में शामिल करने के नाम पर लिया। लेकिन मेरा नाम सूची में नही

आया है। महिला ने आगे कहा कि जब सूची में मेरा नाम नहीं आया तो हम और मेरा पति पैसा मांगने लगे, तो उन्होंने आज कल कर 7 दिन तक परेशान करते रहे और पैसा नही दिया। उल्टा धमकी देने लगे। हालांकि इस मामले महिला ने पूर्व चतरा डीसी को एक आवेदन देखकर न्याय की गुहार लगाई थी। अगर सरकारी योजनाओं मैं पंचायत प्रतिनिधि के पति इस तरह से धन उगाही करेंगे तो गरीबों का कहां तक कल्याण हो सकता है यह सोचनीय है। एक दूसरा सनीखेज मामला इसी पंचायत के करनी गांव का मामला है, जंहा स्वयंसेवक कृष्णदेव दांगी के पत्नी गीता देवी, दूसरा अबुआ आवास स्वयंसेवक कृष्णदेव दांगी के पिता भुखन महतो वंही तीसरा अबुआ आवास स्वयंसेवक कृष्णदेव दांगी के भाई के पत्नी हेमंती देवी पति सुनील कुमार दांगी के नाम से अबुआ आवास आवंटित किया गया है। इस संदर्भ में जब पूर्वांचल सूर्य के चतरा ब्यूरो ने कृष्ण देव दांगी से उनका पक्ष जानना चाहा तो कृष्णदेव दांगी ने समाचार संकलन करने गए ब्यूरो को ही धमकी दे डाली। आखिर एक ही परिवार के तीन-तीन लाभुकों को आखिर किन परिस्थितियों में अबुआ आवास का आवंटन किया गया है। यह जांच का विषय है। इतना ही नही एक ही राशन कार्ड पर एक ही परिवार को तीन-तीन अबुआ आवास का लाभ पहुंचाना यह तो जांच का विषय है।

करनी गांव में कई ऐसे गरीब लोग है, जिनको अभी तक किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। वहीं जब स्वयंसेवक को यह जानकारी रहने पर भी कौन गरीब है और किसको देना है, तो फिर स्वयंसेवक कृष्णदेव दांगी को अपने घर के सदस्यों के नाम पर अबुआ आवास किन परिस्थितियों में आवंटित हो गया। अब प्रश्न यह उठता है कि जब गरीबों के लिए सरकारी योजनाएं आती हैं तो एक विशेष परिवार को गरीब बताते हुए तीन-तीन लोगों को एक ही परिवार में आवास का आवंटन कर दिया जाता है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बांकिरा से इस संदर्भ में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मेरे संज्ञान में मामला आया है। कि तीन-तीन अबुआ आवास आवंटन किया गया है। भुखन महतो का तत्काल रोक दिया गया है। आगे जांच की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि एक ही परिवार में अलग-अलग रहते हैं, और गरीब है तो उन्हें आवास दिया जा सकता है।

स्वयंसेवक के ऊपर मेहरबानी करने के पीछे क्या राज है यह तो जांच का विषय है। कहीं न कहीं करनी पंचायत में अबुआ आवास के आवंटन में मुखिया, पंचायत सचिव और स्वयंसेवक के मिली भगत से गरीबों की हक मार कर भ्रष्ट तरीके से चहेतों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मोदी ने 16 लाख करोड़ अरबपतियों को दिए

उतना हम गरीब-पिछड़ों को देंगे

राहुल गांधी बोले-30 लाख सरकारी नौकरी देंगे, ठेका-प्रथा बंद होगी

अनूपगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान के अनूपगढ़ में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की 200 सबसे बड़ी कंपनियों के मालिक और सीनियर मैनेजमेंट में पिछड़े वर्ग के लोग नहीं हैं। मोदी ने इन कंपनियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। हिंदुस्तान के 25-30 अमीर लोगों का इतना पैसा माफ कर दिया, जितना 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को मिलता। राहुल गांधी ने कहा कि जितना पैसा मोदी ने अरबपतियों को दिया है, चुनाव जीतने के बाद हम गरीब, पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों को देंगे। लोग कहते हैं कि इससे आदत बिगड़ेगी, लेकिन कोई यह बताए कि जब मोदी अमीरों के पैसे माफ करते हैं तो उनकी आदत नहीं बिगड़ती क्या। मेरे दिमाग में 16 लाख करोड़ का नंबर है, मैं उसे देखकर चल रहा हूं। राहुल गांधी की इस लोकसभा चुनाव में राजस्थान में यह पहली सभा थी। वे जोधपुर लोकसभा सीट पर फलोदी में भी सभा को संबोधित करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि 30 लाख सरकारी पोस्ट को नरेंद्र मोदी ने खाली रखा अपने 20-25 लोगों की मदद करने के लिए। हम 30 लाख सरकारी रोजगार लोगों को देंगे। सरकार और पीएसयू में ठेकेदारी प्रथा बंद होगी। सरकार की संस्थाओं में काम करने वालों को परमानेंट नौकरी दी जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी सरकार आएगी तो किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून लागू करेंगे। अगर नरेंद्र मोदी कर्जा माफ कर सकते हैं तो कांग्रेस फिर से किसानों का कर्जा माफ करके दिखाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि सेना गारंटी देती थी कि यदि आप शहीद हुए तो परिवार को मुआवजा मिलेगा, कैंटीन मिलेगी, पेंशन मिलेगी। नरेंद्र मोदी ने अग्निवीर स्कीम लाकर भरोसा तोड़ा है। ये आर्मी ने नहीं कहा कि हमें अग्निवीर चाहिए, ये पीएम ऑफिस से लागू हुई है। जैसे ही सरकार आएगी, अग्निवीर योजना रद्द कर देंगे। पहले जैसी सुविधाएं देंगे।

भारत के बाहर भी काम करती है 'मोदी की गारंटी'

एस जयशंकर ने इजरायल-यूक्रेन का नाम लेकर समझाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र 'मोदी की गारंटी' को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी केवल भारत ही नहीं बल्कि बाहर भी काम करती है। जयशंकर ने कहा कि मोदी की गारंटी भारत की सीमाओं से परे तक फैली हुई है। राजस्थान के बीकानेर में मीडिया से बात करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हर कोई जानता है कि इस चुनाव में देश पीएम मोदी की गारंटी पर अपना विश्वास दिखाएगा। अगर आप योजनाओं पर नजर डालें तो पीएम मोदी की गारंटी ने पिछले 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में नीतियों का एक रिकॉर्ड बनाया है। इस दौरान जयशंकर ने इजरायल और यूक्रेन जैसे देशों का जिक्र किया जहां से बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने कहा कि चाहे कुछ भी हो भारत सरकार अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए हमेशा तैयार रहती है। चाहे वे विदेश में संकट का सामना कर रहे हों या यूक्रेन, इजरायल या सूडान जैसे संकटों में फंसे हों... सरकार उन्हें सुरक्षित घर लाती है। जयशंकर ने कहा, विदेश मंत्री के रूप में मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि मोदी की गारंटी हमारी सीमाओं से परे भी काम करती है।

'पाकिस्तान अगर आतंकवाद नहीं रोक पा रहा तो हम मदद को तैयार'

राजनाथ का पड़ोसी देश को प्रस्ताव, कहा-आतंकियों को मारने भारत संकोच नहीं करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पाकिस्तान और चीन को लेकर लगातार हमलावर हैं। एजेंसी को दिए गए एक इंटरव्यू में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान में आतंकवाद को खत्म करने के लिए मदद की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आंतकवाद पर काबू नहीं कर पा रहा है तो हम आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए मदद देने को तैयार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान से मेरी यही अपेक्षा है कि अगर वह आंतकवाद का सहार लेकर भारत की स्थिति को खराब करने की कोशिश करेगा तो इसका परिणाम उसको भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगता है कि वह आंतकवाद पर काबू नहीं कर सकता है तो फिर पड़ोसी देशों से मदद ले सकता है। आतंकवाद पर काबू पाने के लिए भारत उनकी मदद करने को तैयार है। चीन के रुख पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बात दोहराई कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। भारतीय क्षेत्र पर मोदी सरकार के रुख पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जमीन का एक इंच भी नहीं गया है और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ऐसा कभी नहीं होने देगी। वहीं, पीओके पर जवाब देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पीओके हमारा था, हमारा है और हमारा ही रहेगा। अगर भारत अस्थिर होगा तो पाक को परिणाम भुगतने होंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि में मनाया गया सरहुल

वरीय संवाददाता , रांची। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्विद्यालय, कांके (पिठौरिया) नवा टोली में सरहुल पर्व धूम धाम से मनाया गया।

इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही साथ प्रकृति एवं पेड़ों की पूजा अर्चना की गई। मौके पर मुख्य अतिथि प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्विद्यालय पिठौरिया की संचालिका बीके राजमती, भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी मौजूद थे।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि सरहुल आदिवासी समुदायों का एक प्रमुख पर्व है, प्रकृति पर्व सरहुल नए साल की शुरुआत की निशानी है।इस पर्व में हम प्रकृति और वृक्षों की विशेष पूजा करते हैं। इस त्योहार के माध्यम से हम अपने पूर्वजों के बताए हुए रास्ते पर चलकर सरहुल त्योहार के माध्यम से हम पर्यावण संरक्षण के प्रति जिम्मेवार हो सकते हैं।हम सभी को प्रकृति की रक्षा के प्रति जिम्मेदार होने की जरूरत है । इस अवसर पर संस्था की ओर से भक्तों के बीच भोग का भी वितरण किया गया। मौके पर बीके वीना, कविता सेन, उर्मिला देवी,लीला देवी,सीमा उरांव,सीता उरांव, निर्मला उरांव, इंद्रा देवी, विरासमुनी देवी, कुशुम राठौर, शीला देवी, महेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे। यह जानकारी अमन ने दी।

चेंबर की उप समितियों के चेयरमेन की संयुक्त बैठक आयोजित

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा गठित सभी उप समितियों के चेयरमेन की संयुक्त बैठक गुरुवार को चैंबर भवन में हुई। बैठक में व्यापार उद्योग की वर्तमान में जारी समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा हुई। चैंबर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा और राहुल साबू ने सभी उप समितियों से व्यवसाय जगत की समस्याओं पर पैनी नजर बनाये रखने की अपील की और कहा कि उप समिति चेयरमेन जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ भी बैठकें कर, हर जिले की व्यवसायिक समस्याओं को एकत्रित करें और कार्रवाई करें। बैठक के दौरान उप समिति चेयरमेन द्वारा कई सुझाव भी दिये गये जिसके तहत उप समितियों को और अधिक सशक्त करने पर सहमति बनी।

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने सभी उप समितियों के चेयरमेन से आग्रह किया कि वे राज्यस्तर पर अपने कार्य को विस्तार दें और समस्याओं के निपटारे में सकारात्मक भूमिक निभायें। यह प्रयास करें कि प्रत्येक उप समितियों में प्रदेश के सभी जिलों से एक एक व्यापारी प्रतिनिधि बतौर सदस्य शामिल रहें ताकि जिला स्तर पर जारी समस्याओं के निपटारे में कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। आवश्यकता हो तब प्रमंडलों के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का भी सहयोग लें।

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष ललित केडिया ने अपने संबोधन के द्वारा उप समितियों के चेयरमेन से चैंबर हित और व्यापार हित में काम करने की सलाह देते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कमिटियों की संख्या सीमित करने को भी जरूरी बताया। उप समितियों के चेयरमेन ने इस माह एग्रो इंडस्ट्री पर दो दिवसीय प्रदर्शनी, स्टार्टअप्स कंपनियों के बीच टॉक शो, महिला उद्यमियों के द्वारा निर्मित उत्पादों को उपयुक्त मार्केट दिलाने के प्रयास, इंपोर्ट एक्सपोर्ट पर सेमिनार और चैंबर पत्रिका का प्रकाशन करने की बात कही। पॉल्यूशन बोर्ड से सीटीओ/सीटीई मिलने में होनेवाली परेशानी, पावरकट की समस्या, बिना एनओसी दिये कंपनियों द्वारा किसी दूसरे को डिस्ट्रीब्यूटर्स बनाने से हो रही परेशानी तथा बालू की कमी के कारण हो रही कठिनाई पर भी चर्चा की गई।चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा और शैलेष अग्रवाल ने संयुक्त रूप से उप समितियों को अधिक से अधिक गतिविधियों के आयोजन के लिए प्रेरित किया और कहा कि उप समितियों के प्रयास से हर सेक्टर में व्यापारियों को सुविधा मिल रही है। उन्होंने विशेष रूप से रेलवे, उद्योग, एग्रो इंडस्ट्री, टूरिज्म, सीविल एवीयेशन, एफएमसीजी, लैंड रिफॉर्म्स, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमिता, लॉ एंड ऑर्डर, जीएसटी उप समिति के द्वारा किये गये प्रयासों की भी सराहना की।

बैठक में चैंबर की कोषाध्यक्ष ज्योति कुमारी, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, नवजोत अलंग, संजय अखौरी, साहित्य पवन, विमल फोगला, डॉ अभिषेक रामाधीन, उप समिति चेयरमेन अविराज अग्रवाल, तुलसी पटेल, आनंद जालान, अनिस सिंह, किशन अग्रवाल, सुबोध चौधरी, अंकिता वर्मा, रमेश साहू, सुरेश अग्रवाल, आनंद कोठारी, बिनोद अग्रवाल, बीके तुलस्यान, सुशील चौधरी, विनोद सोमानी, अरविंदर सिंह खुराना, मुकेश अग्रवाल, एसबी सिंह, मुकेश कुमार, सौरव बोस, डॉ.अनल सिन्हा, रिषभ छापडिया, प्रकाश अग्रवाल, मनोज मिश्रा, संतोष अग्रवाल, राजीव चौधरी, त्रिलोचन सिंह, विकास सहाय, अमित अग्रवाल, विकास अग्रवाल, आदित्य खंडेलवाल, ज्योति पोद्दार, राजीव सहाय, विजय शंकर, बिनोद बक्शी, श्रवण राजगढिया, संजय सिंह, माला कुजूर, आस्था किरण, प्रभाकर गौतम, सजल सहाय, राकेष चौधरी, पंकज पियूष, मनीष वर्मा, मनीष जैन, धीरज ग्रोवर, सुनिल माथुर समेत अन्य उपस्थित थे।

साइबर अपराधियों की ठगी के शिकार हो रहे ग्रामीण

थाना प्रभारी से लगाई गुहार

पूसू प्रतिनिधि,विष्णुगढ़। साइबर अपराधी शैलो फेंक के माध्यम से तरह तरह के हथकंडे अपना कर भोले भाले लोगों को झांसा देकर लाखों का चूना लगा रहा है। पहले वह फोन करके अपने चिकनी चुपड़ी और भावनात्मक बातें कर आम लोगों को विश्वास में लेता है। इसके बाद ऑनलाइन रुपये मंगवाकर बैठ जाता है। लोग भावुक होकर उनके बातों में आ कर बर्बाद हो रहे हैं। क्षेत्र के महिलाएं खास कर गर्भवती महिला इन साइबर अपराधियों के शिकार हो रहे हैं। ऐसा ही एक मामला विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र की है। ग्रामीणों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन विष्णुगढ़ थाना प्रभारी को देकर कार्रवाई की मांग की है?। ग्रामीणों ने कहा कि अबतक क्षेत्र में कई लोग ठगी के शिकार हो चुके हैं। गत सप्ताह एक गर्भवती महिला को 8252763574 से फोन किया और उसका सारा डिटेल्स बताकर पहले उसको विश्वास में लिया। फिर झांसा देकर करीब हज़ारों रुपये ऑनलाइन पेमेंट लिया। अब वह फोन नहीं उठा रहा है। क्षेत्र के 10-15 महिलाएं शिकार हो चुकी है।जिस नंबर से कॉल किया गया था ट्रू कॉलर में सुनील कुमार नाम दिख रहा है। थाना प्रभारी राम नारायण सिंह ने बताया कि सावधान और सतर्क रहने की जरुरत है। मामले की जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

ओडीएम सफायर ग्लोबल स्कूल की स्टॉकग्रो के साथ साझेदारी

वित्तीय साक्षरता को मिल रहा बढ़ावा

विशेष संवाददाता ,रांची। राजधानी स्थित ओडीएम सफायर ग्लोबल स्कूल और स्टॉकग्रो ने हाल ही में छात्रों के लिए एक विशेष चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। यह साझेदारी छात्रों और शिक्षकों को आवश्यक वित्तीय ज्ञान और विशेषज्ञता से समृद्ध करने के लिए समर्पित थी और इसने उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

यह अभिनव सहयोग स्टॉकग्रो के निपुण विशेषज्ञों द्वारा दिए गए दो दिनों के आकर्षक अतिथि व्याख्यान और दो वास्तविक समय के इमर्सिव सिम्युलेटेड ट्रेडिंग सत्रों के साथ शुरू हुआ। मूल रूप से यह साझेदारी छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक वित्तीय कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करती है।

इस अवसर पर ओडीएम सफायर ग्लोबल स्कूल के प्रिंसिपल अमित सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमारे आधिकारिक वित्तीय शिक्षा भागीदार के रूप में स्टॉकग्रो के साथ हमारा सहयोग हमारे छात्रों के लिए परिवर्तनकारी रहा है। इसने उन्हें वित्त में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण मूल्यवान ज्ञान और कौशल से सुसज्जित किया है, जिससे वित्तीय सफलता के लिए एक ठोस आधार तैयार हुआ है।

स्टॉकग्रो के संस्थापक अजय लखोटिया ने सहयोग पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि ओडीएम सफायर ग्लोबल स्कूल, रांची के साथ यह साझेदारी हर जगह छात्रों के लिए वित्तीय ज्ञान को सुलभ बनाने के हमारे मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम व्यावहारिक वित्तीय शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अगली पीढ़ी को वित्त में सफलता के लिए आवश्यक कौशल से लैस करेगी।

सीएम चंपाई सोरेन ने आदिवासी हॉस्टल में की सरहुल पूजा

राज्य की खुशहाली की कामना की

विशेष संवाददाता ,रांची । प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन वीर बुधु भगत आदिवासी हॉस्टल पहुंचे। आदिवासी हॉस्टल में सीएम का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सरहुल की बधाई दी गई। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक तरीके से यहां पूजा अर्चना की एवं राज्यवासियों के लिए सुख एवं समृद्धि की कामना भी की। उन्होंने कहा कि आज का दिन बेहद खास है। सरहुल भी है, ईद भी है और साथ ही नवरात्रि भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर सभी राज्यवासियों को बधाई देता हूं। राज्य की तरक्की के लिए कामना करता हूं।

श्री श्री 1008 शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

प्रतिनिधि,केरेडारी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पताल में श्री श्री1008 शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के दौरान वैदिक संस्कृति मंत्रोंच्चारण की विधि यज्ञाचार्य नरेश पांडे व मंडली केरेडारी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । अनुष्ठान के यजमान नरेश गोप सनोज महतो सत्यनारायण गोप घुनेश्वर महतो, मोहन गोप सोहर महतो लालदेव महतो धनेश्वर महतो नागेश्वर महतो सोमर गंझू शिवनारायण मुंडा अपनी अपनी पत्नी के साथ पूजा अर्चना शामिल हुए । कलश यात्रा में विधायक अंबा प्रसाद और बड़का गांव विधानसभा आजसू पार्टी प्रभारी रोशन लाल चौधरी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यज्ञ के प्रभाव से वातावरण पूर्णतः शुद्ध होता है। इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान होना बहुत खुशी की बात है। कलश यात्रा में लगभग 501 कन्या व महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा की शुरुआत शिव मंदिर परिसर से शुरू हुई जो मुख्य पथ से होते हुए दामोदर नदी घाट पर जल भरकर कई गांव का भ्रमण करते हुए देवी मंडप पुनः शिव मंदिर प्रांगण पहुंची जहां कलश को स्थापित किया गया। इसके पश्चात कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कलश यात्रा में काफी संख्या में आसपास के गांव के सभी समुदाय के लोग साथ साथ चल रहे थे।इस दौरान डीजे एवं बाजे गाजे के धुन तथा हर महादेव के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा । महायज्ञ को लेकर पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक विधुत साज सज्जा से सजाया गया। पूजा कमिटी अध्यक्ष मनकु महतो ने कहा कि शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह प्राण प्रतिष्ठा शिवलिंग की स्थापना 14 अप्रैल को होना सुनिश्चित हुआ है।

कलश यात्रा में सदस्य पिंटू मुंडा, दिनेश महतो, सुरेश गोप, वीरेंद्र कुमार , भीम महतो, मोहन मुंडा, मोहर महतो, गोवर्धन महतो,भीम महतो, सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

श्रीमहावीर मंडल सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

वरीय संवाददाता

रांची। श्री महावीर मंडल, रांची के पदाधिकारी व मंडल के सलाहकार समिति की बैठक सह सम्मान समारोह श्री दुर्गा मंदिर ट्रस्ट के सभागार में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू ने किया।

श्री राम स्तुति के साथ बैठक की शुरुआत हुई ।

अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू ने बताया कि चुनाव के बाद कार्य समिति के गठन के साथ ही मंडल के संविधान संवत सलाहकार समिति का भी गठन किया गया ।

जिसमें सर्वसम्मति से हीरालाल साहू, यदुनाथ पांडेय, जयप्रकाश गुप्ता ,वीरेंद्र साहू,रामधन बर्मन को रखा गया। बैठक में सलाहकार समिति के सदस्यों को पदाधिकारी के द्वारा अंग वस्त्र श्री राम के दुपट्टे व चुनरी देकर सम्मानित , अभिनंदन किया गया।

इस उपलक्ष्य पर सलाहकार समिति के रामधन बर्मन ,यदुनाथ पांडेय, डॉ वीरेंद्र साहू ,हीरालाल साहू और जयप्रकाश गुप्ता ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान मंडल के पदाधिकारी को बधाई दी एवं श्री रामनवमी महोत्सव में तन मन और धन से पूरी तरह सहयोग का आश्वासन भी दिया। श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू नए सलाहकार समिति को बताया कि हमारी टीम सभी रामनवमी अखडाधारियो के यहां जाकर उनकी समस्या और सुझाव को सकारात्मक रूप में लेते हुए हर संभव मदद करने का उन्हें आश्वासन भी दे रहे हैं ।

सभी सम्मानित पूर्व अध्यक्ष और अभिभावकों से श्री रामनवमी महोत्सव के सफल संचालन के लिए मार्गदर्शन चाहिए।

इस अवसर पर अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, उपाध्यक्ष राजा सेन गुप्ता ,राजकिशोर, सह सचिव गोपाल सोनी, उदय रविदास ,कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत ,प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

श्री महावीर मंडल रांची ने लगाया स्वागत शिविर

अल्बर्ट एक्का चौक पर श्री महावीर मंडल, रांची के द्वारा शिविर लगाकर सरहुल पर्व के शोभायात्रा भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर शोभा यात्रा में शामिल लोगों के बीच इलायची,बादाम, किशमिश, मिश्री ,सहित पानी का भी वितरण किया गया। श्री महावीर मंडल, रांची के शिविर में मुख्य रूप से अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, उपाध्यक्ष राजा सेन गुप्ता, राज किशोर, मंत्री दीपक ओझा, सह मंत्री गोपाल सोनी, उदय रविदास,प्रेम चंद चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा, ने अपनी सेवा दी।

अमेजन पर नेशनल पेट डे पर खास डील्स पेश की

रांची। अमेजन.इन पर नेशनल पेट डे को खास दिन को मनाने के लिए, अमेजन ने पालतू पशुओं के मालिकों और शौकीनों के लिए एक %पर्फेक्ट% शॉपिंग गाइड तैयार की है। यह शॉपिंग गाइड आपके प्यारे पालतू पशुओं के लिए खासतौर पर तैयार की गई है। यह गाइड आपको अपने प्यारे साथी के साथ पूरी धूमधाम से जश्न मनाने और उन्हें खुश करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसकी मदद से आप यह तय कर सकेंगे कि आपके हरदिल अजीज को बेस्ट से कम कुछ न मिले। नेशनल पेट डे के मौके पर सभी पालतू पशुओं को खाने में ऐसे प्रीमियम फूड मिलने चाहिए जो उनका दिल खुश कर दे, ऐसे खिलौने मिलें जो उन्हें भरपूर मजा दें, रोजमर्रा की जरूरत की ऐसी चीजें मिलें जो उन्हें भरपूर आराम दें, या फिए ऐसे विटामिन मिलें जो उन्हें सेहतमंद और फुर्तीला रखें। आपके पालतू पशु की सभी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, अमेजन.इन पेडिग्री, डूल्स, व्हिस्कस, बार्क आउट लाउड, प्योरपेट, चैप्पी, रॉयल कैनिन, द बर्ड्स कंपनी, हिमालय वेलनेस कंपनी जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों का एक विशाल संग्रह पेश कर रहा है। निशांत रमन, डायरेक्टर, कोर कंज्यूमेबल अमेजन इंडिया ने कहा, ÷नेशनल पेट्स डे के मौके पर, हमने पालतू जानवरों के प्रेमियों के लिए शॉपिंग गाइड और शानदार डील्स के साथ एक खास स्टोर तैयार किया है। यहां से ग्राहक पेट प्रोडक्ट के विशाल संग्रह के साथ किफायती कीमतों पर खरीदारी कर सकते हैं। यहां पेट फूड से लेकर, फर्नीचर, यूमिंग एक्सेसरीज़, टॉय आदि सब कुछ मिलेगा।

'गौर ये गणगौर माता खोल या किवाड़ी'..... से गुंजायमान हुआ लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर

वरीय संवाददाता

रांची। मारवाड़ की संस्कृति के प्रतीक लोकपर्व गणगौर की सार्वजनिक पूजा की व्यवस्था श्री माहेश्वरी सभा द्वारा 1981 से राजस्थान की पुरानी परंपरा की विरासत को संजोए हुए गणेश नारायण साबू चौक, सेवा सदन पथ,अपर बाजार स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में हर साल की जाती रही है।

गणगौर पूजा मारवाड़ी समाज का प्रमुख लोक पर्व है।जो होलिका दहन के दूसरे दिन से 16 दिनों तक कुवांरी कन्या व सुहागन महिलाओं का त्योहार है।

इस क्रम में गुरुवार को श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में सुबह 6बजे से शुरू हुई गणगौर पूजा अपराह्न 2बजे तक अनवरत चलती रही।गणगौर मिलान एवं विसर्जन के लिए अपराह्न 3बजे से मारवाड़ी समाज की महिलाओं के आने का सिलसिला जो शुरू हुआ वो संध्या 6.30 बजे तक जारी रहा।मंदिर परिसर में गणगौर मिलन एवं बड़ा तालाब में गणगौर विसर्जन घाट की व्यवस्था माहेश्वरी समाज के तीनों संगठन (श्री माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला समिति, माहेश्वरी युवा संगठन) के सहयोग से सुचारू रूप से चला। माहेश्वरी भवन में लगाये गए गणगौर मेला में गणगौर विसर्जन करने आई महिलाओं ने रात्रि 8 बजे तक लजीज व्यंजन का आनंद लिया।

इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक शिव शंकर साबू ने यह जानकारी दी। इस महोत्सव को सफल बनाने में प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राज कुमार मारु , सभा अध्यक्ष श्रीकिशन जी साबू , सचिव नरेंद्र लाखोटिया, ओमप्रकाश बोड़ा, कुमुद लाखोटिया, लक्ष्मी चितलांगिया, शारदा लड्ढा, विकास काबरा, अंकित बियानी, नयन बोड़ा, राधव सारडा , गोवर्धन प्रसाद भाला, दीपक मारु, प्रभात साबू ,बंसत लाखोटिया,अमित मालपानी , मनमोहन मोहता, श्याम बिहानी, सौरभ डागा, अंकुर डागा, युवा संगठन अध्यक्ष विनय मंत्री, सचिव हेमंत माहेश्वरी, महिला समिति अध्यक्षा भारती चितलांगिया, सचिव बिमला फलोड़, अजय शंकर साबू, राजेश सोमानी, बिभोर डागा, सुरेश सारडा, राजेश साबू,अनिल साबू,राम बांगड़, विजय श्री साबू, अनीता साबू, शशि डागा, सरिता चितलांगिया, अर्चना साबू, मोहित सोमानी, गौरव काबरा, सौविक बोड़ा, प्रकाश काबरा एवं समाज के तीनों संगठन के सदस्यों का साथ रहा।

न्यू पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाया गया सरहुल पर्व

वरीय संवाददाता ,रांची। राजधानी स्थित नवीन पुलिस केंद्र में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरहुल पूजा के शुभ अवसर पर पूजा स्थल पर पूजा-अर्चना वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा द्वारा किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक,नगर राज कुमार मेहता, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक,सुमित कुमार अग्रवाल,पद्मश्री मुकुंद नायक, परिचारी प्रवर प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, कॉमनवेल्थ सिलवर मेडल विजेता, दिनेश कुमार,सभी परिचारी, झारखंड पुलिस, एसोसिएशन के सभी नेता,मंत्री,रांची पुलिस मेंस एसोसिएशन के सभी नेतागण, पुलिस पदाधिकारी/पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

सरहुल पर्व का मतलब ही है प्रकृति और पेड़ों की पूजा- सीपी राधाकृष्णन

रांची विवि परिसर स्थित जनजाति भाषा विभाग प्रांगण में सरहुल पूजा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा

वरीय संवाददाता

रांची। सरहुल पर्व के अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय भाषा विभाग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए। कार्यक्रम में राज्यपाल के साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पद्मश्री अशोक भगत, रांची यूनिवर्सिटी के वीसी समेत कई गणमान्य शिरकत किये। कार्यक्रम में राज्यपाल का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। ढोल नगाड़े के साथ युवक और युवतियों ने राज्य के गवर्नर का स्वागत किया। इसके बाद राज्यपाल ने मंडप में विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि सरहुल हमें सिखाता है कि प्रकृति की पूजा प्रत्येक दिन करनी चाहिए। वसंत ऋतु में सरहुल पर्व का मतलब ही है प्रकृति और वृक्षों की पूजा करना। पेड़ों की पूजा, जानवरों की पूजा और और जंगल की पूजा हमारे जीन में है जो कभी समाप्त नहीं होगा। झारखंड के लोग जन्म से ही प्रकृति से प्रेम करते हैं। इसी स्नेह की वजह से पूर्वजों ने सरहुल की शुरुआत की। इसमें हम पेड़ों को भगवान की तरह पूजते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी बार सरहुल महोत्सव में मैं शामिल हुआ हूं। राज्यपाल ने कहा कि ये जानकर मुझे खुशी हो रही है कि न केवल आदिवासी भाई बल्कि दूसरे समुदाय के लोग भी सरहुल मना रहे हैं।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरहुल पूजा के माध्यम से प्रकृति और पूर्वजों का याद करते हुए आने वाले कल को बेहतर बना सकते हैं। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि सरहुल हमारे आदिवासी भाई-बहनों के नव वर्ष का प्रतीक होता है। मानव जाति और प्रकृति का प्रेम भी दर्शाता है। अलग अलग गांवों में ये अलग अलग समय पर भी मनाया जाता है। आरयू के वीसी ने कहा कि आज जिस तरह से प्रकृति का दोहन किया जा रहा है। प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ चुका है।

ईद उल फित्र की नमाज अकीदत के साथ अता की गई

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। गुरुवार को विभिन्न मस्जिदों एवं ईदगाहों में ईद उल फित्र की नमाज अकीदत के साथ अता की गई। गिरिडीह में बरवाडीह स्थित ईदगाह, भण्डारीडीह, मोहनपुर, बिशनपुर लाइन मस्जिद बुढ़ियाखाद ,कोलडीहा सिकदारडीह, तेलोडीह समेत विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में भी ईद की सामूहिक नमाज अता की गई।वहीं नमाज के बाद एक दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। मुस्लिम संप्रदाय का एक माह के रमजान महीने की समाप्ति के पश्चात् डुमरी में भी खुशियों एवं भाईचारा का पर्व ईद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर डुमरी प्रखंड के डुमरी, इसरी, निमियाघाट, मधुपुर, पोरदाग, खाखी, गट्टीगढ़ा, रांगामाटी, परसाबेड़ा, धावा टांड, भावानन्द आदि स्थानों में स्थित मस्जिदों तथा ईदगाहों में इस्लाम धर्म के अनुयायियों ने सामूहिक रुप से शांतिपूर्ण वातावरण में नमाज़

अता की और दिन- हीन व्यक्तियों को फ़ित्र अर्थात दान दिए।इस मौके पर मस्जिदों व ईदगाहों के आसपास आज तडके से ही भीड़- भाड लगी रही। ईद-उल-फितर के नमाज़ से पूर्व पेशीमामों ने मुस्लिम धर्मावलम्बियों को खुशी, जकात व दीर्घ उपवास के बाद इस पर्व की महत्ता बताया साथ ही खुदा से सुख-शांति और बरक्कत के लिए दुआएं की। इस पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन ने जगह जगह सुरक्षा के पुख्ता इन्तेजाम किये गए थे।डुमरी एवं निमियाघाट पुलिस के जवान चौकसी लगाते देखे गए।लोगों ने एक माह के लागातार रोज़े के बाद दिन का भोजन किया। बच्चे, वृद्ध, युवा, महिला, पुरुष सभी नए-नए वस्त्रों में सुगन्धित तथा सुसज्जित थे। ईद के मौके पर सबसे जरुरी मीठी सिवईय्या खाए और खिलाये गए। नमाज़ की समाप्ति के उपरांत दिन भर मित्रों, सगे सम्बन्धियों से गले मिल कर प्रशन्नता व्यक्त करने का सिलसिला जारी रहा. हिन्दू भाईयों ने भी मुस्लिम मित्रों को ईद की बधाईयाँ दिया।इस बाबत युवा कांग्रेस के जिला सचिव सरफराज अहमद (गुड्डू) सदिक अली, सहीद अन्सारी, असलम अन्सारी, रमजान अंसारी, ताज हसन, सनाउलाह अन्सारी, मकसुद अंसारी, नौशाद, अख्तर आदि सक्रिय रहे।वहीं जिले के अन्य प्रखंडों में भी ईद का पर्व मनाया गया।

इटखोरी पुलिस ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

रोड के किनारे दुकान लगाने वाले को दिए गए कल तक खाली करने की चेतावनी

प्रतिनिधि,इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पुलिस प्रशासन ने इटखोरी चौक पर गुरुवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान अभियान में शामिल बीडीओ सोमनाथ बाकिंरा व थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह एवं पुलिस सशस्त्र बल के जवानों ने विक्रम गिरी के घर से लेकर प्रेम बुक सेंटर तक रोड किनारे लगे फुटपाथ दुकानों और साग- सब्जी विक्रेताओं तथा अन्य ठेला दुकानदारों को वहां से हटा दिया। इस अभियान का नेतृत्व कर रहे बीडीओ सोमनाथ बाकिंरा और थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने अतिक्रमण करने वाले साग सब्जी, ठेला खोमचे दुकानदारों तथा फुटपाथ दुकानदारों को निर्देश दिए हैं, कि वे शुक्रवार तक अपने-अपने अतिक्रमण हटा लें। अन्यथा पुलिस प्रशासन अपने तरीके से अतिक्रमण हटाएगी। इसके बाद उनके विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा। इटखोरी बाजार में इन दुकानदारों के द्वारा अतिक्रमण करने के कारण इटखोरी बाजार दिन ब दिन संकीर्ण होता चला जा रहा है। रोड पर हमेशा दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। एसआई पंकज कुमार सिंह,इटखोरी थाना के सशस्त्र बल रोहित राम, कृष्णापति तिवारी, उपेंद्र पाल, अभय कुमार, गोलकचंद महतो, अभ्यास कुमार,अशोक कुमार रविकांत सिंह, अभय सिंह मौजूद थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने दी ईद की शुभकामनाएं

संवाददाता

रांची। ईद के अवसर पर राजधानी स्थित विभिन्न ईदगाहों पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने उपस्थित होकर ईद की शुभकामनाएं दी। मौके पर उन्होंने कहा कि ईद का त्यौहार हमें इंसानियत और भाईचारगी का संदेश देता है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता सुरेन्द्र सिंह, रांची विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता दीपक लाल सहित अन्य मौजूद थे।

सेंट्रल मुहर्रम कमेटी ने सरहुल जुलूस का किया स्वागत

वरीय संवाददाता

रांची। सेंट्रल मुहर्रम कमिटी ने मेन रोड में शिविर लगा कर सरहुल जुलूस का भव्य स्वागत किया। सरपरस्त मो. सईद की सरपरस्ती में शिविर में सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के अकिलुर्रहमान, मो.अफताब,मो. इस्लाम,मो. तौहीद,जावेद गद्दी, मासूम गद्दी,मो. शफीक,मो.नईम, हाजी माशूक मो. अब्दुल्लाह चीना गद्दी, जसीम हसन,परवेज आलम,एनायतुल्लाह सहित काफी संख्या में लोगों ने जुलूस में शामिल प्रकृति प्रेमियों का स्वागत किया। रांची की सड़कों पर ईद एवं सरहुल के अवसर पर सद्भवना का अदभुत नजारा दिखा तथा ईद ,और सरहुल की एक दूसरे को बधाई देते हुए लोग नज़र आये।

महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई गई

प्रतिनिधि, मनिका (लातेहार)। मनिका भाजपा मण्डल के ओबीसी जिला सोशल मीडिया प्रभारी अमरदीप गुप्ता के आवास में भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष मनोज यादव के अध्यक्षता में महात्मा ज्योतिबा फुले का जयंती मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान प्रखण्ड प्रमुख प्रतिमा देवी,मण्डल महामंत्री मंदीप कुमार, अजय गुप्ता, सतनारायण प्रसाद समेत कई लोग उपस्थित थे।

पत्थर व बालू लदे तीन ट्रैक्टर को मनिका पुलिस ने धर दबोचा

प्रतिनिधि,मनिका (लातेहार)। मनिका थाना क्षेत्र के कुई वन क्षेत्र से पत्थरो का अवैध उत्खनन कर ले जा रहे दो ट्रैक्टर को मनिका पुलिस ने गुरुवार को धर दबोचा। वही एक बालू लदा ट्रैक्टर को भी पकड़ा है ।उक्त मामले की पुष्टि मनिका थाना पुलिस ने किया है ।पकड़े गये सभी ट्रैक्टर मालिको के विरूद्ध मनिका थाना मे प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है ।इस बावत मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार दिन को पुलिस को गुप्त सूचना मिली की थाना क्षेत्र अंतर्गत कुई गांव के आसपास के जंगलो से बालू व वन माफियो के द्वारा पत्थरो का अवैध उत्खनन कर बेचा जा रहा है ।वही उक्त पत्थरो का प्रयोग ठेकेदारो के द्वारा पुल पुलिया के निर्माण मे भी किया जाता है ।मिली गुप्त सूचना के आधार पर जिला व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई मे पत्थर लदा दो ट्रैक्टर वही भटको गांव समीप औरंगा नदी से बालू उठाव कर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को भी पकड़ थाना ले आया ।गौरतलब हो की मनिका थाना क्षेत्र मे चार दिन के अंदर दूसरी बार जिला व पुलिस प्रशासन की बालू व पत्थर माफियो के विरूद्ध कारवाई की गई है ।उक्त कारवाई से बालू व पत्थर माफियो मे हड़कंप व्याप्त है।

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने मनाई ज्योति बा फुले की जयंती

महात्मा ज्योति बा फुले के विचार आज भी प्रासंगिक :राजेश गुप्ता

वरीय संवाददाता

रांची। लोकतंत्र में समानता और स्वतंत्रता का अधिकार मिले, जाति मुक्त समाज बने, स्त्री-पुरुष के बीच समानता हो, जन्म के आधार पर कोई छोटा-बड़ा नहीं हो। यह विचार महात्मा ज्योति बा फुले ने व्यक्त किया था, जो आज भी प्रासंगिक है। उक्त बातें गुरुवार को मोर्चा के प्रदेश कार्यालय में महात्मा ज्योति बा फुले महाराज की 198 वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कही। श्री गुप्ता ने प्रदेश में महात्मा ज्योति बा फुले की आदमकद प्रतिमा लगाने और विद्यालय महाविद्यालय में उनकी तस्वीर लगाई जाए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की महात्मा ज्योति बा फुले महाराज ने महिला शिक्षा में बड़ा काम किया है। सबसे पहले अपनी पत्नी को पढ़ा कर 1848 में पहली बालिका शिक्षा विद्यालय की स्थापना की। फुले महाराज लेखक भी थे। उनके द्वारा लिखित गुलामगिरी, किसान का कोड़ा पुस्तक काफी चर्चित हुआ था।

मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष सूबेदार एसएन सिंह

कुशवाहा,महासचिव अजय मेहता,रामावतार कश्यप,विनय चंद्रवंशी,अजय मंडल,उपेंद्र कुमार, जगदीश साहू,अनुज कुमार साहू ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उक्त जानकारी अशोक कुमार कुशवाहा (मीडिया प्रभारी) ने दी।

प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया

प्रतिनिधि,मनिका (लातेहार)। प्रकृति पर्व सरहुल मनिका प्रखंड मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया। पाहन के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करायी गयी। सरहुल पूजा संचालन समिति के अध्यक्ष नागेंद्र उराव के नेतृत्व में शोभा यात्रा निकाली गयी। शोभा यात्रा में विभिन्न गांवों के लोगों ने आदिवासी सांस्कृतिक की झलक प्रस्तुत की। शोभा यात्रा मनिका हाई स्कूल से पचफेड़ी होते हुए पुनः हाई स्कूल मैदान में पहुंची और सभा में तब्दील हो गयी। मुख्य अतिथि प्रखण्ड प्रमुख प्रतिमा देवी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासियों मुख्य पर्व सरहुल पूजा है। जिसमें प्रकृति की पूजा होती है। यह पर्व एकता एवं शांति का पर्व है।

उन्होंने कहा कि पर्व के दिन लोग सरना स्थल पर शाल वृक्ष की पूजा करते हैं क्योंकि पेड़ है तो हमारा जीवन है। उन्होंने कहा कि इससे सिर्फ आदिवासी ही नहीं बल्कि सभी समुदाय के लोगों को लाभ मिलता है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पासवान ने कहा कि सरहुल पर्व आदिवासी एकता और भाईचारा का संदेश देता है। इस मौके पर राजद नेता रघुपाल सिंह,

प्रखण्ड बिसुत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान, जिप सदस्य बलवंत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। वहीं सरहुल संचालन समिति की ओर से सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले खोड़हा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुखिया सुदेश्वर सिंह, दिनेश प्रसाद, अजय यादव, बहादुर उराव समेत कई लोग उपस्थित थे।

रांची रिग ऑनर एसोसिएशन का हुआ गठन

महेश चंद्रा बने अध्यक्ष

प्रतिनिधि,रांची। राजधानी के बूटी मोड़ स्थित होटल रॉयल रिट्रीट में रांची रिंग (बोरिंग गाड़ी) ऑनर एसोसिएशन की बैठक संस्था के संस्थापक सुनील तिवारी की अध्यक्षता में हुई।इस मौके पर छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। संस्था के बेहतर संचालन पर चर्चा हुई। साथ ही रामनवमी पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर संस्थापक सुनील तिवारी की अध्यक्षता में नई कमेटी बनाई गई।

इसमें अध्यक्ष महेश चंद्रा,सचिव राजेश कुमार,उप सचिव जितेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष विनोद वर्मा,सह कोषाध्यक्ष किशोर कुमार, उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार एवं अभिनव दुबे,मीडिया प्रभारी रवि वर्मा एवं अमरदीप सोनी सहित संरक्षक मंडली में सात लोगों को शामिल किया गया है। बैठक में दिनेश कुमार,मयंक कुमार,रोमित तिर्की,दिगंबर महतो,रवि कुमार माली,राहुल रस्तोगी,मनोज गोप,तस्लीम अंसारी,मोहम्मद रेहान एवं पूर्व कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह मौजूद थे।

हजारीबाग में हर्षोल्लास के साथ मनाई ईद

प्रतिनिधि, हजारीबाग। हजारीबाग शहर के जामा मस्जिद में नमाज़ -ए- ईद दो जमात में हुई। पहली जमात सुबह 8ः45 तो वही दूसरी जमात 9ः30 बजे हुई 7 बता दे कि नमाज़ अदा करने के बाद लोगो ने पूरे हिन्दुस्तान के लिए दुआएं मांगी वा अपने शहर हजारीबाग में ऐसे ही अमन चैन कायम रहे उसके लिए भी दुवाए की और सभी लोग एक दुसरे से गले मिले। बताते चले कि हर साल कि तरह इस साल भी नमाज़ -ए- ईद के बाद जामा मस्जिद की ओर से सेंवई एव खाने का इंतज़ाम किया गया 7 वही सुरक्षा के दृष्टी से जिला प्रशासन के ओर से शहर के सभी चौक चौराहों पर पुलिस बल दिया गया।

प्रखंड में अकीदत के साथ रोजेदारों ने अदा की ईद की नमाज, मांगी अमन चैन की दुआ

प्रतिनिधि,इटखोरी। इटखोरी (चतरा)प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मस्जिदों में ईद उल फितर के अवसर पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की। रब से मुल्क में अमन चैन और भाईचारे की दुआ की। पूरे एक महीने पाक रमजान की रोजा के बाद ईद मनाई जाती है। प्रखंड के इटखोरी, परसौनी, धनखेरी, टोनाटांड़ समेत तमाम मस्जिदों में ईद की नमाज खुशनुमा माहौल में अकीदत के साथ अदा की गई और अमन चैन की दुआ मांगी गई। नमाज अदा कर लोग एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश किये। इस मौके पर बड़े बच्चे युवा सब में उत्साह का माहौल देखा गया।

कान्हाचट्टी प्रखंड के बेंगोकला और कोल्हैया में हुआ रात्रि चौपाल का आयोजन

- उपायुक्त ने कार्यक्रम में पहुंच मतदाताओं को दिलाया मतदाता शपथ
- नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति कर भी मतदाताओं को किया गया जागरुक
- मतदाताओं ने मोबाइल फ्लैस लाइट जलाकर उत्साह के साथ 20 मई को वोट करेगा चतरा का लगाया नारा

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

कान्हाचट्टी(चतरा)। चतरा संसदीय क्षेत्र में लोकसभा आम चुनाव 2024 को लेकर 20 मई को मतदान दिवस निर्धारित है। इसे लेकर प्रशासन द्वारा इस त्योहार को सफल बनाने हेतु आवश्यक तैयारी की जा रही है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप के नेतृत्व में जिले के वरीय अधिकारी विभिन्न प्रखंडों में लगातार जन जागरूकता अभियान चलाकर मतदाताओं को मतदान के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाकर सजग करने में जुटे हैं। इसी अभियान के तहत अब जिला प्रशासन चुनाव आयोग के स्वीप कार्यक्रम के तहत अब गांवों में रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों को लोकतंत्र के महापर्व में शत प्रतिशत मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावे विद्यालयों में स्टोरी लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, रंगोली, मेहंदी समेत अन्य कार्यक्रम कराएं जा रहे हैं।आंगनवाड़ी केंद्र, ग्रामीण व सुदूरवर्ती क्षेत्रों, चौक चौराहों पर तरह तरह के व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। शाम ढलते ही प्रशासन द्वारा अब गांव में जाकर ग्रामीणों से बढ़-चढ़कर वोट करने की अपील की जा रही है। इतना ही नहीं अधिकारियों के द्वारा मतदान से होने वाले फायदे और लोकतंत्र के महापर्व के बाद देश की दशा और दिशा पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति जागरूक कर ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की जा रही है। साथ ही साथ घरों से निकलकर आगमी 20 मई को मतदान केंद्र पहुंचकर पहले मतदान करने और अन्य लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करने का शपथ भी दिला रहे हैं। जिला प्रशासन के इस कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह भी देखा जा रहा है। इसी जागरूकता अभियान के दौरान बुधवार को जिला प्रशासन कान्हाचट्टी प्रखंड के बेंगोकला एवं कोल्हैया के पोलपोल पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक किया। बेंगोकला पंचायत सचिवालय एवं पोलपोल गांव में उपायुक्त ने रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कर मतदान के महत्व के बारे में बताया, उन्होंने आगे यह भी बताया की अगर किसी मतदाता का नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है तो वैसे मतदाता 23 अप्रैल तक बीएलओ से संपर्क कर या फिर मतदान केंद्र जा कर या ऑनलाइन माध्यम से प्रपत्र 6 भर कर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा लें और चुनाव का पर्व देश का गर्व में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा 20 मई चुनाव दिवस के दिन सभी मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंच अपने मत का प्रयोग अवश्य करे। जिला प्रशासन द्वारा शारीरिक रूप से असक्षम मतदाताओं के लिए भी आवश्यक तैयारी की जा रही है। बेंगोकला में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मतदाताओं द्वारा मोबाइल फ्लैस लाइट जलाकर उत्साह के साथ एक स्वर में ÷मेरा वोट मेरा अधिकार÷, ÷पहले मतदान फिर जलपान÷, 20 मई को वोट करेगा चतरा का नारा लगाया।इस कार्यक्रम के तहत ज्यादा लोग मतदान केंद्रों पर कैसे पहुंचे इस दिशा में भी सार्थक पहल को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

मौके पर उपायुक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पवन मंडल,एस डीएम सुरेंद्र उरांव, शिक्षा अधीक्षक अभिषेक बड़ाइक, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्र, डीएसपी मुख्यालय रोहित रजवार, नजारत उप समाहर्ता विजय कुमार दास,थाना प्रभारी गंगा सागर ओझा, कान्हाचट्टी सीओ प्रमोद कुमार, जिला जनसंपर्क कार्यालय से सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी शशिकांत कुमार श्रीवास्तव समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर मौत

प्रतिनिधि,पाकुड़। जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत पाकुड़ - दुमका मुख्य मार्ग चितलो फॉर्म के निकट एक ट्रक के चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार संतोष मड़ैया की मौके पर मौत हो गई। मृतक लिट्टीपाड़ा के सिमलांग ओपी थाना क्षेत्र के जापानी गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मृतक संतोष मड़ैया बाइक पर सवार होकर मुख्य सड़क होते हुए लिट्टीपाड़ा की ओर जा रहा था उसी वक्त पर आमड़ापाड़ा से लिट्टीपाड़ा की ओर तेज रफ्तार से जा रहे ट्रक ने चीतलो फॉर्म के निकट मोटरसाइकिल को पीछे से ठोकर मार दिया जिससे मोटरसाइकिल सवार संतोष मड़ैया ट्रक के चक्के के नीचे आने से मौके पर मौत हो गई। घटना की खबर लगते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई और मुख्य सड़क को जाम कर दिया। खबर मिलते ही बीडीओ एवं लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाया और शव को कब्जे में लेकर सड़क को जाम से मुक्त किया। मृतक के परिवार को तत्काल सहायता राशि भी दिया गया।

केकेएम कॉलेज में मनाया गया संथाली साहित्य दिवस

प्रतिनिधि,पाकुड़। विगत 11 अप्रैल को केकेएम कॉलेज के प्रांगण में छात्र-छात्राओं द्वारा संथाली साहित्य दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। संथाली साहित्य दिवस बहुत ही प्रेरणादायक होता है। इसे सिद्धू कान्हू मुर्मू के जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है और उनकी वीर गाथा और कर्म संथाली जगत में नई उमंग भर देता है। इस दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में केकेएम कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर शिव प्रसाद लोहारा एवं विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉक्टर जुगल झा उपस्थित हुए तथा अतिथि एवं वक्तागण के रूप में शिबू टुडू, मांझी मरांडी, जमीन मुर्मू, जंतु सोरेन सहित कई वक्तागण उपस्थित थे। सभी वक्तागण साहित्य दिवस के अवसर पर संथाली भाषा को लेकर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संथाली लहांती वाईसी दुमका द्वारा 31 मार्च को आयोजित लिखित प्रतियोगिता में विजेता प्राण हेंब्रम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 3 000, द्वितीय पुरस्कार मोहन टुडू को 2000, एवं तृतीय पुरस्कार छीताराई मुर्मू को 1000 रुपया दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संथाली साहित्य के अध्यक्ष गार्नेलियस मरांडी, सचिव लुखीराम हेंब्रम, कोषाध्यक्ष सुनीता हेंब्रम, छात्र नायक जयसेन सोरेन, छात्र नायिका सुशीला हांसदा,छात्र नेता कमल मुर्मू, धीतराम मुर्मू,नवीन हेंब्रम सहित दर्जनों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

कांग्रेसी पदाधिकारियों ने आलमगीर आलम के गले लगकर दी ईद की बधाई

प्रतिनिधि, पाकुड़। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री सह राज्य के विधायक दल के नेता आलमगीर आलम को उनके पैतृक आवास इस्लामपुर पहुंचकर पाकुड़ के वरिष्ठ कांग्रेसी पदाधिकारियों ने ईद उल फितर के अवसर पर एक दूसरे के गले लगकर मुबारक वाद एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, सोशल मीडिया प्रभारी पियारुल इस्लाम, ऐनुल हक उपस्थित थे ।

कलयुगी बेटे ने अपनी सगी मां को हथियार से काटकर उतारा मौत का घाट

प्रतिनिधि,पाकुड़। जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मुर्गाडांगा गांव में एक परिवार में कई दिनों से आपसी विवाद चल रहा था जिससे एक अभागिन मां की मौत हो गई। मामला गुरुवार शाम लगभग 5 बजे की है, उस परिवार में आपसी विवाद चल रहा था।विवाद इतना बिगड़ता चला गया कि जन्म देने वाली मां को उनके ही बेटे और बहू ने मिलकर धारदार हथियार से काट डाला, जिससे मां की मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले पर जानकारी देते हुए हिरणपुर थाना के एसआई गोपाल कुमार महतो ने बताया कि लंबे समय से उस परिवार में आपसी विवाद चल रही थी। हत्यारा होपन टुडू उर्फ सीमन टुडू अपनी पत्नी सोलगी सोरेन के साथ मिलकर अपनी मां रानी हेंब्रम, उम्र 50 वर्ष,पति स्व- लक्ष्मण टुडू को हथियार से अपने ही घर के आंगन में गला रेत दिया। पुलिस को सूचना मिलते ही दोनो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, और शव को थाना लाया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही कर रही है।

चौपारण पुलिस को अफीम तस्करों के विरुद्ध मिली बड़ी सफलता, दो तस्कर हुए गिरफ्तार

प्रतिनिधि,चौपारण। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह का लगातार कारवाई जारी है। पद भार ग्रहण करने के बाद अबतक 18 बड़ी कार्रवाई में 33 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुके हैं। 18 वें कारवाई में गुरुवार को एक पल्सर बाइक से 20 लाख के अफीम के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

इस सम्बंध में चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली थी कि चतरा गिद्धौर से बिना नंबर का मोटरसाईकिल से 02 युवक अवैध रूप से अफीम लेकर तस्करी करने हेतु चौपारण की ओर आ रहे है।

सूचना उपरांत छापामारी हेतु एक टीम का गठन किया गया। और अस्थायी अंतर जिला चेकपोस्ट बेढ़नाबाड़ा के पास पहुंचकर चतरा-ईटखोरी की ओर से आ रहे वाहनों का सघन रूप से जांच करने लगा। जांच के क्रम में चतरा-ईटखोरी की ओर से सूचनानुसार एक बिना नंबर के पल्सर मोटरसाईकिल पर सवार 02 युवकों को आता हुआ देखकर उन्हें रूकने का ईशारा किया तो दोनों अपना मोटरसाईकिल घुमाकर वापस ईटखोरी की ओर भागने लगे, जिनका साथ गये बल के सहयोग से पीछा करके खदेड़कर पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों तस्करों की पहचान सोनू कुमार विश्वकर्मा उम्र करीब 22 वर्ष पिता-लखन मिस्त्री और पवित्र कुमार दांगी उर्फ बिट्टू उम्र करीब 21 वर्ष पिता अवध कुमार दांगी दोनों ग्राम थाना गिद्धौर जिला चतरा के रूप में हुई।

तस्कर के बैग में मिला 4 किलो 400 ग्राम अफीम :थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने आगे बताया कि दोनों लड़कों व गाड़ियों के तलाशी लेने पर सोनू कुमार विश्वकर्मा के पास से एक ग्रे रंग का बैग में पारदर्शी प्लास्टिक में बांधकर रखा करीब 4 किलो 400 ग्राम अफीम बरामद हुआ। तस्करों से पूछताछ में बताया कि वेलोग चौपारण के एक लाइन होटल में तस्करी करने जा रहे थे। जिस संदर्भ में चौपारण थाना काण्ड सं 110/24 दिनांक-11.04.2024 धारा-414/34 भा0द0वि0 एवं 17 (सी0)/18 (सी0) एन0डी0पी0एस0 एक्ट दर्ज कर अनुसंधानभार पुअनि0 निलेश कुमार रंजन को सौंपा गया है।छापामारी दल में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बरही सुरजीत कुमार,पुअनि दीपक कुमार सिंह, थाना प्रभारी, चौपारण, पुअनि निलेश कुमार रंजन, पुअनि बिन्देश्वर महतो, चौपारण थाना और चौपारण थाना सशस्त्र बल शामिल थे।

बड़कागांव में धूमधाम से मनाई गई ईद, मस्जिदों में सामूहिक रूप से अदा की गई ईद की नमाज

पूसू प्रतिनिधि

बड़कागांव। बुधवार को ईद का चांद दिखाई देने के बाद बृहस्पतिवार को पूरे देश सहित बड़कागांव प्रखंड में भी ईद का त्योहार हर्ष उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया।

एक महीने के पवित्र रमजान के बाद बृहस्पतिवार को मुस्लिम समाज के लोगों ने शांतिपूर्वक व हर्षोल्लास के साथ ईद उल फित्र का त्योहार मनाया। हालांकि बुधवार की शाम चांद दिखते ही रोजेदारों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा था। शनिवार को सुबह से उनकी यह खुशी परवान चढ़ गयी। रंग बिरंगे नये कपड़े पहनकर सभी मुस्लिम धर्मावलंबी अपने परिजनों के साथ नजदीक की मस्जिदों में पहुंचे, जहां अल्लाह की इबादत में सामूहिक रूप से ईद की नमाज अदाकर सभी लोगों ने मुल्क के अमन चैन की दुआ मांगी। ईद की नमाज के बाद सभी ने एक दूसरे के गले मिल कर ईद की मुबारक बाद दी। लोगों के चेहरे पर ईद की खुशी दिखाई दे रही थी। दरअसल एक महीने के रमजान की समाप्ति की खुशी थी। बच्चे, बूढ़े और जवान सभी ईद की खुशी में डूबे नजर आए।

प्रखंड के जामा मस्जिद चोपदार बलिया, जामा मस्जिद बादम, बड़कागांव जामा मस्जिद, सीरमा मस्जिद, डाडी मस्जिद, सिंदुवारी मस्जिद, चेपा मस्जिद, बड़कागांव चट्टी मस्जिद, महुदी मस्जिद, महुगाई मस्जिद, हाहे मस्जिद, चंदौल मस्जिद सहित अन्य जगहों पर ईद की नमाज अदा की गई। कुल मिलाकर बड़कागांव प्रखंड में शांतिपूर्ण तरीके से ईद त्योहार संपन्न हो गया द्य इस दौरान शांति तथा कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए बड़कागांव एसडीपीओ कुलदीप कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार और थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह के द्वारा सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। प्रशासन के द्वारा बड़ी संख्या में सशस्त्र बलों की प्रतिनियुक्ति भी की गयी थी।

छवनियां कलश यात्रा रोके जाने की मामले में 8 नामजद,50 अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज

प्रतिनिधि, बड़कागांव बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत सांढ-छपेरवा यज्ञ समिति के द्वारा कलश यात्रा के दौरान छवनिया गांव में सामाजिक तत्वों द्वारा लाठी डंडे व पत्थर बाजी एवं जय श्री राम के नारे नहीं लगाने देने, साउंड सिस्टम बंद करने की घटना के मामले में बड़कागांव पुलिस के द्वारा 8 लोग नामजद तथा 50 अज्ञात लोगों के विरुद्ध थाना कांड संख्या 97/24 मामला दर्ज की। बड़कागांव थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि कलश यात्रा के दौरान उपद्रवी करने वाले को पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है दोषियों को बक्सा नहीं जाएगा पुलिस की छापामारी अभियान चल रही है।

अगर झारखंड दिल है, तो आदिवासी समाज उसकी धड़कन - आदित्य विक्रम

वरीय संवाददाता

रांची। सरहुल पर्व के अवसर पर कांग्रेस नेता आदित्य विक्रम जयसवाल ने लाल सिरमटोली, सरहुल पुजा समिति एवं मुंडा बस्ती,लोहरा कोच्चा,गोसाई टोली,डोडिया टोली,मकचुंद टोली सरहुल पूजा समिति के कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां समिति के सदस्यों ने आदित्य जयसवाल को सरई फूल लगाकर एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

इस अवसर पर आदित्य विक्रम जयसवाल ने सरहुल पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति के साथ अटूट प्रेम बंधन ही सरहुल पर्व है। झारखंड के निवासियों ने शुरू से इस परंपरा का निर्वहन किया है। उनके लिए वृक्ष कोई निर्जीव वस्तु नहीं है, बल्कि यह उनके घर का सदस्य है। उन्होंने कहा कि आदिकाल से झारखंड के आदिवासी और मूलवासी समाज धूमधाम से सरहुल का त्योहार मनाते आ रहे है। इस पर्व से हमें प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन का संदेश मिलता है।

आदित्य विक्रम ने यह भी कहा कि सरहुल दो शब्द से मिलकर बना है, सर और हूल। सर यानी सरई या सखुआ का फूल और हूल का तात्पर्य क्रांति से है।इस तरह सखुआ फूल की क्रांति को ही सरहुल कहा गया है। मुंडारी, संथाली और हो भाषा में सरहुल को बा या बाहा पोरोब, खड़िया भाषा में जांकोर, कुडुख में खद्दी या खेखेल बेंजा कहा जाता है। इसके अलावा नागपुरी, पंचपरगनिया, खोरठा और कुरमाली भाषा में इसको सरहुल कहा जाता है।

मौके पर अनिल कच्छप, बिरलू कच्छप, आज़ाद,कार्तिक कच्छप,समीर,बल्ली,बलदेव तिरकी, मोहन,पूनम तिरकी,कृष्णा सहाय,संजीव महतो,अनिल सिंह, मनोज राम, मनोज राम, संतोष सिंह,निरंजन महतो सहित अन्य मौजूद थे।

जिले भर में शान्तिपूर्ण माहौल में अदा की गई ईद की नमाज

मांगी अमन चैन की दुआ

प्रतिनिधि,पाकुड़। जिले के पाकुड़ प्रखंड सहित हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा, आमड़ापाड़ा, पाकुड़िया,महेशपुर प्रखंड के सभी ईदगाह में ईद- उल- फितर की नमाज शान्तिपूर्ण माहौल में निर्धारित समय अवधि में अदा की गई। सभी नए-नए कपड़े पहनकर स्वच्छ एवं स्वास्थ्य मन से आपसी भाईचारे के साथ व मुल्क की सलामती व मन- चैन के लिए दुआएं भी की गई फिर नमाज अदा की गई। नमाज अदा होने के पश्चात लोगों ने एक-दूसरे के साथ गले मिलते हुए देखा गया। साथ ही ईद मुबारक की शुभकामनाएं भी दी। ईद-के शुभ अवसर पर तरह तरह के नए-नए कपड़े पहने हुए लोगों के साथ सबसे खुशी बच्चों में देखी गई। तरह-तरह के दुकाने भी ईदगाह के आसपास देखा गया। लोगों को रंग बिरंगे खिलौने ख़रीद- फरोख्त करते हुए भी देखा गया। इस अवसर पर सुरक्षा की दृष्टिकोण से जगह जगह पर पुलिस बल भी तैनात किए गए थे।

बाल विवाह उन्मूलन को ले चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। गिरिडीह जिला के हरिहरधाम मंदिर झारखंडीधाम मंदिर,राजदाहा मंदिर,दुखहरण नाथ मंदिर जहां हर वर्ष सैकड़ों जोड़ों की शादी होती है। अक्षय तृतीया विवाह के लिए शुभ दिन माना जाता है। उस दिन देश भर के मंदिरों में बाल विवाह होने की भी संभावना बढ़ जाती है।इसलिए अभी से ही बाल विवाह मुक्त अभियान के सहयोगी संस्था बनवासी विकास आश्रम द्वारा मंदिर के पूजरियों,प्रबंधकों को जागरूक किया जा रहा है। ताकि अनजाने में भी बाल विवाह न होने पाए।इसके लिए शादी योग्य जोड़ियों की पहचान हेतु उन्हें किन-दस्तावेजों को प्राप्त कर संधारित करना आवश्यक है कि जानकारी दी जा रही है।बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के गिरिडीह जिला समन्वयक उत्तम कुमार ने कहा कि अक्षय तृतीया एक अत्यंत शुभ दिन है,यह दिन विवाह सहित जीवन में नई शुरुआत के लिए एक शुभ दिन माना जाता है।अक्षय तृतीया पर हर साल कई शादियां होती हैं।इस दिन विवाह मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती है।अधिकांश विवाह हॉल,विक्रेता और अन्य पेशेवर

पहले से ही बुक होते हैं और बहुत सारा व्यवसाय चल रहा है।कई लोग सामुदायिक विवाह भी आयोजित करते हैं।जहां एक ही स्थान पर दर्जनों जोड़ों की शादी होती है।बाल विवाह मुक्त भारत (सीएमएफआई) 160 से अधिक गैर सरकारी संगठनों का एक गठबंधन है। भारत में बाल विवाह को खत्म करने के लिए 300 से अधिक जिलों में एक साथ काम कर रहे हैं।सीएमएफआई बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए काम कर रहा है और संकल्पित है कि 2030 तक बाल विवाह की व्यापकता को वर्तमान राष्ट्रीय प्रसार दर 23.3 फीसदी से घटाकर 5.5 फीसदी कर दिया जाएगा।बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के सहभागी संस्था बनवासी विकास आश्रम के सचिव सुरेश कुमार शक्ति ने कहा कि अभियान से जुड़े स्वंसेवक मंदिरों तथा मस्जिदो में जाकर पंडितों, पुरोहितों और मौलानाओं को जागरूक कर रहे हैं। उन्हें बताया जा रहा है कि अगर उम्र का वेरिफिकेशन किये बिना बाल विवाह कराते हैं तो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत आपको दो वर्ष की सजा एवं एक लाख जुर्माना या दोनों हो सकती है।हरिहर धाम मंदिर प्रबंधक विजय यादव ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ मंदिर प्रबंधन हमेशा आवाज उठाता रहा है।बिना जरूरी कागजात के जांच के बाद किसी भी विवाह की रसीद नहीं काटा जाता है।उक्त कार्यक्रम में बनवासी विकास आश्रम के कार्यकर्ता महेंद्र तिवारी,भागीरथी देवी,यशोदा देवी,रवि कुमार, राजकुमार दास,उदय सोनी एवं पुजारीगण उपस्थित थे।

ईद,रामनवमी व सरहुल पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

डीसी-एसपी ने सभी से सामाजिक सौहार्द व आदर्श आचार संहिता के नियमों को ध्यान में रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की

पूसू प्रतिनिधि

मेदिनीनगर(पलामू)। जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को ईद,रामनवमी व सरहुल पर्व के मद्देनजर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। टाउन हॉल में आयोजित बैठक में जिलेभर में ईद,सरहुल व रामनवमी के त्योहार को पारंपरिक उत्साह,आपसी प्रेम एवं भाईचारे के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त श्री रंजन ने रामनवमी के अवसर पर विधि-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व संपन्न कराने के लिये सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि पर्व में डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से बंद रखने पर बल दिया साथ ही सभी रामनवमी जुलूस को रात 10 बजे तक समाप्त करने की भी बात कही।उन्होंने कहा कि यह पर्व आस्था व पवित्रता के साथ मनाया जाता है यह सिलसिला जारी रहे.उपायुक्त ने शांति समिति के सदस्यों को अपने स्तर से भी असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने की अपील की। बैठक में रामनवमी महासमिति के सदस्यों द्वारा बिजली व पेयजल से संबंधित उठाए गए समस्याओं को लेकर उपायुक्त ने नगर निगम,बिजली विभाग व पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारियों को आपस में बेहतर समन्वय बनाते हुए जुलूस रुट में पड़ने वाले सभी तरह के समस्याओं का निराकरण कराने की बात कही।उन्होंने तीनों एसडीओ को उनके क्षेत्र अंतर्गत निकलने वाले सभी जुलूस के साथ एक मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों की नियुक्ति करने व जुलूस के निगरानी हेतु सीसीटीवी लगाने,वीडियो ग्राफर की व्यवस्था रखने की बात कही। इसके पूर्व उन्होंने अनुमण्डलवार,अंचलवार तैयारियों की समीक्षा कर उनके द्वारा किये गये तैयारियों से अवगत हुए।

ड्रोन से होगी निगरानी,महत्वपूर्ण स्थानों पर किया जायेगा ब्रैकेडिंग : उपायुक्त ने सभी एसडीओ को जुलूस हेतु निर्धारित किए गए मार्गों को ड्रोन के माध्यम से पूरी तरह से स्कैन करने लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि डीजे पर पूर्ण रूप से बैन रहेगा इस दौरान पारंपरिक साउंड बॉक्स की अनुमति रहेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक आयोजन में किसी राजनीतिक पार्टी के झंडे का इस्तेमाल हुआ तो उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण स्थानों पर ब्रैकेडिंगकरना सुनिश्चित करें।

पर्व में सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नज़र-एसपी

बैठक में एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा कि पर्व को भव्य एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पलामू पुलिस सदैव तत्पर है। एसपी श्रीमती रमेशन ने कहा कि यह पर्व में मनचलों का कोई स्कोप नहीं है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के प्रत्येक गतिविधि पर है पलामू पुलिस की पैनी नजर है। उन्होंने कहा कि चनाव के दृष्टिगत भी इस वर्ष पर्व के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन ना हो,आप सब अखाड़ा समिति के सदस्य यह ध्यान रखेंगे। बैठक में जिलेभर से आये विभिन्न अखाड़ा समिति के सदस्यों ने भी अपनी-अपनी मांगों से जिला प्रशासन के पदाधिकारियों को अवगत कराया।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में उपरोक्त के अलावा सहायक समाहर्ता,सहायक पुलिस अधीक्षक,तीनों एसडीओ,सभी बीडीओ,सीओ,रामनवमी महासमिति का जनरल,शांति समिति सदस्य दल मोहर्रम इंतेजमिया कमिटी के समाजसेवी समेत बड़ी संख्या में विभिन्न अखाड़े के मेंबर व वालंटियर उपस्थित रहे।

महिला कर्मचारी से दोस्ती कर बैंक कर्मचारी ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

इंदिरापुरम। कोतवाली पुलिस को एक बैंक की महिला कर्मचारी ने अपने वरिष्ठ साथी पर दोस्ती के बहाने नजदीकी बढ़ाकर दुष्कर्म करने का मुकदमा कराया है। उनका आरोप है कि साथी ने नैनीताल में जन्मदिन मनाने के दौरान उनका फोटो-वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया। विरोध पर बेटी की कनपटी पर तमंचा लगाकर घर से 50 हजार रुपये भी निकाल लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गौतमबुद्धनगर की महिला ने 12 सितंबर 2020 को निजी बैंक में नौकरी शुरू की थी। कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन में घर से काम करने लगीं । 2021 में लॉकडाउन हटने के बाद ऑफिस जाना शुरू कर दिया था। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह फोन कॉल पर सहेली से घर की आर्थिक स्थिति के बारे में बात कर रही थीं। मनीष नाम का वरिष्ठ साथी बात सुनकर महिला के पास पहुंचा। वहां उसने कहा वह आर्थिक मदद करके उन्हें कभी परेशान नहीं होने देगा। मई 2022 के शुरुआत में मनीष पीड़िता के घर पहुंचा। वहां उसने नैनीताल में बैंक कर्मचारियों के साथ अपना जन्मदिन मनाने की बात कही और पीड़िता को अपने साथ चलने को कहा। वह पति और ससुरालियों की अनुमति से मनीष के साथ नैनीताल चली गईं। आरोप है कि बैंककर्मी ने वहां कमरे में उनकी वीडियो और फोटो फोन में कैद कर ली। वहां से घर लौटने के बाद आरोपी ने फोटो-वीडियो वायरल करने व रिश्तेदारों को दिखाने के बहाने उन्हें ब्लैकमेल किया। इस बीच इंदिरापुरम के होटल में बुलाकर कई बार महिला से दुष्कर्म किया। उन्होंने घटना की शिकायत कविनगर और इंदिरापुरम पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस ने जांच के बाद आरोपी पर दुष्कर्म, मारपीट और धमकी का मुकदमा दर्ज कर लिया। इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी मनीष को टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता बच्ची को चाइलड केयर भेजा

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में 10 साल की बच्ची के साथ चाचा और सौतेले पिता द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने बच्ची को साहिबाबाद के चाइल्ड केयर भेज दिया है। पुलिस ने बच्ची के नाना नानी को बुलाया है। पुलिस ने मामले में जल्द खुलासे का दावा किया है। एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता का मेडिकल कराया गया है। मेडिकल में बच्ची के साथ दुष्कर्म होना पाया गया है। मेडिकल के बाद अब बच्ची को साहिबाबाद के एक चाइल्ड केयर में भर्ती कराया गया है। बच्ची ने पूछताछ में कुछ अहम जानकारी परिजनों के बारे में दी है। बच्ची बहुत घबराई हुई है। बच्ची के परिजनों के बारे में पता चला है, लेकिन अभी नही मिले हैं। जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा। बता दें कि बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में 10 साल की बच्ची के साथ पिता और उसके चाचा ने दुष्कर्म किया था।

इंदिरा और सोनिया गांधी की तरह अब रायबरेली से प्रियंका का इंतजार, दो माह से जुटे कांग्रेस के रणनीतिकार

रायबरेली, एजेंसी। शांत, सुस्त और मौन साधे रायबरेली कांग्रेस में अब उमंग है। उल्लास है। बस एक उम्मीद पर कि प्रियंका आएंगी...। पिछले दो माह से चुनाव को लेकर रणनीतिकारों ने तैयारी भी शुरू कर दी है। ब्लॉक से लेकर गांव तक कार्यकर्ता और पदाधिकारी बैठक करने के साथ ग्रामीणों के बीच चौपाल लगा रहे हैं।

केंद्रीय नेतृत्व ने भले ही प्रियंका गांधी के नाम को अभी फाइनल नहीं किया है, लेकिन कार्यकर्ता उनको लेकर आशान्वित हैं। कुल मिलाकर रायबरेली के सियासी समर में इस समय वही हालात हैं जो वर्ष 1967 में इंदिरा गांधी तो 2004 में सोनिया गांधी के लिए बने थे।

बूथों पर पांच न्याय और 25 गारंटी की हो रही बात: कांग्रेस संगठन जिले के 1800 से अधिक बूथों पर ताकत लगाए है। कारण भाजपा भी बूथ जीतने की रणनीति पर चल रही है। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ता बूथ स्तर पर मेहनत कर रहे हैं। एक-एक मतदाता के नाम और उसके जातीय गणित का हिसाब रखा जा रहा है। कांग्रेस के एजेंडे को बूथों पर प्रचारित भी किया जा रहा है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटी की बात की है और जिला कांग्रेस समिति भी इसी पर फोकस कर रही है।

बीएमडी फार्मूले पर रहेगी नजर: कांग्रेस संगठन जिले के जातीय समीकरण पर नजर रखे हुए है। विधानसभा में जिस जाति का अधिक प्रभाव है, उसी के मुताबिक संगठन के पदाधिकारियों को लगाया गया है। पुराने कांग्रेसियों की भी मदद ली जा रही है। कांग्रेस रायबरेली में अभी भी अपने पुराने ब्राह्मण, मुस्लिम और दलित (बीएमडी) फार्मूले को मुफीद मान रही है। इसी कारण इस बार के चुनाव में भी पार्टी इसी फार्मूले पर काम कर रही है।

भाजपा को भी कांग्रेस के पत्ते खुलने का इंतजार: प्रियंका गांधी का नाम जब से रायबरेली में चला है, तब से भाजपा भी कांग्रेस के पत्ते खुलने का इंतजार कर रही है। पार्टी के जानकार इस कारण किसी भी प्रत्याशी के नाम की चर्चा तक नहीं कर रहे हैं। जब कुछ गुप्त रखा गया है। कौन उतर रहा है, इस पर भाजपा के बड़े पदाधिकारियों को भी पता नहीं है।

स्मृति इरानी के सामने दुविधा में दावेदारी, उलझन में जिम्मेदारी, बसपा भी प्रत्याशी को लेकर खामोश

अमेठी , एजेंसी। सुर्खियों में छाई अमेठी संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी स्मृति जूबिन इरानी के सामने चुनावी अखाड़े में कांग्रेस-सपा गठबंधन से कौन लड़ेगा, इसको लेकर स्थिति साफ नहीं है। फिलहाल, राहुल गांधी या राबर्ट वाड्रा में से किसी एक के चुनाव लड़ने के संकेत के बाद कांग्रेसी अंदर ही अंदर तैयारी कर रहे हैं लेकिन गठबंधन में सहयोगी समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी उलझन में है। बिना प्रत्याशी के नाम की घोषणा के वह कैसे अपनी रणनीति तैयार करें, इसको लेकर माथापच्ची का दौर चल रहा है। बसपा का कहना है कि दावेदार उतारेंगे लेकिन कब.. बस जल्द ही।

उम्मीदवार का ऐलान कर भाजपा ने बनाई बढ़त: 1967 में अस्तित्व में आई अमेठी सीट एक बार फिर हाईप्रोफाइल बनी हुई है। दरअसल, भाजपा ने पहली सूची में ही यहां से सीटिंग सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को चुनावी मैदान में उतार दिया है। भाजपा का चुनाव अभियान भी शुरू हो गया है। गांव-गांव टीमें लगाई गई हैं। मंडल स्तर पर बैठकें की जा रही है। हरेक बूथ का बायोडाटा तैयार किया जा रहा है।

वायनाड मतदान पर टिकी निगाहें: कभी कांग्रेस का गढ़ रही अमेठी में इस बार अजीब सी स्थिति है। दावेदार को लेकर कोई राहुल गांधी पर जोर दे रहा है तो कोई गांधी परिवार के दामाद राबर्ट वाड्रा या प्रतापगढ़ जिले की विधायक आराधना मिश्रा के नाम का जिक्र कर रहा है।

हालांकि तैयारी के सवाल पर सब यही कहते हैं कि इंतजार करिए, दावेदारी भी हमारी रणनीति का हिस्सा है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि इसके पीछे वायनाड का पेंच फंसा हुआ है। दरअसल, राहुल गांधी वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं, वहां पर मतदान 26 अप्रैल को होगा।

गांधी परिवार पर टिकी सपा की नजर

समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राम उदित यादव बताते हैं कि इसका संसदीय चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वैसे तो अभी चेहरा सामने नहीं है लेकिन, पार्टी गांधी परिवार के ही किसी सदस्य को केंद्र में रखकर तैयारी कर रही है।

इंतजार करिए, तैयारी पूरी है

बहुजन समाज पार्टी में भी इस बार दावेदार को उलझन है। वर्ष 2019 में गठबंधन के कारण अमेठी से बसपा का कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं था। इस बार पार्टी किस पर दांव लगाएगी, यह एक बड़ा सवाल है। हालांकि टिकट की दौड़ में शामिल लोगों के नाम का भी खुलासा करने को पार्टी के नेता तैयार नहीं है। रही बात तैयारी की तो सभी बस यही बोल रहे हैं कि तैयारी पूरी है। जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार का कहना है कि इंतजार करिए, तैयारी पूरी है। कई नेता लाइन में हैं। जल्द ही टिकट की घोषणा हो जाएगी। यह स्थिति तब है जब 1989 में बसपा संस्थापक कांशीराम ने अमेठी से पहला चुनाव लड़ा था।

पांचवें चरण में मतदान: अमेठी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में पांचवें चरण में चुनाव होगा। नामांकन 26 अप्रैल से तीन मई तक कराया जाएगा। चार मई को नामांकन पत्रों की जांच होगी। छह मई का नाम वापसी होगी।

स्कूल में पढ़ाते समय भाजपा से टिकट मिला तो चौंक गए पारसनाथ

नहीं कर पा रहे थे भरोसा

गाजीपुर , एजेंसी। भाजपा ने गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र से पारसनाथ राय को प्रत्याशी बनाकर सबको चौंका दिया। पारसनाथ को ही भरोसा नहीं हो रहा था कि उन्हें टिकट मिला है। जब पारसनाथ के नाम का एलान किया गया, तब वह अपने ही विद्यालय में कक्षा सात के विद्यार्थियों को संस्कृत पढ़ा रहे थे। भाजपा के एक पदाधिकारी ने फोन करके उन्हें लोकसभा चुनाव का टिकट मिलने की जानकारी दी। यह सुनते ही पारसनाथ बोल पड़े, क्या यह सही है? टिकट मिलने की बात पर उन्हें भरोसा दो घंटे बाद हो सका। फिर कहा कि इसकी कल्पना नहीं की जा सकती, लेकिन पार्टी छोटे कार्यकर्ताओं का भी सम्मान करती है।

2 जनवरी 1955 को जन्मे पारसनाथ राय मनिहारी ब्लॉक के सिखड़ी निवासी हैं। वह शुरू से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े हैं। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के करीबियों में हैं। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। बड़े बेटे आशुतोष राय 2014 में भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। इस वक्त भाजपा संगठन में काम कर रहे हैं। है। छोटे बेटे आशीष राय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। भाजपा से टिकट मिलने पर पारसनाथ राय ने खुशी जताई और कहा कि बुधवार की दोपहर करीब डेढ़ बजार रहे थे। पंडित मदन मोहन मालवीय सिखड़ी इंटर कॉलेज में कक्षा सात के विद्यार्थियों को संस्कृत पढ़ा रहा था। इसी बीच भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह का फोन आया। जिलाध्यक्ष ने ही प्रत्याशी बनाए जाने की जानकारी दी। हालांकि मुझे दो घंटे तक विश्वास नहीं हुआ। इसके बाद घर आए और पहले से तय कार्यक्रम के चलते जिला स्तर पर आयोजित संघ की बैठक में चले गए। जब बधाइयां मिलने लगी, तब वास्तव में टिकट मिलने का विश्वास हुआ। उनका कहना है कि लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं जताई थी। न ही कभी टिकट मांगा था, लेकिन भाजपा अपने कार्यकर्ताओं का ख्याल रखती है।

भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल और मजलूम पार्टी के लियाकत को नोटिस जारी

मेरठ , एजेंसी। मेरठ में भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल व मजलूम पार्टी के प्रत्याशी लियाकत को जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने बुधवार को नोटिस जारी कर दिया। बताया गया कि चुनाव आयोग के अनुपालन में प्रत्याशियों को खर्च की निर्धारित धनराशि का हिसाब देना होता है। जिसमें खर्च का मिलान करने के लिए प्रत्याशी या उनके समर्थक को जिला कोषागार में बुलाया था। दोनों उम्मीदवारों की तरफ से कोई नहीं पहुंचा। जिस पर उनको नोटिस जारी किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को खर्च करने की चुनाव आयोग ने 95 लाख रुपये धनराशि तय की है। प्रत्याशियों द्वारा खर्च करने की निगरानी के लिए दो रजिस्टर बनाए। जिसमें एक रजिस्टर जिला कोषागार और दूसरा प्रत्याशी या उसके समर्थक के पास होना है। दोनों रजिस्टरों में खर्च का मिलान करने के लिए तीन तारीख निर्धारित की गई थी। बुधवार को पहली तारीख पर भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल और मजलूम पार्टी के प्रत्याशी लियाकत खर्च का ब्योरा देने के लिए नहीं पहुंचे और नहीं उनका कोई समर्थक जिला कोषागार आया। जिसकी जानकारी मुख्य जिला कोषागार द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी को दी गई।

दुआ के लिए उठे सैकड़ों हाथ, मस्जिद- ईदगाहों में पढ़ी गई नमाज

गले मिल एक दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद

मऊ , एजेंसी। ईद पर्व पर जिले के सभी ईदगाहों और मस्जिदों में मुस्लिम बंधुओ ने नमाज अदा की। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे मऊ शहर के पहाड़पुर ईदगाह और औरंगाबाद ईदगाह में मुस्लिम बंधुओ ने ईद की नमाज अदा की। इसके बाद एक दूसरे से गले मिलकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दिया।

ईद पर पर जहां बड़े एक दूसरे को मुबारकबाद दिए वहीं नन्हे मुन्ने बच्चों ने भी एक दूसरे के गले मिलकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। वहीं ईद पर्व को लेकर शहर में सुरक्षा के मध्य नजर संवेदनशील स्थानों पर पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती रही। नगर के पहाड़पुरा ईदगाह में नगर पालिका अध्यक्ष अरशद जमाल ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी तो वही औरंगाबाद ईदगाह में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष तैयब पालकी ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी।

बाबा विश्वनाथ धाम में राकेश टिकैत ने टेका मत्था, भगवा पगड़ी पर बोले- ये सबका रंग है

वाराणसी , एजेंसी। देश में चुनावी रणभेरी के बीच बिहार के चौसा में आंदोलनरत किसानों से मुलाकात करने के बाद भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने गुरुवार की सुबह श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा का विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। दर्शन पूजन करने के बाद बातचीत के दौरान उन्होंने सरकार पर जमकर निशाना साधा। टिकैत भगवा रंग की पगड़ी पहने हुए थे। इस पर सवाल करने पर उन्होंने कहा कि यह रंग सबका है। हर समाज व संत-महात्माओं का भी है।

राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों को उनका हक दिलवाकर रहूंगा। वर्तमान सरकार इस देश के किसानों को मजदूर बनना चाहती है। बिहार को तो पूरा मजदूरों का राज्य बना दिया है। आगामी लोकसभा चुनाव में आइएनडीआइए या एनडीए गठबंधन में किसके साथ रहेंगे के सवाल पर कहा कि हम किसी के साथ नहीं हैं। जिसको जहां इच्छा है वे उसे अपना वोट दें। हमारे आंदोलन में दोनों लोग रहते हैं।

जिसकी भी सरकार किसानों की विरोधी होगी तो किसान विरोध करेंगे। वर्तमान सरकार ने फूट डालो के तहत कुछ किसानों को अलग करके आंदोलन चलाया। सरकार चाहती है कि किसानों का आंदोलन पंजाब में रहे ताकि सिख समुदाय बदनाम हो।

मुख्तार अंसारी को जहर देने के सवाल पर कहा कि जनता कभी झूठ नहीं बोलती है। आगे कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत सरकार ने 10 साल के बाद सम्मानित किया। उनके जूनियर को पहले सम्मानित किया गया। कहा कि जहां संगठन मजबूत नहीं होगा वहां किसानों की जमीन पर सरकार की निगाहें रहेगी और किसान लूटे जाएंगे। पूर्वांचल में संगठन मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को जोड़ा जा रहा है।

युद्धविराम की जरूरत

संपादकीय

आखिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग करने वाला प्रस्ताव पारित कर दिया। सोमवार को पारित इस प्रस्ताव में सभी बंधकों की अविलंब बिना शर्त रिहाई और गाजा में अधिक मानवीय सहायता पहुंचाने की भी बात कही गई है। छह महीने से जारी इस जंग के दौरान यह पहला मौका है, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का प्रस्ताव पारित किया है। यह इसलिए संभव हुआ कि अमेरिका ने इसे वीटो करने से परहेज किया। निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद का यह प्रस्ताव विश्व जनमत से उपजे दबाव की अभिव्यक्ति है। पिछले सात अक्टूबर को हमास की ओर से किए गए आतंकी हमले के खिलाफ जब इस्राइल ने कार्रवाई की बात कही तो अमेरिका और भारत समेत तमाम देशों की सहानुभूति उसके साथ थी। लेकिन इस्राइल ने जिस तरह से गाजा में हवाई हमले शुरू किए और वहां से आम लोगों के हताहत होने की खबरें आने लगीं, उसके बाद यह आवाज तेज होती गई कि इस्राइल को अपने अभियान का स्वरूप बदलना चाहिए। अब तक गाजा में करीब 32 हजार लोगों के मारे जाने की खबरें हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। अफसोस की बात थी कि अलग-अलग देशों में हो रहे प्रदर्शनों में व्यक्त होती जनभावना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के रूप में बाहर नहीं आ पा रही थी। खुद अमेरिका इससे पहले गाजा युद्ध विराम से जुड़े तीन प्रस्ताव को वीटो कर चुका था। सोमवार को मतदान से अलग रहते हुए भी उसने इस प्रस्ताव को पारित होने दिया, जो उसके अब तक के रुख में अहम बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी रुख में आए इस कथित बदलाव पर इस्राइल ने तीखी प्रतिक्रिया जताई। इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने इसी सप्ताह बातचीत के लिए अमेरिका जाने वाले एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम को रद्द करने की घोषणा कर दी। हालांकि अमेरिका ने अपने रुख में बदलाव से इनकार किया है, लेकिन फिर भी माना जा रहा है कि अमेरिका का ताजा कदम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि इस्राइल उसके समर्थन को तय मानकर न चले। बेशक अमेरिका के रुख में यह बदलाव और सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन फिर भी इनके संभावित परिणामों को लेकर अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। हालांकि अभी बात इस्राइल और फलस्तीन के बेहद लंबे और जटिल विवाद की नहीं, बस गाजा में चल रहे युद्ध को बंद करने और बंधकों को रिहा करने की संभावनाओं तक सीमित है। लेकिन यह सीमित लक्ष्य भी तमाम अनिश्चितताओं से घिरा है। ऐसे में फिलहाल सिर्फ यह उम्मीद और अपील की जा सकती है कि सभी संबंधित पक्ष इस मामले में पॉजिटिव और लचीला रुख अपनाएं।

भाजपा का कांग्रेसीकरण से संघ से दूर तो नहीं हो रही है भाजपा, टिकट देने में कथनी और करनी में अंतर

सुखदेव प्रसाद अंटू

भाजपा के कांग्रेसीकरण से संघ से पार्टी कहीं अपने गठन, सिद्धांत और संघ से दूर तो नहीं हो रही है, यह बात भाजपा के भीतर से ही अब उठने लगी है। 2024 के लोकसभा के चुनाव में पार्टी और से संघ से जुड़े वैसे कार्यकर्ताओं का टिकट काट देना या उनकी अनदेखी कर कांग्रेस या अन्य दलों से आये लोगों को जिस तरह भाजपा में प्राथमिकता मिली, यही देखकर भीतर और बाहर यह सवाल उठ रहे हैं। उपर से दागी लोगों को टिकट दे दिया जाना भी पार्टी के सेहत पर खराब असर डाल रहा है और भाजपा के कथनी और करनी में अंतर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसे लेकर खासकर धनबाद में ढुल्लू महतो जैसे व्यक्ति को धनबाद से टिकट दिया जाने को लेकर संघ जबरदस्त प्रतिक्रिया है, जिनपर गंभीर मामले एक नहीं दर्जनों हैं।

6 अप्रैल 1980 को नई दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में जब जनता पार्टी के भग्नावशेष पर भारतीय जनता पार्टी की नींव पड़ी थी तो इस दक्षिणपंथी पार्टी का आधार आरएसएस और हिन्दुवादी संगठन, साफ- सुथरे लोग और पार्टी के समर्पित लोग हुआ करते थे। तब इस नव-सृजित दल के प्रतीक के रूप में हिन्दुओं में पवित्र और भगवान के प्रतीक के रूप में पूजे जानेवाले कमल को आधार बनाया गया था। उस वक्त दल के नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने पार्टी के प्रतीक चिह्न कमल की प्रशंसा में कसीदे पढ़े और अपनी लिखी रचना पेश की थी, जिसमें लिखा यह है हमारा कमल/सुंदर,स्वच्छ, स्निग्ध। कमल कीचड़ में खिलता है, लेकिन कीचड़ के स्पर्श से सर्वथा मुक्त! यह भी कहा था कि हम देश की गंदी राजनीति के कीचड़ में सुंदर-स्वच्छ कमल खिलाएंगे तो शायद उस समय अटलजी को यह अंदाज नहीं था कि उनकी मूल्याधारित स्वच्छ राजनीति की विरासत को भविष्य में इस तरह हाल कर दिया जाएगा। भाजपा राष्ट्रवाद की बात तो जोरों से करती है, लेकिन आंतरिक तौर पर जातिवाद और क्षेत्रवाद के दीमक से वह नहीं निकल पा रही है, जो उसके वैचारिक जड़ों को खोखला कर रहे हैं। खासकर झारखंड और बिहार जैसे प्रदेशों में।

राजनीति में नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना का लक्ष्य लेकर चली भाजपा को बाहर से आये लोग तहस-नहस कर रहे हैं, जो हर चुनाव के बीतने के साथ पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को दूर कर रही है। ऐसे में पैसेवाले और दागी लोगों का वर्चस्व बढ़ता चला जा रहा है। यदि इसपर मंथन नहीं हुआ और यही स्थिति बनी रही तो कार्यकर्ताओं के बल पर सबसे बड़ी पार्टी और मजूबत संगठन बनी भाजपा अपने ही लोगों के दुष्प्रचार से लोगों के दिलों से कब उतर जाएगी यह पार्टी का शीर्ष नतृत्व जबतक समझ पायेगा, तबतक काफी देर हो चुकी होगी। अब प्रधानमंत्री मोदी का जादू चल रहा है, लेकिन एक के बाद एक कुछ फैसलो से यह कबतक बरकरार रह पायेगी, यह कोई नहीं जानता।

आज प्रश्न यह है कि महान नेता भारत-रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने जो भाजपाई राजनीति के उच्च मापदंड कायम किए थे, उसके परिप्रेक्ष्य में पार्टी कहां खड़ी है? निःसंदेह अटलजी एवं मोदी जी के नेतृत्ववाली भाजपा सरकारों ने ऐसे कई युगांतरकारी कदम उठाएं हैं, जिससे दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा में चार चांद लगे। लेकिन सवाल आज यह है कि क्या भाजपा को अब पं.दीनदयाल, जयप्रकाश और अटलजी-प्रणीत उन नैतिक मूल्यों और सार्वजनिक जीवन के उन आदर्शों की परवाह है, जिसपर चलकर वह देश की जनता का विश्वास जीतते हुए आज जिस ऊंचाई पर पहुंची है, उसमें संघ और पार्टी के उन सच्चे कार्यकर्ताओं के बलबूते, जो हर हाल में पार्टी में ही रहे और इसे अपने खून और पसीने से सींचा। इसलिये नहीं कि एक दिन उनकी अनदेखी कर उन्हें दूध की मक्खी की तरह आउट कर दिया जाएगा। जो दल छोड़े और दूसरे दलों में मलाई मारे और फिर वापस हुए या फिर दूसरे दल से आए, वे ही समर्पित लोगों पर भारी पड़ गए। कहे तो आज भाजपा अंधी दौड़ में उन स्वयं स्वीकृत सिद्धांतों को तिलांजलि देती नजर आ रही है जो कि उसकी आंतरिक ताकत के स्रोत रहे हैं और जिसपर चलकर वह राजनीति के अखाड़े में कांग्रेस, समाजवादियों और कम्युनिस्टों को निर्णायक मात देने में सफल रही। हर राज्य में कमोवेश यही स्थिति बना दी गई है। अपने राज्य झारखंड की बात करे तो भाजपा में जो कुछ चल रहा है, उसकी ओर दृष्टिपात करें तो घोर निराशा ही हाथ लगेगी। राज्यसभा की बात करें या इस लोकसभा चुनाव की, पार्टी ने जो-जो प्रत्याशी तय किए, से लेकर उसके शुभचिंतकों और मतदाताओं के उत्साह पर जो पानी फिर गया है, उसका कारण क्या है? टिकटों के लिए नाम तय करते वक्त कैसे निष्ठावान कार्यकर्ताओं के योगदानों को बिसरा कर बाहर से आये लोगों या दागी या फिर पैसेवालों को प्राथमिकता दी गई। साफ- सुथरी छवि कैसे आउट हो गए या उनसे किनारा कर लिया गया, जिन्होंने वर्षों- दशकों से पार्टी के लिए अनन्य भाव से पसीना बहाया और यही सवाल भाजपाईयों को दर्द दे रहा है, जो ईमानदारी से दल से लगे रहे और आज यह सबकुछ उन्हें देखना पड़ रहा है।

एआई की मदद से भारत, अमेरिका व दक्षिण कोरिया के चुनावों को प्रभावित करने की संभावना?

साथियों बात अगर हम एक तकनीकी दिग्गज के आंकलन की करें तो, भारत और अमेरिका जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में इस साल चुनाव होने वाले हैं और इस दौरान चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सामग्री का उपयोग कर सकता है। प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी ने एक ब्लॉग में यह आशंका जताई। ब्लॉग में कहा गया, हमारा आंकलन है कि विशेष रूप से भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका सहित इस साल दुनियाभर में होने वाले आम चुनावों के दौरान चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए एआई आधारित सामग्री का निर्माण और प्रसार कर सकता है। रिपोर्ट में उत्तर कोरियाई साइबर जोखिम तत्वों का भी उल्लेख किया गया, जो इन तीन देशों में चुनावों को प्रभावित करने की दिशा में काम कर रहे हैं माइक्रोसॉफ्ट के निष्कर्षों के अनुसार, चीन द्वारा एआई आधारित सामग्री का उपयोग करने से चुनाव परिणामों के प्रभावित होने की आशंका कम है, लेकिन इनके लगातार उपयोग, मीम्स के प्रसार आदि से भविष्य में इनका असर हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन कम से कम एआई-जनित सामग्री बनाएगा और बढ़ाएगा, जिससे इन हाई-प्रोफाइल चुनावों में उसकी स्थिति को फायदा होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि चीनी साइबर अभिनेताओं ने लंबे समय से अमेरिकी राजनीतिक संस्थानोंकी टोह ली है, हम प्रभावशाली अभिनेताओं को अमेरिकियों के साथ बातचीत करने और अमेरिकी राजनीति पर संभावित शोध परिप्रेक्ष्य देखने के लिए तैयार हैं।आखिरकार, जैसा कि उत्तर कोरिया नई सरकारी नीतियों पर काम कर रहा है और हथियारों के परीक्षण के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ा रहा है, हम रक्षा क्षेत्र पर लक्षित तेजी से परिष्कृत क्रिप्टोकरेंसी डकैतियों और आपूर्ति श्रृंखला हमलों की उम्मीद कर सकते हैं,जो शासन में धन पहुंचाने और नएविकास को सुविधाजनक बनाने में मदद करेंगे। अतः अगर हम ऊपर पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत अमेरिका व दक्षिण कोरिया में 2024 में होने वाले चुनावों को एआई आधारित सामग्री से प्रभावित करने की संभावना? भू-राजनीतिक हितों को बढ़ावा देने चीन द्वारा भारत अमेरिका चुनावों को लक्षित करने एआई का दुरुपयोग करने की आशंका? एआई आधारित सामग्री से चुनावों को प्रभावित करने तकनीकी दिग्गज की चेतावनी को रेखांकित करना अब समय की मांग भी है।

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर बीते कुछ वर्षों या यूं कहें कि दशकों से दुनियां में ताकतवर देशों द्वारा अन्य देशों में अपनी विचारधारा की सरकार बनाने को प्रोत्साहन देने अदृश्य हस्तक्षेप वाली प्रणाली अपनाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि पिछले साल हमने पड़ोसी मुल्क द्वारा अपनी सरकार गिराने में एक बहुत बड़े विकसित देश का नाम दिया गया था। ऐसा उदाहरण हम इसके पूर्व भी देख चुके हैं। अभी दो दिन पहले ही एक बहुत बड़ी तकनीकी दिग्गज कंपनी ने चेतावनी दी है कि अभी 2024 में शुरू होने वाले भारत अमेरिका व दक्षिण कोरिया में होने वाले चुनाव को विस्तारवादी देश द्वारा अपने भूराजनीतिक हितों के लिए एआई सामग्री से प्रचार प्रसार माध्यमों द्वारा प्रभावित करने की चेतावनी दी है, जिसे रेखांकित करना समय की मांग है। चूंकि भारत में 19 अप्रैल 2024 से प्रथम चरण के चुनाव होने जा रहे हैं, वहीं अमेरिका में इसी वर्ष नवंबर दिसंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भूराजनीतिक हितों को बढ़ावा देने चीन द्वारा भारत अमेरिका चुनावों को लक्षित करने एआई का दुरुपयोग करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका जैसे प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले देशों में एआई सामग्री के दुरुपयोग की आशंका की करें तो, एक तकनीकी दिग्गज ने चेतावनी दी है कि चीन भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका जैसे देशों में चुनावों के दौरान अपने भू-राजनीतिक हितों को बढ़ावा देने के लिए जनता की राय को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-जनित सामग्री को तैनात कर सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाली ऐसी सामग्री की संभावना कम होने के बावजूद, मीम्स, वीडियो और ऑडियो को बढ़ाने में चीन का बढ़ता प्रयोग संभवतः जारी रहेगा और भविष्य में और अधिक प्रभावी साबित हो सकता है, उन्होंने लिखा चीन उत्तर कोरिया के साथ मिलकर ऐसा करेगा। ये कंपनी एक थ्रेट एनालिसिस सेंटर (एमटीएसी) द्वारा बुधवार को प्रकाशित नवीनतम पूर्वी एशिया रिपोर्ट में कंपनी थ्रेट इंटेलिजेंस अंतर्दृष्टि में से एक हैं। चीन मतदाताओं को विभाजित करने के लिए फर्जी सोशल मीडिया खातों का उपयोग कर रहा है ताकि उनमें विभाजन पैदा किया जा सके और संभवतः अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को अपने पक्ष में प्रभावित किया जा सके।चीन ने दुनिया भर में अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए एआई जनित सामग्री का उपयोग भी बढ़ाया है। उत्तर कोरिया ने अपने सैन्य लक्ष्यों और खुफिया संग्रह को वित्त पोषित करने और आगे बढ़ाने के लिए अपनी क्रिप्टोकरेंसी डकैतियों और आपूर्ति श्रृंखला हमलों को बढ़ा दिया है। इसने अपने संचालन को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने के लिए एआई का उपयोग करना भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग अक्टूबर में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की 75 वीं वर्षगांठ मनाएगा और उत्तर कोरिया प्रमुख उन्नत हथियार कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना जारी रखेगा।

साथियों बात अगर हम एक तकनीकी दिग्गज के आंकलन की करें तो, भारत और अमेरिका जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में इस साल चुनाव होने वाले हैं और इस दौरान चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सामग्री का उपयोग कर सकता है। प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी ने एक ब्लॉग में यह आशंका जताई। ब्लॉग में कहा गया, हमारा आंकलन है कि विशेष रूप से भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका सहित इस साल दुनियाभर में होने वाले आम चुनावों के दौरान चीन अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए एआई आधारित सामग्री का निर्माण और प्रसार कर सकता है। रिपोर्ट में उत्तर कोरियाई साइबर जोखिम तत्वों का भी उल्लेख किया गया, जो इन तीन देशों में चुनावों को प्रभावित करने की दिशा में काम कर रहे हैं माइक्रोसॉफ्ट के निष्कर्षों के अनुसार, चीन द्वारा एआई आधारित सामग्री का उपयोग करने से चुनाव परिणामों के प्रभावित होने की आशंका कम है, लेकिन इनके लगातार उपयोग, मीम्स के प्रसार आदि से भविष्य में इनका असर हो सकता है।ब्लॉग में कहा गया, ऐसी सामग्री के चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की आशंका कम होने के बावजूद, चीन इन मीम, वीडियो और ऑडियो का प्रसार बढ़ाता रहेगा और भविष्य में ये अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं। चीन भूराजनीतिक हितों को बढ़ावा देने के लिए भारत, अमेरिका में चुनावों को लक्षित करने के लिए एआई का दुरुपयोग कर सकता है।

साथियों बात अगर हम तीन देशों में होने वाले आबादी चुनाव में साइबर अभिकर्ताओं के लक्षित दिशा में काम की संभावना की करें तो, रिर्पोट में कहा गया है, इस बीच, जैसे जैसे भारत, दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में आबादी चुनाव की ओर बढ़ रही है, हमें चीनी साइबर और प्रभाव अभिनेताओं और कुछ हद तक उत्तर कोरियाई साइबर अभिनेताओं को इन चुनावों को लक्षित करने की दिशा में काम करते हुए देखने की संभावना है। इसमें

आप के आदर्श शिक्षा मॉडल की स्थिति चिन्तनीय

ललित गर्ग

देश ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने अपने शिक्षा मॉडल को अनुकरणीय बताया एवं अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि के रूप में बहुप्रचारित किया लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय में इसकी पोल खुल गयी। न्यायालय ने दिल्ली की स्कूलों की स्थिति अत्यंत चिन्तनीय, दुखद एवं अपर्याप्त बताते हुए दिल्ली के शिक्षा सचिव को फटकार लगायी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता एनजीओ 'सोशल ज्यूरिस्ट, ए सिविल राइट्स ग्रुप' का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अशोक अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत इस विषयक एक तीखी रिपोर्ट पर संज्ञान, सुनवाई एवं जांच में पाया कि इन स्कूलों में कई विसंगतियों हैं जैसे टूटी हुई डेस्क, कक्षाओं की गंभीर कमी, पीने के स्वच्छ पानी का अभाव, अपर्याप्त किताबें और लेखन सामग्री। कई स्कूलें टिन बिल्डिंग में चल रही है एक स्कूल में 1,800 लड़कियां और 1,800 लड़के डबल शिफ्ट में पढ़ते हैं। कुछ कक्षाओं में दो-दो कक्षाओं के छात्र एक साथ बैठकर पढ़ते हैं। जब शिक्षा सचिव ने बदहाली की पुष्टि की तो जस्टिस मनमोहन ने कहा कि आपकी इसी लापरवाही की वजह से तिहाड़ जेल में समस्या और भीड़ दोनों बढ़ी है। तिहाड़ जेल में दस हजार कैदियों की क्षमता है, लेकिन वहां 23 हजार हैं। वजह अशिक्षा एवं दूषित शिक्षा है जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य को बर्बाद हो रहा है। केजरीवाल सरकार ने शराब घोटाला ही नहीं, शिक्षा घोटाला भी किया है।

केजरीवाल सरकार ने अपनी उपलब्धियों के नाम पर दो उपक्रम प्रमुखता से गिनाये हैं एक शिक्षा एवं दूसरा मुहल्ला क्लीनिक। दिल्ली के सरकारी स्कूलों की दशा एवं दिशा न केवल बिगड़ी है, बल्कि रसातन में चली गयी है। मौहल्ला क्लीनिकों की स्थिति भी दयनीय है। दिल्ली से शुरु हुई उन्नत शिक्षा की पहल को देश के अन्य प्रांतों ही नहीं, बल्कि दुनिया के अनुकरणीय बताने वाले केजरीवाल ने शिक्षा के बुनियाद क्षेत्र को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया। शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र को राजनीतिक नजरिये से देखना एवं उन्नत इंसानों को गढ़ने की इस प्रयोगशाला से खिलवाड़ करना, शर्मनाक घटनाक्रम है। आप की सरकार ने साल 2015 से साल 2024 के बीच 'शिक्षा सबसे पहले या एजूकेशन फ़र्स्ट' जैसा आकर्षक नारा देकर दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्कूलों में नई जान फूंकने के नाम पर दिखावा किया। कुछ स्कूलों को अत्याधुनिक बनाकर दिल्ली की समस्त स्कूलों का कायाकल्प करने की बात करने वाली केजरीवाल सरकार ने करोड़ों रूपये विज्ञापनों पर खर्च किये।

आप सरकार ने शिक्षा मंत्रालय संभाले उनके नायब/उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में शिक्षा के लिए अधिकतम राशि का आवंटन किया, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण की नई तकनीक और विद्यार्थियों के वास्ते नए पाठ्यक्रम लागू किए तथा स्कूलों का दम तोड़ता बुनियादी ढांचा सुधारने के लिए जी खोल कर धन मुहैया कराया। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रस्तुत हुई दिल्ली की स्कूलों की दर्दनाक स्थितियां बताती है कि वह सरकारी खजाना अगर स्कूलों में खर्च होता तो स्कूलों की यह दुर्दशा देखने को नहीं मिलती। स्पष्ट है स्कूलों के नाम पर आवंटित बजट में बड़ा घोटाला हुआ है, उसकी स्वतंत्र जांच होनी ही चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय में ही एक अन्य याचिका में यह तथ्य भी सामने आया कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में पढ़ने वाले छह लाख से ज्यादा बच्चों को शिक्षा के अधिकार कानून के तहत मिलने वाली सुविधाएं जैसे यूनिफॉर्म, शिक्षण सामग्री इत्यादि नहीं मिल पा रही हैं। याचिका में कहा गया है कि राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी एजुकेशन एक्ट, दिल्ली राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी रुल्स और दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट के नियमों के मुताबिक बच्चों को शिक्षण सत्र के शुरू में ही उन्हें स्कूल यूनिफॉर्म, शिक्षण सामग्री इत्यादि सुविधाएं मिलनी चाहिए। याचिका में कहा गया है दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले 2,69,488 छात्र और दिल्ली नगर निगम में पढ़ने वाले 3,83,203 छात्र शिक्षा के अधिकार कानून के तहत मिलने वाले वैधानिक सुविधाओं से वंचित हैं। याचिका में 14 नवंबर 2023 के ऑडिट मेमो का जिक्र किया गया है जिसमें कहा गया है कि 2016-17 से शिक्षण सत्र से दिल्ली नगर निगम के छात्रों को वैधानिक वित्तीय सुविधा नहीं दी जाती हैं। विडम्बना देखिये दुनिया के लिये आदर्श मॉडल के रूप में दिल्ली की सरकारी स्कूलों को प्रचारित करने वाली स्कूलों की स्थिति कितनी खतरनाक हैं। स्कूल में एक ही कमरे को साइंस लैब, आर्ट रूम और लाइब्रेरी के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है। एक कक्षा में 70 से 80 बच्चे हैं। दोनों पालियों में लगभग 4 हजार छात्र-छात्राएं यहां पढ़ते हैं। स्कूल में कुल 15 कमरे हैं, लेकिन अधिकारिक तौर पर 7 साल पहले इस स्कूल को असुरक्षित घोषित किया गया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस शिक्षा मॉडल की जिसका डंका वे दिन रात बजाते हैं। यहां तक कि न्यूयार्क टाइम्स में भी दिल्ली के शिक्षा मॉडल की तारीफों के पुल बांधते हुए लेख लिखे जाते हैं। उस शिक्षा मॉडल का यथार्थ बहुत भद्दा एवं खौफनाक है। शिक्षा के नाम पर एक बदनुमा दाग है। जिसकी झलक प्रजा फाउंडेशन एनजीओ की व्हाइट पेपर रिपोर्ट में मिलती है। यह रिपोर्ट केजरीवाल के दावे को मुंह चिढ़ा रही है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अरविंद केजरीवाल के सत्ता में आने के बाद से दिल्ली के सरकारी स्कूल में ड्रॉप आउट रेट बढ़ गया। साल 2014-15 में सरकारी स्कूल में ड्रॉप आउट रेट जहां 2.9 प्रतिशत था, दो साल के भीतर 2016-17 तक आते आते ड्रॉप आउट रेट 3.4 प्रतिशत हो गया। दिल्ली ईकोनॉमिक सर्वे 2021-22 में दिए गए आकड़े मुख्यमंत्री के प्रचारतंत्र से वादा खिलाफी कर रहे हैं। ये आंकड़े सरकार पर सवाल उठाते हुए बता रहे हैं कि अगर शिक्षा व्यवस्था सुधर रही है तो साल दर साल सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या घट क्यों रही है। ईकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक 2014-15 में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 15.42 लाख थी जो घटते-घटते 2017-18 में 14.81 लाख रह गई।

नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को लेकर जो रिपोर्ट जारी किया उसमें स्कूलों में प्रिंसिपल की कमी, ड्रॉप आउट, छात्र-शिक्षक अनुपात जैसी समस्या सामने उभर कर आई। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के छात्रों में सीखने की क्षमता राष्ट्रीय औसत से कम है। सरकारी स्कूल में दाखिले के विपरीत प्राइवेट स्कूल में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में लगातार वृद्धि आई है। साल 2014-15 में दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 13.47 लाख थी जो 2020-21 में बढ़ कर 17.82 लाख हो गई। यानी 2014-15 से लेकर 2020-21 तक 6 साल के अंतराल में दिल्ली के प्राइवेट स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चों की संख्या में जहां 4 लाख 85 की वृद्धि हुई, वहीं सरकारी स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चों की संख्या में महज 78 हजार की वृद्धि हुई। आप की 2020 के विधानसभा चुनाव में फिर से लगातार जबरदस्त जीत में सरकारी विद्यालय प्रणाली में सुधार के झूठे एवं भ्रामक दावों का ज़बरदस्त हाथ है, लेकिन अब इसकी सच्चाई धीरे-धीरे परत-दर-परत खुलने लगी है। आजादी का अमृत काल में दिल्ली की सरकारी स्कूलों का गिरता शिक्षा स्तर एवं बुनियादी सुविधाओं का अभाव आप सरकार पर एक बदनुमा दाग है, एक बड़ी नाकामी का द्योतक है। प्रश्न है कि किसे फिक्र है हमारी शिक्षा की? प्रश्न यह भी है कि झूठे प्रचार एवं दावों के बल पर आप सरकार कब तक दिल्ली की भोली-भाली जनता को गुमराह करती रहेगी? स्कूली शिक्षा में 'क्रांति' लाने के आप के दावे बच्चों के भविष्य से कब तक खिलवाड करते रहेंगे?

इस चीज से व्रत खोलने की गलती ना करें

चैत्र नवरात्रि के साथ हिन्दू नववर्ष शुरू हो चुका है। अब से नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाएगी। लेकिन इस दौरान 3 गलतियां करने से बचें। जिनमें व्रत खोलने से लेकर खानपान के नियम शामिल हैं। सेहत के लिहाज से ये गलतियां पाप की तरह हैं। जो स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं और व्रत के दौरान बाधा आ सकती है। नवरात्रि व्रत की इन गलतियों के बारे में

व्रत करने से शरीर अंदर से साफ होता है और गैर जरूरी कैलोरी से दूर रहकर पाचन को मजबूती मिलती है। लेकिन, कुछ लोग नवरात्रि व्रत खोलने के लिए फाइड आलू, साबुदाना वड़ा जैसे फाइड फूड खा लेते हैं, जो कि कैलोरी बढ़ाने के साथ एसिडिटी और अपच कर सकता है।

ऐसे खोलें नवरात्रि का व्रत

नवरात्रि व्रत खोलने का हेल्दी तरीका ऐसी मील लेना है, जिसमें ताजे फल, नट्स और लौकी, कद्दू जैसी सब्जियां होनी चाहिए। यह आपकी बॉडी के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है।

बहुत ज्यादा खाने की गलती

नवरात्रि व्रत का मतलब खाने से थोड़ी दूर बनाना है और कंप्लीट खाना दिन में सिर्फ एक बार लेना है। लेकिन लोग इसका उल्टा ही करने लगते हैं और सामान्य दिन से ज्यादा खा जाते हैं।

व्रत में कब और कितना खाएं

व्रत के दौरान एक वक्त ही खाएं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि प्लेट को भर लें। बल्कि थोड़ी मात्रा में खाना लें और पौष्टिक फल और सब्जियां शामिल करें, ताकि पूरे दिन के लिए ताकत और ऊर्जा मिले।

व्रत मतलब मिठाई समझना

यह गलती काफी ज्यादा की जाती है। लोग नवरात्रि व्रत में लस्सी, खीर, हलवा के रूप में अतिरिक्त कैलोरी और मीठा खाते हैं। जो कि शरीर में जाकर नुकसान पहुंचाती है और इंफ्लामेशन पैदा करती है। इसकी जगह आप ताजे फलों की स्मूदी व जूस पी सकते हैं।

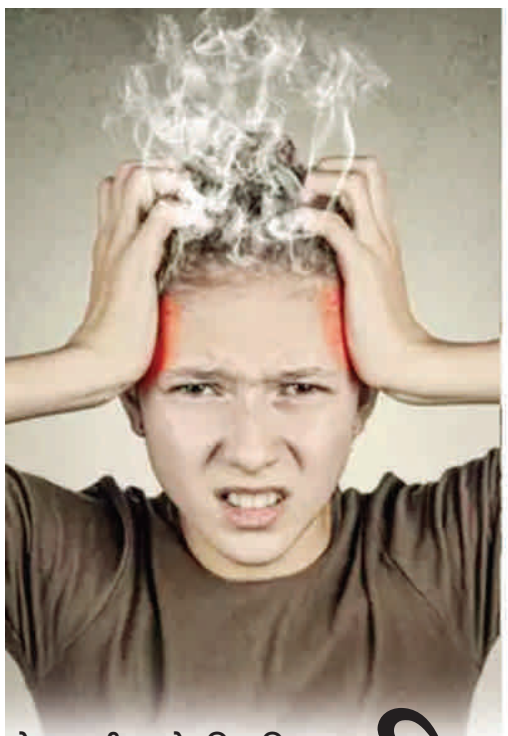

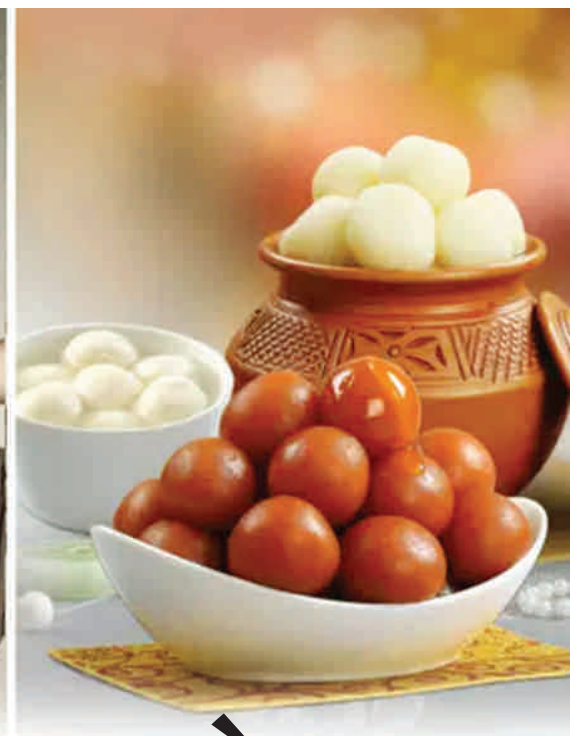

दिमाग को चाटकर खोखला कर देंगी आपकी ये आदतें

बेहतर जीवन के लिए दिमाग के स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है, खराब दिमाग आपको कमजोर और बीमार कर सकता है, नीचे बताई गलतियों को सुधारकर आप स्मार्ट और इंटेलीजेंट बन सकते हैं।

दिमाग से जुड़ी समस्याएं आम होती जा रही हैं। याददाश्त और दिमाग का कमजोर होना, चिंता, तनाव, अवसाद, बाइपोलर डिसऑर्डर सहित कई गंभीर दिमाग से जुड़ी समस्याओं से लोग परेशान रहते हैं। चिंता की बात यह है कि लोग जिस तरह अपनी त्वचा या हृदय को स्वस्थ रखने के लिए कुछ चीजें करते हैं, उसी तरह दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए कुछ नहीं करते हैं। दिमाग से जुड़ी कोई भी समस्या आपके शरीर को प्रभावित कर सकती है। इससे आपको अवसाद सिरदर्द, थकान, खराब पाचन, अनिद्रा, बेचैनी और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वास्तव में आपकी कुछ आदतें ही मेंटल हेल्थ को खराब करती हैं। चलिए जानते हैं क्या हैं वो आदतें और इनसे बचने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

एक्सरसाइज नहीं करना

फिजिकल एक्टिविटी नहीं करने से दिमागी क्षमता कमजोर हो सकती है और आपकी उम्र ज्यादा दिखाई दे सकती है। व्यायाम करने से इस गिरावट को कुछ हद तक रोका जा सकता है। शोधकर्ता मानते हैं कि अगर आप अपने 60 के दशक में भी फिजिकल एक्टिविटी शुरू करते हैं, तो आपको इसका लाभ मिल सकता है।

मीठा और फैट वाली चीजें खाना

जो चीजें आपके दिल को नुकसान पहुंचाती हैं, वही चीजें आपके दिमाग को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। उदाहरण के तौर पर ज्यादा मीठा और फैट वाला खाना दिमाग के लिए अच्छा नहीं होता। इससे दिमाग का आकार छोटा हो सकता है और याददाश्त कमजोर हो सकती है। मीठे के बजाय खाने सब्जियां, साबुत अनाज, मछली और जैतून के तेल आदि शामिल करें।

आप पूरे दिन बैठे रहते हैं

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के 2019 के एक अध्ययन के अनुसार, ज्यादा देर तक बैठे रहना याददाश्त को कमजोर कर सकता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि हर घंटे में पांच मिनट उठकर थोड़ा टहल लेने से आपको फायदा हो सकता है।

आप बहुत सारा समय अकेले बिताते हैं

अकेलापन सोचने-समझने की क्षमता को कम करता है जबकि व्यस्त रहने से आपको जीवन में उद्देश्य और अर्थ खोजने में भी मदद मिलती है। दूसरों के साथ बातचीत करें, विचारों का आदान-प्रदान करें।

ब्लड प्रेशर की जांच नहीं करना

लो और हाई ब्लड प्रेशर से दिमाग का कामकाज प्रभावित हो सकता है। इससे रक्त वाहिकाएं सख्त और सिकुड़ सकती हैं। यह ब्रेन में सेल्स और न्यूरोट्रांसमीटर में भी बदलाव का कारण बन सकता है। अपने बीपी को 120/80 से कम रखने का प्रयास करें।

आप बहुत तनाव लेते हैं

तनाव लेने से दिमाग का कामकाज प्रभावित होता है और डिमेंशिया का भी जोखिम हो सकता है। क्रोनिक स्ट्रेस से दिमाग का आकार छोटा हो सकता है। कभी-कभी तनाव कम करना संभव नहीं है, लेकिन जहां तक संभव हो, आराम करने का प्रयास करें। शरीर पर तनाव के प्रभाव को कम करने के लिए माइंडफुलनेस और योग पर विचार करें।

ऐसे फूड जो शरीर की सारी चर्बी गला देंगे

चैत्र नवरात्रि शुरू चुकी है और वेट लॉस करने के लिए ये बहुत अच्छा मौका है। क्योंकि, इस दौरान व्रत रखने से ना सिर्फ मां दुर्गा प्रसन्न होंगी, बल्कि शरीर की सारी चर्बी भी गल जाएगी। बस इसके लिए आपको फास्टिंग के दौरान कुछ वेट लॉस फूड का सेवन करना है। पेट, कमर, हाथ, जांघ और कूल्हों पर सबसे ज्यादा चर्बी इकट्ठा होती है। मगर फास्टिंग के दौरान जब शरीर को खाना नहीं मिलता तो एनर्जी के लिए वह इस चर्बी का इस्तेमाल करने लगता है। लेकिन इस दौरान अत्यधिक कमजोरी, थकान और चक्कर भी आ सकते हैं।

मखाना से बर्न होगा फैट

व्रत में मखाना जरूर खाना चाहिए। यह आपकी भूख को कंट्रोल करने में मदद करता है। वहीं, यह पेट को भरा रखने वाले फाइबर और प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत है। इसलिए एनसीबीआई पर प्रकाशित एक शोध इसे वेट लॉस के लिए फायदेमंद मानता है।

पनीर खाएं

पनीर में हेल्दी फैट होता है, जो प्रोटीन की भारी मात्रा के साथ मिलता है। अगर आप पनीर को संतुलित मात्रा में खाते हैं, तो वजन कम कर सकते हैं। पनीर पेट को ज्यादा देर तक भरा रखता है और आलू का विकल्प बन सकता है।

शकरकंद

नवरात्रि व्रत में शकरकंद का सेवन करके चर्बी कम की जा सकती है। लेकिन पनीर की तरह इसकी भी मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है। आप शकरकंद की चाट बनाकर खा सकते हैं, जो वेट लॉस में मदद करने वाला फाइबर देती है।

वजन कम करने के लिए फल

चैत्र नवरात्रि से गर्मी बढ़ने लगती है, जिसका असर शरीर पर भी दिखता है। गर्मी से छुटकारा दिलाने और वजन घटाने के लिए फलों की चाट खाएं। इस चाट के अंदर तरबूज, खरबूजा, सेब, अनार, पपीता आदि को मिला सकते हैं।

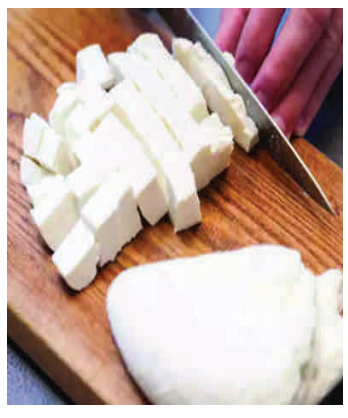

ठंडे-ठंडे पानी से नहाने के हैं फायदे

सुबह सोकर उठने पर अकसर गर्म पानी से नहाने का मन करता है। हालांकि इसके कई फायदे भी हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ठंडे पानी से नहाने के भी अपने फायदे हैं। भले ही आप किसी भी प्रकार के पानी से नहाने के बारे में कैसा भी महसूस करते हों, लेकिन शोध से पता चलता है कि गर्म और ठंडे दोनों प्रकार के पानी से नहाने के अलग स्वास्थ्य लाभ हैं। ठंडे पानी से नहाने वालों की त्वचा पर होने वाली खुजली बंद हो जाती है। वहीं ये आपको सुबह की नींद खोलने में भी मदद करता है। इससे आपको कसरत के बाद मांसपेशियों में दर्द को कम करने में फायदा मिलता है। ये संभावित रूप से वजन घटाने में मदद करता है। ठंडे पानी से नहाने से बाल और त्वचा पर चमक आती है। जैसे ही ठंडा पानी आपके शरीर को थूता है ये शरीर को और एक्टिव बनाता है। ठंडे पानी ने नहाने से आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली बढ़ सकती है और आप बीमारी के प्रति अधिक प्रतिरोधी बन सकते हैं। हालांकि ठंडे पानी ने नहाने के नुकसान भी हैं। यदि आपको पहले से ही ठंड लग रही है तो कोल्ड शावर आपके लिए सही नहीं है। क्योंकि ठंडे तापमान में ठंडा पानी आपको किसी भी तरह से गर्म करने में मदद नहीं करेगा। यह वास्तव में आपको और भी ठंडा बना सकता है और आपके शरीर को वापस गर्म होने में लगने वाले समय को बढ़ा सकता है। यदि आप बीमार हैं, तो भी ठंडे पानी से न नहाएं। वहीं ठंडे पानी से नहाने से तनाव के स्तर में कमी आती है। नियमित रूप से ठंडे पानी से नहाना आपके शरीर पर थोड़ी मात्रा में तनाव डालता है, जिससे आपका शरीर सख्त हो जाता है और आपके शरीर पर तनाव का कम असर होता है। वहीं आपकी सतर्कता भी तेजी से बढ़ती है। ठंडे पानी में नहाने से दिमाग जल्दी सतर्क होना शुरू हो जाता है।

ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करता है करेला

करेले का नाम आते ही लोगों को कड़वा स्वाद याद आ जाता है लेकिन करेला हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक है। करेले को हम कई तरह से दवा के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

करेले में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जिनसे कई बीमारियों की आशंकाओं को कम किया जा सकता है। बता दें कि ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में करेला बहुत मदद करता है। करेले में मोमर्सिडीन और चैराटिन जैसे एंटी-हाइपर ग्लेसेमिक तत्व पाए जाते हैं। आपको बताते हैं कि कैसे करेला ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

ऐसे करता है काम

करेले में पाए जाने वाले मोमर्सिडीन और चैराटिन नामक तत्व ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अलावा करेले में एन्टी-ऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं जो डायबीटीज से लड़ने में सहायता करते हैं। करेले के बीज में पॉलीपेपटाइड-पी नाम का प्लांट इंसुलिन होता है। यह इंसुलिन ठीक उसी तरह काम करता है जैसे अग्नाशय से निकलने वाला इंसुलिन ब्लड शुगर लेवल को कम करता है। करेले का जूस खाली पेट पीना चाहिए। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में बहुत असरकारक है। करेले का कड़वापन कम करने के लिए करेले को टुकड़ों में काटकर हल्दी और नमक के पानी में पंद्रह मिनट तक भिगोएं इसके बाद इन टुकड़ों में नींबू रस डालकर पीस लें। फिर इसको छानकर सुबह खाली पेट पीएं। आप चाहें तो स्वाद बदलने के लिए आंवले का रस करेले के रस में मिला सकते हैं।

इनमें फायदा करता है करेला

1- कैंसर 2- पथरी
3- त्वचा रोग 4- उल्दी, दस्त
5- गैस की समस्या 6- पीलिया
7- गठिया 8- मुंह के छाले

शरीर के लिए काले अंगूर से ज्यादा फायदेमंद होता है लाल अंगूर

ताजा ताजा मीठे रसीले फल तो हर किसी को खाना पसंद होता है अगर आपको अंगूर खाना पसंद है तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि किस तरह का अंगूर आपके लिए फायदेमंद रहेगा छोटे-छोटे लाल रंग के अंगूर देखने में काफी अच्छे लगते हैं जो कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं लेकिन अंगूर में असरदार गुण छुपे होते हैं जो हमारे शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं।

अंगूर तीन रंगों में पाए जाते हैं जैसे कि हर कल और लाल लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इन तीनों में से हमारे शरीर को कौन से अंगूर पोषण देते हैं अंगूर खाने से हमारे शरीर में आयरन की कमी दूर होती है हृदय रोगों से छुटकारा मिलता है लाल कलर के अंगूर में एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स पाए जाते हैं जो हमारे शरीर को कई प्रकार की बीमारियों से बचाता है।

दिल और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

लाल अंगूर हमारे लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को काम करते हैं लाल अंगूर में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट हमारी धमनियों को साफ करते हैं। जिससे खून का प्रवाह बेहतर तरीके से होता है लाल अंगूर से हमारे अंदर दिल की समस्या नहीं होती है और हम अन्य प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से बचे रहते हैं।

पुरुष के लिए है फायदेमंद

लाल अंगूर पुरुषों के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें बोर्न नमक खनिज होता है। जो पुरुष के हार्मोन को उत्पादित करता है। अगर आप लाल अंगूर का नियमित रूप से सेवन करते हैं, तो इससे सेक्स हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। जिससे कि पुरुष की सेक्स पावर बढ़ जाती है। इसके अलावा भी कई तरह के फायदे मिलते हैं इसलिए आपको अपनी डाइट में लाल कलर के अंगूर को शामिल करना चाहिए।

आखों के लिए फायदेमंद

लाल लंगूर हमारी आंखों के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसमें बेटी और जैक्सथीं नमक केराटिन तेल पाया जाता है जो हमारी आंखों को रोशनी देता है। जिससे हमारी देखने की क्षमता बढ़ जाती है या हमें तनाव मुक्ति भी करता है।

सारंडा में सक्रिय 15 नक्सलियों ने किया सरेंडर

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। नक्सलवाद के खिलाफ झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोल्हान और चाईबासा के सारंडा में सक्रिय 15 नक्सलियों ने एक साथ पुलिस के सामने सरेंडर किया है। आत्मसमर्पण करने वाले सभी एक करोड़ रुपये के इनामी मिसिर बेसरा दस्ते के नक्सली हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान हार्डकोर नक्सलियों का सरेंडर करना पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है। पुलिस सूत्रों ने एक साथ 15 नक्सलियों के आत्मसमर्पण की पुष्टि की है। हालांकि, किन-किन नक्सलियों ने सरेंडर किया है और किस हथियार के साथ सरेंडर किया है, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है.

कोल्हान में नक्सलियों को बड़ा झटका

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, झारखंड के चाईबासा जिले के कोल्हान और सारंडा के जंगलों में सक्रिय 15नक्सलियों ने एक साथ पुलिस के सामने हथियार डाल दिये हैं. चाईबासा पुलिस से सभी 15 नक्सलियों ने संपर्क किया था कि वे जंगल की दुनिया छोड़कर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं। पुलिस पर भरोसा कर सभी 15 लोग जंगल से बाहर आ गये और हथियार डाल दिये।

विगत वर्ष से लगातार कोल्हान के जंगल में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. इसके साथ ही बूढ़ा पहाड़, बुलबुल जंगल, खूंटी, चाईबासा और सरायकेला खरसावां के ट्राई जंक्शन क्षेत्र को नक्सलियों से मुक्त करने के बाद सुरक्षा बलों का फोकस पश्चिम सिंहभूम के सारंडा क्षेत्र में है। जानकारी अनुसार सभी बड़े नक्सली कोल्हान और सारंडा के जंगल क्षेत्र में छिपे हुए हैं. पुलिस 10 अक्टूबर 2023 से लगातार उनकी घेराबंदी की जा रही है। हालांकि झारखंड पुलिस व सीआरपीएफ के जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाकर नक्सलियों के प्रभाव वाले कई गांव को मुक्त कराने में सफलता मिली है।

चाईबासा में मनाया गया प्रकृति परब सरहुल

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। शहर के मेरी टोला स्थित अखाड़े में आदिवासी उरांव समाज कमेटी की ओर से गुरुवार को प्रकृति परब सरहुल मनाया गया। प्रकृति का सबसे बड़ा त्योहार सरहुल, स्पन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के आदिवासी कल्याण एवं परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरूवा और विशिष्ट अतिथि के रूप में सिंहभूम सीट सांसद गीता कोड़ा और पूर्व मंत्री जोबा मांझी शामिल हुई। मेरी टोला में सरहुल पूजा समिति के अखाड़े का उद्घाटन मंत्री दीपक बिरूवा और सांसद गीता कोड़ा ने फीता काटकर किया। चाईबासा शहर में विभिन्न अखाड़ा द्वारा धूमधाम से हर वर्ष मनाया जाता है। मंत्री दीपक बिरूवा ने कहा हम आदिवासी प्रकृति की उपासक हैं जब तक आदिवासी समाज रहेगा तब तक संसार बचेगी। मंत्री ने सरहुल पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए सभी राज्यवासियों को बधाई, सांसद गीता कोड़ा ने उरांव समाज सहित पूरे जिलावासियों को सरहुल पर्व धूमधाम और शांतिपूर्ण ढंग से बनाने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो बड़ी बाजार, शहिद पार्क, पोस्ट ऑफिस चौक होते हुए बस स्टैंड, गाड़ी खाना होते हुए वापस मेरी टोला पहुंची सरहुल की शोभायात्रा को लेकर पुलिस बलों की पर्याप्त व्यवस्था की गई जो सुरक्षा को लेकर हर चौक चौराहा पर मैस्तद थे। अतिथियों ने उरांव समाज के सरहुल समिति के दिवंगत वरिष्ठ सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद कमेटी के अध्यक्ष नवल कचछप ने सरहुल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरहुल मूल रूप से प्रकृति की पूजा जनजातीय समुदाय के द्वारा किए जाने वाला प्रमुख पर्व है, जो की नई फसल कटाई से संबंधित है तथा ऋतुराज बसंत के स्वागत का प्रतीक है, सरहुल कमेटी के सदस्यों तथा अतिथियों ने शोभा यात्रा में ढोल नगाड़ा के साथ परंपरागत नर्त्य किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मंत्री बड़कुवर गागराई, लोकसभा संयोजक गीता बालमुचू , नितिन प्रकाश राजकुमार ओझा पवन शर्मा रामानुज शर्मा, अनिल लकड़ा, डोमा मिंज, भाजपा नगर अध्यक्ष अक्षय खत्री, त्रिशानु राय, सुखमती बिरुवा,जानकी देवी, अमित अमित ठाकुर सहित काफी संख्या में महिला बच्चे शामिल थे।

तुलसी भवन में मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव स्वदेशी अपनाने पर दिया जोर

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। राष्ट्र सेविका समिति जमशेदपुर महानगर ने अपना वर्ष प्रतिपदा उत्सव सह प्रश्नमंच प्रतियोगिता कार्यक्रम तुलसी भवन बिष्टुपुर में अपराह्न 4 बजे से आयोजित किया, जिसकी अध्यक्षता विभाग कार्यवाहिका सुधा प्रजापति ने और संचालन महानगर कार्यवाहिका अपर्णा सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद संस्कार भारती की महानगर अध्यक्ष डाक्टर रागिनी भूषण ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र का महापर्व चुनाव आ गया है। हमें इस राष्ट्र को मजबूत करने के लिए और राष्ट्र विरोधी ताकतों को परास्त करने के लिए अवश्य मतदान करना चाहिए। मुख्यवक्ता अनीता प्रसाद ने भारतीय नववर्ष को पूर्णतया वैज्ञानिक काल गणना सिद्ध करते हुए कहा कि राष्ट्र सेविका समिति की बहनों को लव-जिहाद, धर्मांतरण के साथ साथ स्वदेशी, ग्राम विकास, पर्यावरण इत्यादि के प्रति भी सजग रहते हुए देश को मजबूत करना है। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा दीपक जलाकर एवं भारतमाता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्य शिक्षिका का दायित्व निभाया चिंका कुमारी ने , इस अवसर पर एकल गीत एम भवानी ने , श्लोक इंदु सिन्हा ने और अमृत वचन डॉ पुष्करबाला ने प्रस्तुत किया। प्रश्नमंच प्रतियोगिता के विजेताओं सांकरी नगर प्रथम सोनारी नगर दृत्य- को अतिथियों द्वारा मां अष्टभुजा देवी का चित्र पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ पूनम सहाय, भारती सिंह,गीता दीक्षित, मंजू सिंह,उमा शर्मा, बीना वर्णवाल, माया वर्णवाल, सविता सिंह, कल्पना राय,कंचन देवी, विमला सिंह, ममता आर्या, लवली चौरसिया,पलक कुमारी, दिव्यांशी सिंह, अनुराधा दास इत्यादि ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की।

सरहुल पर्व हमें प्रकृति व संस्कृति से जोड़े रखती है : दीपक बिरूआ

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। आदिवासी उरांव सरहुल पूजा समिति की ओर से गुरुवार को मेरीटोला में हर्षोल्लास के साथ प्रकृति पर्व सरहुल मनाया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में मंत्री दीपक बिरुवा मौजूद रहे। उन्होंने उपस्थित सरहुल शोभा यात्रा का शुभारंभ किया। मौके पर मंत्री ने क्षेत्र की सुख, शांति, समृद्धि, हरियाली, अच्छी फसल व वैश्विक महामारी से बचाव के लिए मंगलकामना की। कहा कि यह परंपरा पूर्वजों के जमाने से चली आ रही है। इस परंपरा को उत्सव रूप में मनाकर नई पीढी के लोगों को सरहुल व पर्यावरण का महत्व बताना है। आदिवासी समुदाय के लोगों का प्रकृति से प्रेम व अटूट रिश्ता होने के कारण ही पर्यावरण व संस्कृति को अब तक सहेज कर रखा गया है। हम सभी को वातावरण की शुद्धता के लिए पेड़-पौधे लगाना होगा। हमारा जीवन प्रकृति से जुड़ा हुआ है। यह पर्व हमें प्रकृति व संस्कृति से जोड़े रखती है।

वहीं समाज की पुरुष-महिलाएं व युवतियां परंपरागत वेशभूषा में सरहुल महोत्सव में शामिल हुए। अंत में माननीय मंत्री जी ने सरहुल शोभा यात्रा का नगाड़ा बजाकर शुभारंभ किया। इसके पूर्व आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि समेत अन्य अतिथियों को पगड़ी पहनाकर, अंग वस्त्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया। मौके पर सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई, समाजसेवी नितिन प्रकाश, सुभाष बनर्जी समेत कई उपस्थित थे।

मस्जिद-ए-अक्सा में पढ़ी गई ईद उल फितर की नमाज, मांगी अमन चैन की दुआ

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जमशेदपुर सहित पूरे देश में धूमधाम के साथ ईद का पर्व मनाया जा रहा है। ईद मुस्लिम समुदाय का प्रमुख पर्व है। इस्लाम धर्म को मानने वाले माह-ए-रमजान में एक महीना रोजा रखते हैं। पूरे एक महीने रोजा रखने के बाद उन्हें ईद का चांद का दीदार होता है। चांद देखने के बाद ही ईद पर्व की शुरुआत होती है। आपको बता दें कि पहले अरब देशों में ईद के चांद का दीदार होता है। अरब देशों में ईद मनाने के एक दिन बाद ही भारत में ईद मनाई जाती है। ृपरसुडीह थाना क्षेत्र के किताडीह मस्जिद-ए-अक्सा में भी ईद उल फितर की नमाज सुबह 8.00 बजे हुई।

ईद को भाईचारे का पर्व माना जाता है। ईद के दिन मुस्लिम समाज के सभी लोग मस्जिद में सामूहिक रूप से नमाज अदा करने जाते हैं। इसके बाद सभी एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देते हैं। वहीं ईद के दिन हर मुस्लिम घर में कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं, जिसमें मीठी सेवई खासतौर से बनाई जाती है। वहीं ईद के दिन नए कपड़े पहनने की भी परंपरा है। ईद के दिन मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिद में जुटते हैं और नमाज पढ़कर अल्लाह से अमन-चैन की दुआ मांगते हैं। ईद के दिन अपने से छोटे लोगों को ईदी देने का भी रिवाज है। मुख्य रूप से मौजूद इमाम हाजी इश्हाक अंजुम, सैयद शोएब राजा उर्फ मुन्ना, शेख सलाउद्दीन, श्याम शर्मा, सुशील शर्मा, लल्लन यादव,किशोर यादव, निजाम खान, शेर खान समेत स्थानीय रहे मौजूद।

जगन्नाथपुर ईदगाह में अदा की गई ईद की नमाज

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। रमजान के पवित्र महीने का अंत का प्रतिक ईद को लेकर जगन्नाथपुर स्थित ईदगाह, रहीमावाद व मौलानगर मैदान में गुरुवार को ईद की नमाज अदा की। नमाज में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। ईद के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने न केवल अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगी, बल्कि वे अपने, करीबी व समाज के लोगों की खुशहाली, आपसी भाईचारे आदि के लिए दुआएं भी मांगी। ईद का त्योहार आपसी भाईचारे का संदेश देता है, जिससे मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा मिलती है। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे के गले मिल कर ईद की बधाई दी। लोग एक-दूसरे को मिठाई व सेवईयां खिलाते नजर आये। जगन्नाथपुर बाजार में अचानक रौनक बढ़ गई। पुलिस-प्रशासन भी शांति व्यवस्था हेतु ईदगाह व आसपास के क्षेत्रों में मुस्तैद नजर आई।

माह-ए-रमजान से क्या पाया, करें आकलन-मौलाना

इस मौके पर मौलाना ने कहा कि माह-ए-रमजान का मुबारक महीना अब हमसे रुख्सत हो रहा है। अल्लाह की तौफीक और मेहरबानी से यकीनन अकीदतमंदों ने रोजे की पाबंदी से एहतेमाम किया होगा। अब गौर करने का मुकाम है कि यह रोजा साफ लफ्जों में पुकारता है, बन्दे! वह कौन सी ताकत है जिसने तुझे तेरी जायज ख्वाहिशात को भी पूरा करने से रोक दिया। वह कौन है जिसके खातिर तूने भूख और प्यास की तकलीफ गवारह कर ली। तू जायज चीजों को छोड़ सकता है तो नाजायज छोड़ देना तेरे लिए क्यों मुश्किल हो जाता है। इसी शिक्षा का नाम रमजान है और रोजे फर्ज होने का मकसद भी। अब हमें आंकलन करने की जरूरत है, कि इस मुबारक महीने से हमने क्या पाया क्या मुकम्मल एक महीने रोजे का एहतेमाम करके वह मकसद हमारी जिन्दगीं मे गया है। क्या रोजे ने हमारे अन्दर खुदा की बन्दगी का जोश भर दिया है। क्या इस एक माह के अभ्यास ने हमारी बुरी आदतें जैसे नशा, तम्बाकू एंव सिगरेट आदि की लत छुड़ा दी। क्या हमारी जुबान झूठ, चुगली, गाली गन्दी बातों से परहेज करने लगी है। क्या एक माह की पाबंदी के परिणाम में अब नमाजों की पाबंदी हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गई है। अगर इन सभी का जवाब हां में है तो सबों को यह रमजान मुबारक हो। अगर नहीं तो मुमकिन है हमारी भी गिनती उन लोगों में होगी जिनके बारे में अल्लाह के नबी मोहम्मद स. ने फरमाया कि कितने रोजेदार हैं जिनको उनके रोजे से सिवाय प्यास के कुछ हासिल नहीं होता।

संक्षिप्त खबरें

जिला स्तरीय ऑनलाइन चित्रांकन एवं लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

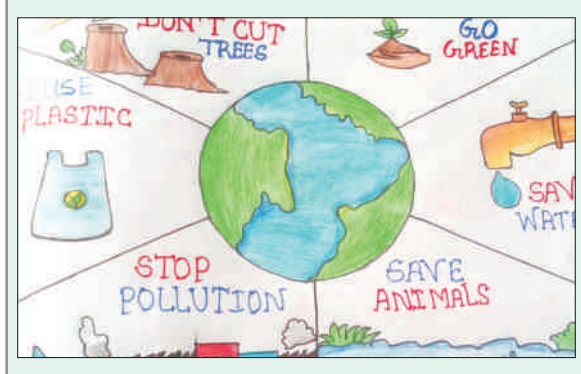

पूसू प्रतिनिधि, चक्रधरपुर। क्वालिटी एजुकेशन सेंटर चक्रधरपुर द्वारा जिला स्तरीय ऑनलाइन चित्रांकन एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, आयोजित जिला स्तरीय ऑनलाइन चित्रांकन प्रतियोगिता का प्रथम चरण संपन्न हुआ,जिसमें दो श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, प्रथम श्रेणी हेतु कक्षा 3-8 तथा द्वितीय श्रेणी के लिए कक्षा 9-12 निर्धारित की गई थी। प्रतियोगिता में दोनो वर्गों से कुल 92 छात्र छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें से अंतिम चरण हेतु दोनों वर्गों के 20 छात्र छात्राओं की पेंटिंग का चयन किया गया है। चयनित छात्र छात्राऐं 14 अप्रैल दिन रविवार को क्वालिटी एजुकेशन सेंटर में आकर ऑफलाइन प्रतियोगिता में शामिल होंगे ,इसके पश्चात परिणाम घोषित किया जाएगा। दूसरी ओर लेखन प्रतियोगिता में कुल 76 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनका परिणाम भी 14 अप्रैल को घोषित कर दिया जाएगा। लेखन प्रतियोगिता हेतु आयुवर्ग पूर्णत: स्वतंत्र रखी गई थी। निबंध प्रतियोगिता हेतु झारखंड के परिपेक्ष में गुणवतापूर्ण शिक्षा की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य विषय निर्धारित किया गया था।

गांव में भक्ति का माहौल तीन दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का प्रारंभ

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। प्रखंड के हल्दीपोखर में श्री श्री अखंड हरिनाम संकीर्तन समिति द्वारा तीन दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन गुरुवार से शुरू हुआ। हरिनाम संकीर्तन शुरू होते ही गांव में भक्ति का माहौल बना। इस वर्ष की प्रसिद्ध संकीर्तन संप्रदाय भाग ले रही है। इनमें पश्चिम बंगाल के जसपुर महिला संकीर्तन संप्रदाय,जय शुभदीप महिला संकीर्तन संप्रदाय,एडगोड़ा के इलारानी महिला संप्रदाय,गड़बेदा के नीलांचल महिला संप्रदाय, बांकुड़ा के नित्यानंद बाबु संप्रदाय, पुरुलिया के महानंद गोस्वामी संकीर्तन संप्रदाय, तथा स्थानीय डोकरसाई, हल्दीपोखर व राजाबासा संकीर्तन संप्रदाय शामिल है। संकीर्तन का शुभारंभ हल्दीपोखर के हरमोहन मंडल राज संप्रदाय द्वारा किया गया। इस अवसर पर पार्षद सूरज मंडल, पूर्व उप मुखिया नीलकांत मंडल, दिलीप अग्रवाल, शक्तिपद मंडल, घनश्याम मंडल, हरमोहन मंडल, नरेंद्र नाथ मंडल, शांति मंडल, बबलू प्रमाणिक,मधु मोदक,सोना मोदक,शीतल मंडल सहित अनेक ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

असहाय दिव्यांग को नहीं मिलता है 'अपवाद पुस्तिका' का लाभ-करुणामय

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। पोटका प्रखंड के तेंतला पंचायत स्थित गितिलता गांव की रहने वाली रमनी मंडल जो पति एवं पुत्र हीन एक असहाय गरीब दिव्यांग महिला हैं जो चलने फिरने में अक्षम है। जो सरकारी अनाज के सहारे ही अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं। इनके नाम से अंतोदय कार्ड तो है पर फिंगर प्रिंट्स देने के लिए हर माह इन्हें टेंपो भाड़ा कर जन वितरण प्रणाली के दुकान जाना पड़ता है जो इनके लिए एक एक्स्ट्रा खर्च लगता है। जबकि ऐसे लोगों के लिए सरकार द्वारा समुचित व्यवस्था के तहत 'अपवाद पुस्तिका' का प्रावधान कि गई है पर आज तक दुकानदार को अनेकों बार बोलने के बावजूद भी उन्हें 'अपवाद पुस्तिका' का सुविधा नहीं दिया गया है। दुकानदार का कहना है की 'अपवाद पुस्तिका' के आधार पर दिए गए अनाज का एंट्री नहीं हो पाता है। इसकी सूचना जब पूर्व जिला पार्षद करुणा मय मंडल को मिला तो उन्होंने प्रविपदा अभय द्विवेदी को विषय की विस्तृत जानकारी देते हुए पीड़िता की समस्या का त्वरित समाधान करने की बात किए जाने पर पदाधिकारी द्वारा समस्या की त्वरित समाधान किए जाने का आश्वासन दिया गया।

महावीर मंडल ने सरहुल पर्व पर सेवा शिविर लगाया

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर महावीर मंड़ल चाईबासा के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गांधी मैदान चौक के समीप सेवा शिविर लगाया गया। जिसमें सरहुल शोभायात्रा में शामिल सभी सरना भाई-बहनों के बीच शरबत, पानी और चना का वितरण किया गया एवं सभी अखाड़ा के पाहनो को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा के अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें मार्गदर्शक राज कुमार रजक, जय कुमार, हिमांशु राज, मालीराम खुटेटा, दुर्गा प्रसाद साव,मदन यादव, विजय राज यादव, कैलाश खंडेवाल ,रवि प्रकाश गुप्ता, अनिल महतो, अनूप सुल्तानिया, गुरमुख सिंह खोखर, अमित जायसवाल, मनोज शर्मा , रितेश चिरानिया, सिकंदर यादव। संरक्षक विकास शर्मा , जय किशन यादव, दिलीप साव, चंदन पांडे, राकेश पांडे। उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता,विक्की रजक, नीरज गुप्ता, विशाल साव। महामंत्री सुमित प्रजापति।

हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी ईद

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को मुस्लिम समुदाय का ईद पर्व हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। प्रखंड के हल्दीपोखर,गंगाडीह, पोटका सहित अन्य मस्जिदों में निर्धारित समय पर ईद की नमाज अदा की गई। नमाज के उपरांत सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर पर्व की शुभकामनाएं दी। मौके पर पूर्व मुखिया सैयद जबीउल्लाह ने कहा ईद पर्व पवित्र रमजान माह 30 रोजा के बाद एक तोहफा है।इस दिन सभी आपसी गिला शिकवा मिटाकर गले मिलते हैं। यही परंपरा है। ईद शांति पूर्वक संपन्न कराने हेतु बीडीओ अभय द्विवेदी, मुसाबनी डीएसपी संदीप भगत,कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान मुस्लिम बस्ती में तैनात रहे। पदाधिकारियों ने भी ईद की शुभकामनाएं दी।

शहर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया प्रकृति पर्व सरहुल, शोभा यात्रा में हजारो लोग हुए शामिल

➲ मांदर की थाप पर थिरकते रहे आम व खास

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। प्रकृति पर्व सरहुल की गुरूवार को धूम रही। सुबह से ही सरना स्थलों में पूजा-अर्चना होती रही। शाम में केन्द्रीय सरहुल पूजा समिति के बैनर तले शोभा यात्रा निकाली गई। जो सीतारामडेरा उरांव समाज भवन से प्रारंभ होकर साकची गोलचक्कर, गोलमुरी गोलचक्कर होते हुए पुन: सीतारामडेरा पहुंची। शोभा यात्रा में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन की ओर से दंडाधिकारी व पुलिस बल तैनात थे। शोभा यात्रा में शोभायात्रा में आदिवासी मूलवासी समुदाय के उराँव, हो, मुंडा, संथाल, मुखी, भुइयाँ, तुरी, लोहरा समेत अन्य सामाजिक संगठन के महिला-पुरुष,बच्चे-बच्चियाँ, युवक-युवतियां अपने पारम्परिक परिधान एवं वाद्य यंत्रों के साथ इस शोभायात्रा में शामिल होकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेते हुए आदिवासी एवं मूलवासी एकता का परिचय दिया। इस दौरान मांदर की थाप पर आम व खास के पांव थिरकते रहे। शोभा यात्रा में राकेश उराँव एवं राजेन कुजूर, लाइसेंसधारी गंगाराम तिर्की, शंभू मुखी डूंगरी समेत कई लोग शामिल थे।

सरहुल महोत्सव में शामिल हुए काले, दी बधाई

जमशेदपुर के आदिवासी मुंडा समाज, आदिवासी हो समाज, आदिवासी उरांव समाज, कोंका कमार करमाली सेना संघर्ष समिति व आदिवासी समाज, टिनप्लेट के तत्वावधान में आयोजित सरहुल महोत्सव सह शोभायात्रा में झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने शामिल होकर सरना स्थल पर पारंपरिक रुप से श्रद्धापूर्वक पूजा कर माथा टेका। इस मौके पर अमरप्रीत सिंह काले ने सरहुल की शुभकामना देते हुए कहा कि सरहुल पर्व पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प है। प्रकृति, मनुष्य और धरती से जुड़ी सहजीविता, एकजुटता और उनके समग्र जीवन चक्र को सम्मानपूर्वक सृजनशील, उर्वर बनायें रखने के लिए नये संकल्प और उत्साह के साथ जीने का संदेश भी समाहित है। प्रकृति को समर्पित सरहुल पर्व आदिवासीयों का प्रमुख पावन त्योहार है। इस त्योहार को मनाने के बाद ही नयी फसल का उपयोग किया जाता है।

गोलमुरी में अनियंत्रित कार ने भाई-बहन को रौंदा, मौत

गुस्साए लोगों ने कार में सवार लोगों की पिटाई के बाद बंधक बनाया

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। गोलमुरी थाना अंतर्गत स्लैग रोड में गुरुवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े भाई-बहन को रौंद दिया, जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कार को घेर लिया। हालांकि कार का चालक भागने में सफल रहा। लेकिन कार में सवार तीन युवकों को लोगों ने बंधक बना लिया तथा जमकर पिटाई की। घटना की जानकारी पुलिस को मिलने के बाद वह मौके पर पहुंची तथा बंधक बनाए युवकों को अपनी हिरासत में लिया। दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने कार में जमकर तोड़-फोड़ की।

दूसरी ओर इस घटना में गंभीर रुप से जख्मी भाई बहन को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में राजीव कुमार तथा उसकी सात माह की बहन शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मुआवजे के लिए सड़क जाम कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम थी। हालांकि पुलिस-प्रशासन की ओर से लोगों को सड़क जाम हटाने के लिए समझाया जा रहा है, लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं है।

सोनारी दोमुहानी नदी तट पर सामूहिक गणगौर विसर्जन कार्यक्रम आयोजित

➲ नयी नवेली 21 दुल्हनों को भायली महिला मण्डल ने किया सम्मानित

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। लगातार सोलह दिनों तक चलने वाला गणगौर उत्सव हर्षोल्लास से गुरूवार की संध्या गणगौर और जवारा विसर्जन के साथ संपन्न हो गया। खरकाई एवं स्वर्णरेखा नदी के संगम तट सोनारी दोमुहानी नदी पर सामूहिक गणगौर विसर्जन का कार्यक्रम हुआ, जिसमें सोनारी और कदमा सहित आस-पास क्षेत्र से मारवाड़ी समाज की लगभग 400 महिलाएं एवं युवतियां अपनी-अपनी गणगौरों एवं जवारों का विसर्जित करने के लिए पहुंची। महिलाएं नाच-गाकर, पूजा-पाठ कर हर्षोल्लास के साथ गणगौरों एवं जवारों को विसर्जित किया साथ ही एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर खुशी मनायी। भायली महिला मण्डल जमशेदपुर की अध्यक्ष कविता अग्रवाल और सचिव मंजू अग्रवाल के संयुक्त नेतृत्व में महिलाओं के लिए लगाये गये सेवा शिविर में नई ब्यवली गणगौर पुजने वाली 21 बहु-बेटियों का बैंड बाजा एवं अंग वस्त्र के साथ स्वागत और उपहार देकर मनुहार किया गया साथ ही सभी के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गयी थी। इससे पहले सुबह 07 बजे से मण्डल के द्वारा महिला सत्संग भवन सोनारी में समाज की महिलाओं के लिए सामुहिक गणगौर पूजन का आयोजन किया गया जिसमें मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक पूजन किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे प्रमुख रूप से सुमन अग्रवाल, मैना अग्रवाल, काव्या शर्मा आदित्यपुर, बिमला वर्मा, नीलम नागेलिया, उमा डांगा, संजना अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, कविता अग्रवाल कदमा, सीमा डंगबाजिया, लता अग्रवाल, झुमकी अग्रवाल, राधा अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, काजू अग्रवाल, प्रीति झाझरिया, रीमा अग्रवाल, रीना अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, कविता अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, गुरप्रीत अग्रवाल, खुशबू शर्मा, रेखा अग्रवाल, बबिता पुरिया, संतोष अग्रवाल, डोली अग्रवाल, राजश्री हरुपका, स्वाति अग्रवाल, भारती अग्रवाल आदि का योगदान रहा।

एक पखवाड़े से चल रहा गणगौर पूजा का समापन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। अखंड सुहाग एवं सुंदर वर की कामना के लिए मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा की जाने वाली गणगौर पूजा का गुरूवार को समापन हो गया। महिलाएं भगवान भोलेनाथ एवं माता गौरी को ईसर एवं गौरा का रुप में पूजते हैं। एक पखवाड़े से ज्यादा समय तक दोनों की विधि विधान से पूजा होती है। उसके बाद उनका विसर्जन किया जाता है। विसर्जन से पहले महिलाओं ने सबसे पहले गणेश जी की पूजा की। इसके बाद ईसर, गौरा देवी की पूजा करते हुए गीत गाते हुए नवविवाहित जोड़े ने दूर्वा अर्पित की। ईसर-गौरा गीत संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें काठे से आयो ईसर काठे से आईं गौरा, गौर रे गणगौर माता खोल किवाड़ी, पूजन आईं रे सखियां सारी, मेरा रहे अमर सुहाग मैया गौरा देवी आशीर्वाद देना आदि गीतों पर महिलाएं झुम उठीं। इस अवसर पर गणगौर माता रानी को सिंदूर, काजल, टिकीं, दूर्वा, हलवा, पूड़ी, सुहाग सामग्री अर्पित की गई। इसके बाद शाम 4 बजे से जुगसलाई सत्यनारायण मंदिर में मारवाड़ी समाज की महिलाओं एवं नवविवाहित जोड़े द्वारा वहां ईसर गौरा, घोड़े को पानी पिलाया गया। इसके बाद ईसर गौरा देवी की पूजा कर विसर्जन करने के लिए साकची स्वर्णरेखा नदी घाट ले गईं।

48 घंटे बाद गोविंदपुर में बहाल हुई जलापूर्ति

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। गोविंदपुर में सड़क निर्माण कार्य कर रही कंपनी के द्वारा कार्य के दौरान पाइप फट जाने से गोविंदपुर में पानी की सप्लाई 48 घंटे से बंद थी जिसको लेकर क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ था। वहां की 50 हजार की आबादी इससे प्रभावित थी। जिला परिषद सदस्य परितोष सिंह ने पेयजल विभाग से वार्ता कर युद्ध स्तर पर कार्य चालू करवाया। विभाग के कर्मचारियों ने युद्धस्तर पर कार्य पूर्णकर शाम में जलापूर्ति बहाल की। ज्ञात हो कि पानी का पाइप फट जाने से जलापूर्ति बाधित हो गयी थी। जलापूर्ति बहाल होने पर जिप सदस्य परितोष सिंह ने पेयजल विभाग को धन्यवाद दिया।

ज्योतिबा फुले की जयंती पर सांसद बिद्युत बरण महतो ने श्रद्धासुमन अर्पित किया

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सांसद बिद्युत बरण महतो महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर उन्हें अपना श्रद्धासुमन अर्पित किया। आज माली (मालाकार) कल्याण समिति के तत्वावधान कीताडीह स्थित यादव भवन में उनकी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कहा महात्मा ज्योतिबा फुले सत्य के अन्वेषी थे। उन्होंने पिछड़े, दलित एवं महिलाओं के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। आज हम सबको संकल्प लेना है कि हम सभी उनके बताए हुए मार्ग का अनुकरण करें और समाज को बेहतर बनाने के लिए कार्य करें। इस अवसर पर आज मुख्य रूप से किशोर यादव, विजय ठाकुर, संजय मालाकार, प्रकाश विश्वकर्मा, सुरेश निषाद, ललन यादव, राजु प्रसाद, भोला भगत, भोला यादव, वीरेंद्र यादव, प्रेमलाल भगत, यमुना भगत, प्रभाकर, मुकेश कुमार मंटू, कासीनाथ प्रसाद, श्याम किशोर कुशवाहा, बबन शर्मा, मुन्ना चन्द्रवंशी, ओम प्रकाश यादव, सुरेन्द्र महतो, संजय प्रजापति, प्रमोद शाह, अवधेश भगत, सुशील कुमार, संतोष सैनी, डॉ गुंजा सैनी, राजू भगत, अरविन्द भगत, विजय भगत, किशोर राज, मुकेश कुमार, संतोष भगत, प्रेमनाथ भगत, धर्मनाथ भगत, दशरथ भगत, रंजीत भगत, विकास भक्ता, अजित भगत, दीपक भगत, रविंद्र भगत, विनय भगत, प्रमोद मालाकार, राजेश भगत, मनोज भगत, विनय भगत सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

ईद आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है : मंगल

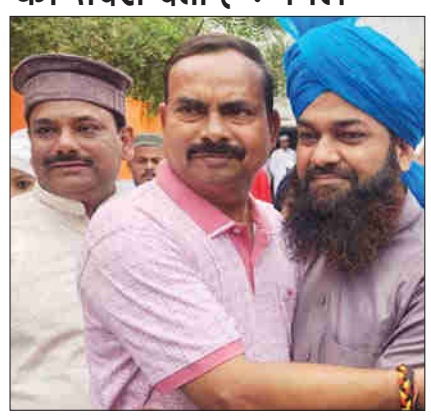

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गौरी शंकर रोड जुगसलाई, मकदमपुर और बारीनगर पहुंच कर स्थानीय लोगों से मुलाकात की और गले मिलकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान से भी मुलाकात की और उन्हें भी गले मिल ईद की बधाई दी। इस मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि ईद का त्योहार दिलों में मोहब्बत पैदा करता है। रमजान के पवित्र माह के दौरान कठोर उपवास के बाद मनाया जाने वाला यह त्योहार आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है।

शहरी क्षेत्र में वोटिंग बढ़ाने के लिए जन-जन का सहयोग जरूरी : डीडीसी

होटल, रेस्टोरेंट, मॉल व कोचिंग सेंटर संचालकों के साथ की बैठक

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। शहरी क्षेत्र में वोटिंग बढ़ाने के लिए गुरुवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत होटल, रेस्टोरेंट, मॉल व कोचिंग सेंटर संचालकों के साथ बैठक आहूत की गई। उप विकास आयुक्त सह वरीय पदाधिकारी स्वीप कोषांग मनीष कुमार की अध्यक्षता में आहूत बैठक में सभी व्यासायिक संस्थानों से अपने स्तर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाते हुए शहरी मतदाताओं में मतदान के प्रति उदासीनता दूर करने को लेकर विशेष जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में 25 मई को मतदान दिवस है। इसके लिए अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। होटल व रेस्टोरेंट संचालक मिठाई के डब्बों या खाने के पार्सल में मतदाता जागरुकता स्टीकर लगाकर घर-घर तक मतदान दिवस के संदेश को पहुंचाएं साथ ही मॉल, कोंचिग, होटल रेस्टोरेंट में सेल्फी प्वाइंट, पोस्टर, बैनर लगाकर भी मतदान के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मतदातओं को जागरूक करने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाएं या अन्य कोई भी गतिविधि संचालित करें जिसमें बड़ी सहभागिता हो। वहीं कोचिंग सेंटर संचालकों से वैसे सभी 18+ युवा मतदाता जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है उन्हें 15 अप्रैल तक फॉर्म 6 भरवाते हुए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु प्रेरित करने का निर्देश दिया गया। सभी उपस्थित सदस्यों से भी मतदाता सूची में अपना नाम सत्यापन किए जाने की अपील की गई ताकि मतदान दिवस को वे आश्वस्त होकर बूथ तक पहुंचे और मतदान करें ।

वोटिंग निशान दिखाने वाले मतदाताओं को दें शॉपिंग में छूट ऑफर

उप विकास आयुक्त ने कहा कि अक्सर यह देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में मतदान कम होते हैं। शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शॉपिंग पर छूट की घोषणा कर दें जिससे मतदान के दौरान ऊंगली पर लगाई गई स्याही दिखाकर लोग शॉपिंग में छूट प्राप्त कर सकेंगे। सभी व्यवसायिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने इस पर अपनी सहमति जताई तथा मतदाता जागरूकता अभियान में परस्पर सहयोग को लेकर आश्वस्त किया। इस अवसर पर सभी को मतदाता शपथ दिलाते हुए अपने साथ कम से कम 10 अन्य लोगों को बूथ तक लाने में प्रेरित करने की अपील की गई। बैठक में जेएनएसी के उप नगर आयुक्त, जिल खेल पदाधिकारी समेत 50 से ज्यादा संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

संक्षिप्त खबरें

सांसद बिद्युत बरण महतो ने बागबेड़ा मंडल के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सांसद बिद्युत बरण महतो गुरुवार को बागबेड़ा मंडल के प्रमुख कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। रेलवे ट्राफिक कालोनी स्थित सुभाष चंद्र बोस चौक के पास कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया। इस अनौपचारिक मुलाकात के दौरान सांसद श्री महतो ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का हाल समाचार जाना एवं कुशलक्षेम पूछा। इस अवसर पर मुख्यरूप से वरिष्ठ भाजपा नेता हरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, सांसद प्रतिनिधि धनंजय उपाध्याय, विमलेश उपाध्याय, गणेश विश्वकर्मा, केशव सिंह, पप्पू सिंह, गोपाल ओझा, विनोद सिंह, विनय भूषण, मनोज तिवारी, राकेश चौबे, नीरज सिंह, नीतीश कुमार, विनोद जायसवाल अशोक बेहरा, सुनील यादव, विजय ठाकुर सहित अनेक प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युनाइटेड होमियो हॉल में डॉक्टर सैम्युल हैनिमेन का जन्मदिवस मनाया गया

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। डॉ एसपी फाउंडेशन द्वारा बिष्टुपुर कार्यालय युनाईटेड होमियो हॉल में होमियोपैथी के आविष्कारक डॉ सैम्युल हैनिमेन के जन्मदिन को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के शुरूआत डा प्रतिभा भट्टाचार्य द्वारा उपस्थित डाक्टर एवं सज्जनों को स्वागत भाषण से किया गया। इसके बाद डॉ सीएस दलाल ने विस्तार पूर्वक डा हैनिमेन के जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मुख्य वक्ता डॉ टीके चटर्जी ने कहा कि होमियोपैथी एक आधुनिकतम चिकित्सा पद्धति है। डॉ हैनिमेन अपनी जीवन काल में निरंतर शोध कार्य करते हुये इस चिकित्सा पद्धति को विकसित किया। आज होमियोपैथी विश्व के ज्यादातर देशों में स्वीकृत चिकित्सा पद्धति है। भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होने के बावजुद 'कोविड वैक्सीन' के बिना विदेश जाने में पाबंदी है। इसे खत्म होना चाहिए। आज होमियोपैथी द्वारा कैंसर के तरह असाध्य रोगों का भी सही उपचार मिल रहा है। भारत सरकार को इसे प्रोत्साहन मिलना चाहिए। होमियोपैथी को सरकारी शोध कार्य में उचित सहायता मिलना चाहिये। इस अवसर पर डॉ दलाल, डॉ जितेन्द्र कुमार, डॉ अनिदिंता राज, डॉ एसके बनर्जी, डॉ एसके दास ने भी अपनी विचार व्यक्त किये। मौके पर काफी संख्यक रोगियों एवं सज्जनों इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ अमर कुमार चटर्जी ने उपस्थित सज्जनों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए साधुवाद दिया।

सोनारी में खुला ब्रह्मानंदम हॉस्पिटल, मैनेजिंग ट्रस्टी मोनूभट्टाचार्य ने किया उद्घाटन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सोनारी कागल नगर स्थित मेन रोड में नया ब्रह्मानंदम हॉस्पिटल खोला गया जिसका उद्घाटन ब्रह्मानंदम ग्रुप के मैनेजिंग ट्रस्टी मोनू भट्टाचार्य ने फीता काट कर एवम दीप प्रज्जवलित कर किया। उद्घाटन के क्रम में उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ब्रह्मानंदम हॉस्पिटल जमशेदपुर के बीच शहर सोनारी में स्थित होने के कारण तथा एक ही छत के नीचे सारी आधुनिक सुबिधाओं का उपलब्ध होना पूरे कोलहान क्षेत्र से आए मरीजों के लिए बहुत ही खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल में मरीजों को उत्कृष्ट सुविधा मिलेगी। यह हॉस्पिटल अभी कुल 70 बेड से शुरू किया गया है साथ ही यहां 24×7 फार्मेसी और इमरजेंसी सेवा प्रदान की जायेगी। इस हॉस्पिटल में आईसीयू, एचडीयू, लेबर रुम, डायलसिस, माड्यूलर ओटी, पैथोलॉजी, एम्बुलेंस के साथ एक ही छत की नीचे सभी सुविधा प्रदान की जाएगी। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हॉस्पिटल के बोर्ड मेम्बर के रूप में डॉक्टर मिंटू अखौरी, डॉ रश्मि वर्मा, डॉ सुजित, डॉ पूनम, डॉ एसबी पांडेय, डॉ रूबी पांडेय, श्रीमती श्रीनिवास राव, श्रीमती एम लक्ष्मी समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड राज्य स्तरीय इंडियन अबेकस ओलंपियाड 2024 का आयोजन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। झारखंड राज्य स्तरीय इंडियन अबेकस ओलंपियाड 2024 का आयोजन खाशमहल जमशेदपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता में झारखंड के सभी प्रमुख शहरों के छात्रों ने भाग लिया। प्रो संजय पात्रो डीन एक्सएलआरआई जमशेदपुर सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस आयोजन का प्राथमिक फोकस अबेकस के हर स्तर के सभी छात्रों को एक राज्य मंच पर लाना और उनके मानसिक अंकगणित और मस्तिष्क कौशल का आकलन करना था। इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन अबेकस झारखंड ने किया। विजेताओं और भाग लेने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र, पदक और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इंडियन अबेकस झारखंड के स्टेट हेड संजीव सिंह ने कहा कि सभी छात्र पिछले तीन महीनों से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे थे, इंडियन अबेकस केवल संख्याओं और गणना के बारे में नहीं है। यह अरिथमेटिक को आसान और स्ट्रेस फ्री बनता है, छात्रों की मस्तिष्क शक्ति, एकाग्रता और पिक्चर मेमोरी को बढ़ाता है।

जीनत अमान ने कपल्स को दी सलाह

'लिव-इन में रहना पाप है'

वेटरन एक्ट्रेस जीनत अमान ने अपनी दमदार एक्टिंग से लाखों दिलों पर राज किया है। एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती के अलावा अपने बयानों को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लंबा चौड़ा कैप्शन लिखा और आज की जनरेशन को शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी है। इसी के साथ जीनत ने बताया कि एक फैन ने उनसे रिलेशनशिप एडवाइस मांगी थी। जीनत ने ये भी बताया कि ये जो सलाह वो फैन्स को दे रही हैं, अपने बेटों को भी वो यही रिलेशनशिप एडवाइस देती हैं। एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं।

हर हाल में शादी से पहले लिव इन रिलेशनशिप में रहें

दरअसल जीनत अमान ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर अपने डॉग के साथ दो तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि आप में से किसी ने मेरे पिछले पोस्ट में कमेंट कर रिलेशनशिप पर सलाह देने को कहा था। तो मैं अपनी निजी राय बताती हूं, जो पहले नहीं कही है। अगर आप रिलेशनशिप में हैं तो मैं ये सलाह दूंगी कि आप हर हाल में शादी से पहले लिव इन रिलेशनशिप में रहें। मैंने अपने बेटों को भी यही मशवरा दिया था। दोनों ही लिव-इन रिलेशनशिप में रहे हैं या फिर रह रहे हैं।

खराब मूड झेल सकते हैं?

जीनत ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि ये मुझे लॉजिकल लगता है कि इससे पहले कि दो लोग अपने परिवार और सरकार को अपनी इक्वेशन में शामिल करें, वे पहले अपने रिश्ते को अल्टीमेट टेस्ट करें। दिन में कुछ घंटे अपने खुद का बेस्ट वर्जन बनना आसान है। लेकिन क्या आप बाथरूम शेयर कर सकते हैं? खराब मूड झेल सकते हैं? क्या यह मान जाते हैं कि रात को डिनर में क्या खाना चाहिए? क्या आप बेडरूम में एक-दूसरे के बीच फायर बनाए रखते हैं? उन लाखों छोटे-छोटे झगड़ों पर काम करें जो दो क्लोज लोगों के बीच क्रिएट होते हैं? यह उन्हें पहले चेक कर लेना चाहिए।

लोग क्या कहेंगे

एक्ट्रेस ने आगे लिखा कि जरूरी है कि आप देखें कि आपके बीच तालमेल है? कंपैटिबिलिटी है? मैं जानती हूं कि भारतीय समाज में 'लिव इन को पाप' मानते हैं, लेकिन फिर भी, समाज तो कई चीजों को लेकर सख्त होता है! लोग क्या कहेंगे? लेकिन समाज तो कई और चीजों को लेकर भी शख्त है। लोग क्या कहेंगे। लेकिन परिवार और सरकार को बीच में लाने से पहले जरूरी है कि पार्टनर्स अपने रिश्ते का फाइनल टेस्ट कर लें।

अक्षय कुमार के नाम पर 6 लाख की ठगी

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' को लेकर चर्चा में हैं। इसे ईद के मौके पर आज यानी कि 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। मूवी ने रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा प्रदर्शन किया है। इसी बीच एक्टर से जुड़ी खबर सामने आ रही है कि उनके नाम पर एक महिला के साथ 6 लाख की ठगी की कोशिश की गई है। बताया जा रहा है कि महिला को एक्टर के प्रोडक्शन हाउस में नौकरी देने का झांसा दिया गया था। जिस महिला के साथ 6 लाख का फ्रॉड होते-होते रह गया। उसे लेकर बताया जा रहा है कि वो एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पूजा अनंदानी हैं। उन्होंने जुहू के पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करवाया है। शख्स ने महिला को अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। फ्री प्रेस जरनल की रिपोर्ट की मानें तो कहा जा रहा है कि महिला को प्रिंसकुमार राजन अंजनीकुमार सिन्हा की ओर से कॉल आया था कि वो अपकमिंग फिल्म के लिए सेलेक्ट हो गई हैं। शख्स की ओर से पूजा को उसका नाम रोहन मेहरा बताया गया था और कहा था कि वो एक्टर के ऑफिस से बात क रहा है। जबकि, वो उनके ऑफिस में काम ही नहीं करता था और जॉब ऑफर कर रहा था।

ठग ने मांगे 6 लाख

इतना ही नहीं, 29 साल की पूजा ने आरोप लगाया कि उनसे शख्स की ओर से कहा गया कि वो उनकी कुछ अच्छी फोटोज चाहता है, जो कि अमिताभ बच्चन के फोटोग्राफर से क्लिक कराना चाहता है। उसने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से 6 लाख की मांग की। साथ ही कहा कि फोटो क्लिक कराने के बाद उन्हें प्रोडक्शन हाउस की फिल्म में काम मिल जाएगा। जुहू पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस की ओर से कहा गया कि पूजा अपने इंप्रेसिव रील्स के लिए जानी जाती हैं।

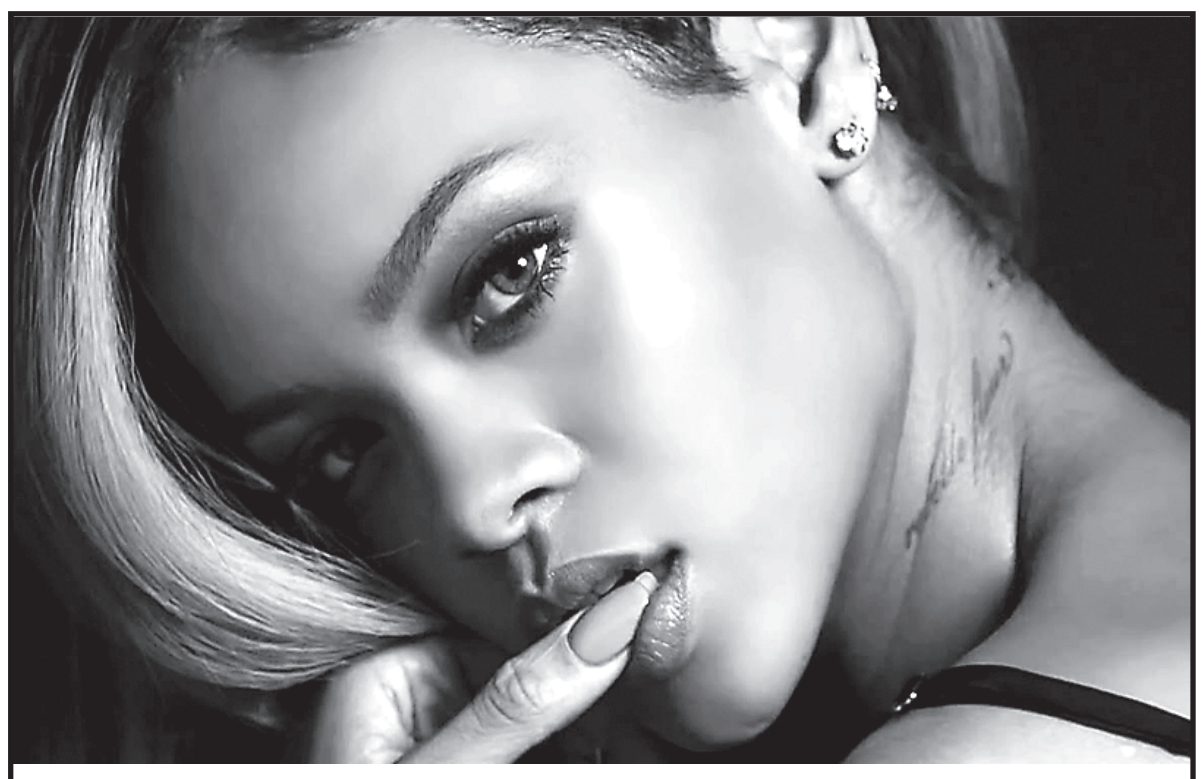

पॉप गायिका ने बेबी प्लानिंग पर कही ये बात

'भगवान जितना चाहेगें उतने बच्चे होगें"

पॉप सिंगर रिहाना ने एक पुराने साक्षात्कार में दो से ज्यादा बच्चों की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, भगवान जितना चाहेगें उतने बच्चे होगें। मालूम हो कि रिहाना दो बच्चों की मां हैं। गायिका के दो बेटे हैं।

पिछले दिनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग समारोह में अपनी प्रस्तुति को लेकर पॉप सिंगर रिहाना खूब चर्चा में रहीं। अब रिहाना का एक बयान सामने आया है, जिसके बाद से वह फिर सुर्खियों में आ गई हैं। दरअसल, रिहाना का एक पुराना वीडियो अचानक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसमें पॉप गायिका से पूछा गया है कि उनके कितने बच्चे होने चाहिए। इस पर अपने जवाब से रिहाना ने सभी को हैरान कर दिया है। एक मैगजीन को दिए साक्षात्कार में जब 36 वर्षीय पॉप सिंगर से पूछा गया कि वे कितने बच्चे चाहती हैं तो रिहाना ने जवाब दिया, जितने भगवान चाहता हो। उनके इस जवाब ने सभी को चौका दिया। आगे उनसे जब पूछा गया कि क्या वो दो से ज्यादा बच्चे चाहती हैं? तो रिहाना ने कहा, मुझे नहीं पता भगवान क्या चाहते हैं, लेकिन मैं दो से ज्यादा बच्चे चाहूंगी। मैं एक लड़की चाहती हूं।

दो बच्चों की मां हैं रिहाना

रिहाना दो बच्चों की मां हैं। पिछले साल नवंबर में पॉप सिंगर रिहाना ने दूसरे बेटे को जन्म दिया। रिहाना ने मां बनने के बाद अपने पार्टनर रॉकी के साथ अपने कनेक्शन को और गहरा होने की बात कही। हालांकि हॉलीवुड जोड़े ने अभी तक शादी नहीं की है, दोनों ही साल 2020 से एक-दूसरे के साथ रह रहे हैं।

पैरेंटिग पर रिहाना ने कही ये बात

बीते दिनों रिहाना ने एक बातचीत के दौरान पैरेटिंग को लेकर कहा था, सबसे खूबसूरत बात यह है कि बच्चे बिना किसी तर्क के अपने व्यक्तित्व और ईमानदारी के साथ दुनिया में आते हैं, जो आपको महसूस कराता है कि आपको एक निश्चित समूह में फिट होना चाहिए। बच्चों को देखना वाकई बहुत खूबसूरत है।

वो जानते हैं कि उन्हें क्या बनना है, क्योंकि वह खूबसूरत हैं और अपनी ही तरह रहना चाहते हैं। उन्हें इस तरह देखकर मुझे प्यार आता है।

जान्हवी ने शिखर से किया प्यार का इजहार

दान की स्क्रीनिंग में पहुंचीं एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने आखिरकार शिखर पहाड़िया के साथ अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। फिल्म की स्क्रीनिंग पर पहुंची जान्हवी क्रीम रंग के पैंटसूट में बेहद खूबसूरत लग रही थी। उन्होंने अपने लुक को शिखू लिखे कस्टम-मेड नेकपीस के साथ पूरा किया। एक्ट्रेस के इस नेकपीस ने सभी का ध्यान खींचा, जिससे ऐसा लगता है कि वह अपने रिलेशन को कन्फर्म कर रही हैं। स्क्रीनिंग के दौरान एक्ट्रेस को रेड कार्पेट पर अपने पिता और मैदान के निर्माता बोनी कपूर, अपने भाई अर्जुन कपूर के साथ पोज देते हुए देखा गया। मैदान एक जीवनी पर आधारित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसे अमित रविंदरनाथ शर्मा ने लिखा और निर्देशित किया है। इसमें अजय देवगन, प्रियामणि और गजराज राव हैं। फिल्म प्रतिष्ठित फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम के जीवन और यात्रा के बारे में बात करती है।

अमिताभ बच्चन की दीवानी हैं जया किशोरी

कथा वाचक जया किशोरी को कौन नहीं जानता। देशभर में उनके करोड़ों फैन हैं। सोशल मीडिया पर 11 मिलियन से ज्यादा लोग उन्हें फॉलो करते हैं, लेकिन वह सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की दीवानी हैं। जी हां! जया किशोरी ने खुद इसका खुलासा किया है। कई लोगों का मानना है कि वह एक कथा वाचक हैं तो उनका जीवन आम लोगों से अलग होगा। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है, वह एक सामान्य लड़की की तरह ही अपनी जिंदगी जीती हैं और उन्हें बाकी लोगों की तरह ही फिल्में देखना व घूमना फिरना पसंद है।

जया किशोरी को है फिल्मों का शौक

जया किशोरी को उनके इंटरव्यू में कई बार कहते देखा गया है कि उन्हें लाइफ को एन्जॉय करना पसंद है। उन्होंने एक इंटरव्यू में उनके जीवन में एंटरटेनमेंट की क्या जगह है इसके बारे में भी बताया। उनके मुताबिक मनोरंजन जीवन का अहम हिस्सा है, लोगों को फिल्मों और गेम्स में एंटरटेनमेंट ढूंढना चाहिए।

अमिताभ बच्चन हैं फेवरेट

जया ने बताया कि उन्हें अमिताभ बच्चन बहुत पसंद हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म के हिसाब से एक्टर्स में उनकी पसंद बदलती रहती है, लेकिन अमिताभ एक ऐसे हैं जो हमेशा उनके फेवरेट रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमिताभ उनके ऑल टाइम फेवरेट हैं और वह उनकी ही फिल्में देखकर बड़ी हुई हैं।

रणदीप हुड्डा का बड़ा खुलासा

फिल्म वक्त जा सकती थी मेरी की जान

हुड्डा ने एक चौंकाने वाली बात से पर्दा उठाया है। अभिनेता ने खुलासा करते हुए बताया कि इस एक फिल्म को करते वक्त उनकी जान पर बन आई थी। आइए जानते है कि रणदीप के साथ यह जानलेवा हादसा किस फिल्म के दौरान हुआ था।

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा अपने बेहतरीन अभिनय के लिए मशहूर हैं। रणदीप हुड्डा की जबर्दस्त अदाकारी से सभी वाकिफ हैं। रणदीप हुड्डा की पहली निर्देशित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर है।

फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर की कहानी स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की बायॉपिक है। जिसमें अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ उनकी लड़ाई को दर्शाया गया हैं। रणदीप हुड्डा की फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर 22 मार्च को रिलीज हुए थी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले रणदीप हुड्डा आए दिन इस फिल्म से जुड़ी कोई-न-कोई जानकारी साझा करते रहते हैं। इसी सिलसिले को जारी रखते हुए उन्होंने एक और दिलचस्प और खतरनाक बात बताई है।

रणदीप इस फिल्म के किरदार में इस कदर डूबे कि उन्होंने अपना वजन इतना कम कर लिया कि उनकी जान पर बन आई थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर कि शूटिंग करते वक्त एक समय ऐसा भी था जब वह केवल पानी और कॉफी पर ही रहने लगे थे और जबरदस्त डाइटिंग करने लगे थे। रणदीप ने बताया कि फिल्म में वजन कम करने के लिए उन्होंने इतनी ज्यादा डाइडिंग कर ली थी कि एक समय ऐसा था जब उनकी जान तक जा सकती थी।

फिल्म के लिए घटाया वजन

रणदीप की फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन इस फिल्म के लिए अभिनेता ने कड़ी मेहनत की है। एक इंटरव्यू के दौरान रणदीप ने बताया, इस फिल्म के लिए उन्होंने 32 किलो तक का वजन घटाया है।

इस वजह को उन्हें पूरे 18 महीने तक मेनटेन करके रखना पड़ा था। फिल्म की शुरुआत और अंत के लिए शुरू से ही किसी रूल को फॉलो नहीं किया जा रहा था, जिसकी वजह से रणदीप पर भावनात्मक और शारीरिक प्रभाव देखने को मिला।

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह लड़ेंगे चुनाव

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत और गोविंदा के बाद अब एक और एक्टर की राजनीति में एंट्री हो गई है। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह ने घोषणा की है कि वो आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार के काराकाट से चुनाव लड़ेंगे।

पवन सिंह इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर पहले से ही चर्चा में थे। बीजेपी ने उन्हें बंगाल के आसनसोल से टिकट दिया था, लेकिन टिकट ऐलान के बाद ही पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर दी थी। हालांकि बीजेपी का टिकट ठुकराने के बाद उन्होंने बाद में ट्वीट कर कहा था कि वह चुनाव लड़ेंगे, लेकिन यह साफ नहीं किया था कि वह किस सीट से चुनाव लड़ेंगे। अब उन्होंने घोषणा की है कि वह पश्चिम बंगाल के आसनसोल से नहीं बल्कि बिहार के काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

आलिया ने भंसाली की हीरामंडी को बताया जादू

आलिया भट्ट अपनी अदाकारी के दम पर कई सालों से सिनेमा जगत में बेमिसाल काम कर रही हैं।

अभिनेत्री की खूबसूरती उनका अनोखा अंदाज और उनकी लाजवाब अदाकारी उन्हें सभी अभिनेत्रियों के बीच में सबसे अलग बनाती है। अब हाल ही में, आलिया ने संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी के ट्रेलर की खूब प्रशंसा की है और इसे उम्दा बताया है।

अभिनेत्री ने क्या कहा है। संजय लीला भंसाली की 2022 की ब्लॉकबस्टर गंगूबाई काठियावाड़ी में वास्तविक जीवन की सेक्स वर्कर की भूमिका के लिए आलिया भट्ट को काफी प्रशंसा मिली थी। अब आलिया ने फिल्म निर्माता भंसाली की पहली वेब सीरीज हीरामंडी के ट्रेलर को साझा किया और उसकी सराहना की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, उफ्फ!! बस जादू!!। न केवल आलिया, बल्कि उनकी फिल्म राजी के सह-कलाकार विक्की कौशल ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ट्रेलर साझा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कितना आश्चर्यजनक है!

दिलचस्प बात यह है कि आलिया अपने पति रणबीर कपूर और विक्की के साथ भंसाली की अगली फीचर फिल्म लव एंड वॉर के लिए साथ काम कर रहे हैं।

यह फिल्म अगले साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी बज बना हुआ है और सभी यह देखने को उत्साहित हैं कि भंसाली इस तिकड़ी के साथ स्क्रीन पर क्या नया धमाल करने वाले हैं।

- साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

संजू सैमसन पर 12 लाख जुर्माना

- गुजरात के खिलाफ ओवररेट धीमा था, फील्डिंग प्रतिबंध भी लगा, पंत पर 2 बार लग चुका फाइन

नईदिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जयपुर में बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते संजू पर जुर्माना लगा। इंडियन प्रीमियर लीग ने यह जानकारी बुधवार को दी। 17वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स को बुधवार को इस सीजन की पहली हार मिली। टॉस हार कर पहले बैटिंग करने उतरी राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 196 रन बनाए। 197 रन का टारगेट गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर हासिल कर लिया।

20वें ओवर में जीता गुजरात, इस ओवर में सिर्फ 4 प्लेयर बाउंड्री पर थे

गुजरात को जीत के लिए 20वें ओवर जीत के लिए 15 रन चाहिए थे। राजस्थान की टीम तय वक्त पर ओवर करने से 5 मिनट पिछड़ गई। इसके चलते आखिरी ओवर में संजू 5 की जगह सिर्फ 4 प्लेयर बाउंड्री पर भेज पाए।राशिद खान ने 3 चौके लगाकर टीम को जीत दिला दी। ऑफिशियल्स ने कहा कि इस सीजन टीम राजस्थान की यह पहली गलती थी, इसलिए कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार सबसे न्यूनतम दंड दिया गया है। कप्तान शुभमन गिल और कप्तान संजू सैमसन की यह फोटो बुधवार के मैच की है। इस मैच में ही सैमसन पर जुर्माना लगा है।

डोपिंग अपराध के लिए तीन भारतीय एथलीटों पर चला नाडा का डंडा

- किए गए निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा राष्ट्रीय खेलों के रजत पदक विजेता स्टीपलचेज खिलाड़ी मोहम्मद नूर हसन के साथ भारत के विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के प्रतिभागी हेमराज गुर्जर और अंजलि कुमारी को प्रतिबंधित पदार्थों की जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। गोवा राष्ट्रीय खेलों के रजत पदक विजेता स्टीपलचेज खिलाड़ी मोहम्मद नूर हसन के साथ भारत के विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के प्रतिभागी हेमराज गुर्जर और अंजलि कुमारी को प्रतिबंधित पदार्थों की जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। भारतीय एथलेटिक्स में डोपिंग के नवीनतम मामलों में राष्ट्रीय डोपिंग विरोधी एजेंसी पैनल द्वारा धावक जी लक्ष्मणन और धाविका हिमानी चंदेल पर भी क्रमशः दो और चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

हसन ने पिछले साल फेडरेशन कप और नेशनल ओपन चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण पदक जीता था। गुर्जर ने जनवरी में गया में राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप जीती थी लेकिन मार्च में बेलग्रेड में विश्व क्रॉस कंट्री में वह 88वें स्थान पर रहे थे। अंजलि कुमारी जनवरी में नेशनल क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रही थीं । इस प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन वैश्विक प्रतियोगिता के लिए हुआ था जिसमें वह 80वें स्थान पर रहीं। इन तीनों को नाडा द्वारा अस्थाई निलंबन सौंपे गए लोगों की नवीनतम सूची में शामिल किया गया है।

इस बीच यह भी पता चला है कि 2017 एशियाई चैंपियनशिप में 5000 मीटर और 10,000 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाले लक्ष्मणन पर पिछले साल 10 अगस्त से दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उनका नाम उन लोगों में शामिल था जिन पर या तो डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल या नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल द्वारा प्रतिबंध लगाए गए थे। शीर्ष धाविका हिमानी चंदेल पर भी पिछले साल 15 जून से चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

मैक्स से मिल सकती है कड़ी चुनौती

18 जून को पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। पावो नूरमी खेलों का नाम फिनलैंड के मध्य और लंबी दूरी के धावक के नाम पर रखा गया है। यह विश्व एथलेटिक्स की 'कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज' स्तर की प्रतियोगिता है। यह डायमंड लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है। दिग्गज भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 18 जून को फिनलैंड के तुर्कू में होने जा रहे पावो नूरमी खेलों में खेलते नजर आएंगे।

इसमें उन्हें जर्मनी के 19 वर्षीय मैक्स डेह्लिंग से कड़ी चुनौती मिल सकती है। इसकी जानकारी पावो नूरमी खेलों के आयोजकों ने दी। 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। उन्होंने 2023 में चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है। वहीं, डेह्लिंग हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

डायमंड लीग मीट से सत्र की शुरुआत करेंगे चोपड़ा

चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। पावो नूरमी खेलों का नाम फिनलैंड के मध्य और लंबी दूरी के धावक के नाम पर रखा गया है। यह विश्व एथलेटिक्स की 'कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज' स्तर की प्रतियोगिता है। यह डायमंड लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है।

टूर्नामेंट के आधिकारिक वेबसाइट पर खिलाड़ियों से करार के लिए जिम्मेदार आर्टटू सलोनेन ने कहा,÷भाला फेंक ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा जून में तुर्कू लौटेंगे। चोपड़ा एक साल के ब्रेक के बाद पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे जहां उनका सामना बेहतरीन प्रतियोगियों के समूह से होगा। प्रतियोगिता 18 जून को तुर्कू में होगी।

जूलियन वेबर और मैक्स डेह्लिंग से भी किया गया अनुबंध

उन्होंने बताया कि चोपड़ा के अलावा जर्मनी के दिग्गज जूलियन वेबर और मैक्स डेह्लिंग के साथ भी अनुबंध किया गया है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक से पहले तुर्कू में गर्मियों की सबसे कठिन भाला फेंक प्रतियोगिता को आयोजित करना है। इसके लिए दूसरे खिलाड़ियों के साथ बातचीत जारी है। हम चाहते हैं कि शीर्ष घरेलू नाम तुर्कू में प्रतिस्पर्धा करें जिसका नेतृत्व ओलिवर हेलैंडर (जिन्होंने 2022 सत्र में 89.83 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था) करेंगे।

हार्दिक-क्रूणाल के साथ करोड़ों का धोखा पंड्या ब्रदर्स ने सौतेले भाई को कराया गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। क्रिकेटर हार्दिक पंड्या के सौतेले भाई को बुधवार को क्रिकेटर और उनके भाई के साथ कथित तौर पर धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मुंबई पुलिस के आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों के बयान के अनुसार, सौतेले भाई वैभव पंड्या (37) ने कथित तौर पर मुंबई स्थित साझेदारी फर्म से लगभग 4.3 करोड़ रुपये का हेरफेर किया, जिससे क्रिकेटर और उनके भाई क्रुणाल को नुकसान हुआ।

वैभव पर धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाया गया है। दरअसल, 2021 में तीनों ने संयुक्त रूप से एक पॉलीमर बिजनस शुरू किया था। साझेदारी की शर्तें यह थीं कि क्रिकेटर और उनके भाई प्रत्येक 40% पूंजी लगाएंगे, जबकि सौतेला भाई 20 प्रतिशत फंड लगाएगा और फर्म को चलाने की पूरी जिम्मेदारी संभालेगा। बिजनस से मिला फायदे भी उसी अनुपात में वितरित किए जाने थे। हालांकि, सौतेले भाई ने टर्म्स का उल्लंघन करते हुए क्रिकेटर और उनके भाई को सूचित किए बिना उसी बिजनस का एक और फर्म खोल दिया। एक सूत्र ने कहा- इससे मुख्य कंपनी को 3 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। उन्होंने कहा कि सौतेले भाई ने गुप्त रूप से अपने लाभ को 20% से बढ़ाकर 33.3% कर दिया, जिससे क्रिकेटर और उनके भाई को नुकसान हुआ। सौतेले भाई ने कथित तौर पर साझेदारी फर्म के खाते से लाखों रुपये अपने खाते में डायवर्ट किए, जिसमें 1 करोड़ रुपये लिए गए। इस बारे में जब पंड्या ब्रदर्स ने भाई से बात करनी चाही तो उन्होंने उन्हें धमकाया। इस बारे में क्रुणाल पंड्या और हार्दिक पंड्या ने वैभव के खिलाफ एक्शन लेने का फैसला किया।

बात दें कि हार्दिक पंड्या आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं, जबकि क्रुणाल पंड्या केएल राहुल की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में शामिल हैं। इससे पहले दोनों लंबे समय तक अंबानी फैमिली की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस में एक साथ खेल चुके हैं।

यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल...पहला लेग

बार्सिलोना ने पीएसजी को हराया

नईदिल्ली, एजेंसी। क्वार्टरफाइनल के तीसरे मुकाबले में बार्सिलोना ने पीएसजी को 3-2 से हराया। एफसी बार्सिलोना की ओर से विंगर राफिन्हा ने 2 गोल दागे। वहीं, तीसरा गोल डिफेंडर आंद्रेस क्रिश्चनसन ने किया। पीएसजी की ओर से ओसमान डेम्बेले और विटिन्हा ने गोल किए। बुधवार देर रात क्वार्टरफाइनल के दो मुकाबले खेले गए। एक मुकाबला स्पैनिश क्लब बार्सिलोना और फ्रैंच क्लब पीएसजी के बीच पेरिस में हुआ। वहीं, दूसरा मुकाबला मैड्रिड में स्पैनिश क्लब एथलेटिको मैड्रिड और जर्मन क्लब बोरुसिया डॉर्टमुंड के बीच खेला गया। दिन के दूसरे मुकाबले में एथलेटिको मैड्रिड ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया।

इससे पहले मंगलवार को रियल मैड्रिड में मैनचेस्टर सिटी और रियल मैड्रिड के बीच खेला गया पहला मुकाबला और लंदन में इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल और जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख के बीच खेला गया दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। दूसरे लेग के मुकाबले अगले हफ्ते खेले जाएंगे।

पहले हाफ में बार्सिलोना ने बनाई लीड, दूसरे हाफ में पीएसजी के सितारे चमके

बार्सिलोना ने मैच की शुरुआत शानदार की। टीम ने लगातार गोल करने के चांस बनाए। वहीं, दूसरी ओर पीएसजी ने भी लगातार प्रयास किए। हालांकि, पहले हाफ में बार्सिलोना ने बढ़त हासिल कर ली ब्राजीलियन फुटबॉलर और टीम के विंगर राफिन्हा ने 37वें मिनट में गोल दाग दिया। पहले हाफ में बार्सिलोना ने 1-0 से बढ़त बना ली।

दूसरे हाफ में पेरिस ने अपनी स्ट्रैटजी में बदलाव किया और अटैकिंग शुरुआत की। 48वें मिनट में ओसमान डेम्बेले ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके तीन मिनट बाद ही 50वें मिनट में विटिन्हा ने गोल स्कोर कर 2-1 से बढ़त ले ली।

वर्ल्ड कप 2024

खराब फॉर्म यशस्वी जायसवाल के लिए खड़ी करेगा मुसीबत!

नईदिल्ली, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल का फॉर्म में आना भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है, क्योंकि इस युवा बल्लेबाज के पास वो विस्फोटक क्षमता है, जो उन्हें रोहित शर्मा के साथ एक बतौर सलामी बल्लेबाजी में चाहिए. बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के 5 पारियों के स्कोर कुछ ऐसे हैं- 24, 5, 10, 0, 24. यानी 5 पारियों में सिर्फ 63 रन. टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का सेलेक्शन जल्द होने वाला है. इस सेलेक्शन में आईपीएल 2024 में खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अहम होगा. इस बीच आईपीएल 2024 के मैच नंबर 24 में राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस की टक्कर हुई. फैंस को उम्मीद थी कि खराब फॉर्म से जूझ रहे यशस्वी जायसवाल का बल्ला इस मुकाबले में चलेगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं. गुजरात टाइटंस के खिलाफ यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए. यशस्वी जायसवाल को उमेश यादव ने विकेटकीपर मैथ्यू वेड के हाथों कैच कराया.

अभी तक ये सीजन यशस्वी जायसवाल के लिए बेहद खराब रहा है. यशस्वी जायसवाल ने अपने पहले पांच मुकाबलों में केवल 63 रन बनाए हैं, जिसमें 24 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है.

सुनील गावस्कर ने राशिद खान की तुलना बेन स्टोक्स से की, कहा-

कुछ ही खिलाड़ी हैं जो फील्ड में सब कुछ झोंक देते हैं

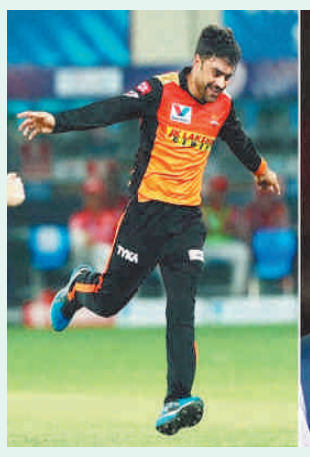

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के उपकप्तान राशिद खान के प्रदर्शन की तारीफ की है। गावस्कर ने राशिद की तुलना इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स से की है। राशिद खान ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस को आखिरी गेंद पर जीत दिलाई।

राशिद खान ने पहले गेंद से कमाल दिखाया और फिर बल्ले से उन्होंने टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस की ये तीसरी जीत है, जबकि टीम ने तीन मुकाबले गंवाए भी हैं। राशिद खान ने गेंदबाजी के दौरान जोस बटलर को आउट किया और 11 गेंद में 24 रन की दमदार पारी खेली। गावस्कर ने राशिद की न केवल महत्वपूर्ण विकेट लेने की उनकी क्षमता के लिए बल्कि उस समय बल्ले से उनके योगदान के लिए भी प्रशंसा की जब उनकी टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। सुनील गावस्कर ने कहा, शिद हमेशा की तरह विकेट लेता है और जब बल्ले से जरूरत होती है तो वह अपना काम करता है।

यही कारण है कि दुनिया भर में मौजूद फ्रेंचाइजी उसे खरीदना चाहती हैं। वे उसे चाहते हैं क्योंकि वे उसकी प्रतिबद्धता, बल्लेबाजी, गेंदबाजी, क्षेत्ररक्षण देखते हैं। देखिए जिस तरह से वह क्षेत्ररक्षण करते समय अपना सब कुछ झोंक देते हैं। गेंदबाज फील्डिंग के दौरान डाइव लगाने से दूर भागते है लेकिन राशिद के साथ ऐसा नहीं है। राशिद टीम को सौ प्रतिशत देना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, एक क्रिकेटर और है जो आईपीएल में नहीं खेल रहा है। कुछ ऐसा ही बेन स्टोक्स है। जब भी आप बेन स्टोक्स को देखो, बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग, वह सौ प्रतिशत देता है। वह सब कुछ देता है और आप जानते हैं, ये ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्हें कोच चाहते हैं, कप्तान चाहते हैं। हो सकता है कि वे हमेशा रिजल्ट न दें। लेकिन आप जानते हैं कि प्रयास का प्रतिशत कभी भी 100त्न से कम नहीं होगा।

शुभमन गिल आईपीएल में बनाया ये बिग रिकॉर्ड

विराट कोहली को पछाड़कर आगे निकले

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल ने 10 अप्रैल को आईपीएल इतिहास में एक नया मुकाम हासिल किया. वह आईपीएल में 3000 रन तक पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए. इस तरह इंडियन प्रीमियर लीग की रिकॉर्ड बुक में शुभमन गिल ने अपने नाम की एंट्री करवा ली.

वहीं इस रोमांचकारी मुकाबले में में गुजरात टाइटन्स ने गजब अंदाज में आखिरी गेंद पर 3 विकेट से जीत दर्ज की. इस मैच में पहले खेलते हुए राजस्थान ने 196/3 का स्कोर खड़ा किया था.

बहरहाल, इस मैच में शुभमन गिल ने 24 साल और 215 दिन की उम्र में 3000 आईपीएल रन बनाने की बड़ी उपलब्धि हासिल की. उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज विराट कोहली के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 26 साल और 186 दिन में यह कारनामा कर दिखाया था. 3000 रन कम उम्र में में पूरा करने के मामले में संजू सैमसन (26 वर्ष और 320 दिन) तीसरे स्थान पर हैं, उनके बाद सुरेश रैना (27 वर्ष और 161 दिन) और रोहित शर्मा (27 वर्ष और 343 दिन) का नंबर है.

वहीं राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलते हुए गिल ने 4000 टी20 रन भी पूरे किए. महज 24 साल की उम्र में गिल ने यह उपलब्धि हासिल कर यह जता दिया है कि क्यों उनको भारतीय क्रिकेट का सबसे शानदार प्रतिभाशाली खिलाड़ी क्यों कहा जाता है? गिल ने आईपीएल में 3000 रन बनाने के लिए 94 पारियां खेली हैं.

वह आईपीएल के इतिहास में सबसे कम पारियों में 3000 रन बनाने वाले संयुक्त रूप से चौथे सबसे तेज खिलाड़ी हैं. वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल 75 पारियों में इसे हासिल करके टॉप पर काबिज हैं, उनके बाद केएल राहुल (80) और जोस बटलर (85) का नंबर है.

सबसे कम उम्र में 3000 आईपीएल रन

- 24 साल 215 - शुभमन गिल
- 26 साल 186 दिन - विराट कोहली
- 26 साल 320 दिन - संजू सैमसन
- 27 साल 161 दिन - सुरेश रैना
- 27 साल 343 दिन - रोहित शर्मा

संक्षिप्त समाचार

सैनिक स्कूलों के निजीकरण की खबर पर खरगे ने जताई आपत्ति, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखी चिट्ठी

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर सैनिक स्कूलों के निजीकरण का आरोप लगाया। खरगे ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में बताया है कि सैनिक स्कूलों को निजी हाथों में देने से जुडी यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जरिए सामने आयी है। खरगे ने कहा कि जो जानकारी सामने आयी है, उसके तहत सरकार ने अब तक ऐसे 40 सैनिक स्कूलों को खोलने को लेकर निजी लोगों के साथ व संस्थाओं के साथ एमओयू किया है। खरगे ने कहा कि इनमें से 62 फीसद से अधिक एमओयू बीजेपी और आरएसएस से जुड़े लोगों के साथ किए गए है। इनमें मुख्य मंत्रियों के परिवार, कई विधायक, भाजपा व आरएसएस पदाधिकारी शामिल है। उन्होंने सरकार के इस कदम को सैन्य बलों के भीतर एक विचारधारा को थोपने की कोशिश बताया है। साथ ही कहा है कि सैन्य बलों को किसी राजनीतिक सोच या विचारधारा से दूर रखने की जरूरत है। ऐसे में राष्ट्रहित को देखते हुए कांग्रेस पार्टी इस पहल को तुरंत वापस लेने की मांग करती है।

हैदराबाद में ऑनलाइन आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने सट्टेबाजों से 40 लाख किए बरामद

हैदराबाद। हर साल आईपीएल का गेम होता है और हर साल इस गेम के बढ़ते रोमांच के बीच ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के आरोप कई लोग आते हैं। इस बार भी आईपीएल शुरू हो चुका है और उसके साथ सट्टेबाजी भी। हैदराबाद की साइबराबाद पुलिस ने चार सट्टेबाजों की गिरफ्तारी के साथ एक ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि हैदराबाद के मियापुर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत मातृश्री नगर के एक अपार्टमेंट आईपीएल 2024 में सट्टा लगाने का खेल चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने छापा मारकर गिरोह को पकड़ लिया।साइबराबाद पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों के कब्जे से 40 लाख भी जब्त किए, इसके अलावा 3.57 लाख के पांच बैंक खाते भी फ्रीज कर दिए। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आलुरु त्रिनाद, मनम राजेश, बोले स्वामी और मार्पेन्रा गणपति राव के रूप में की गई है। यह सभी आरोपी मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैचों पर क्रिकेट लाइव गुरु और लकी ऑनलाइन ऐप के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन किया था।

केरल में ट्रेन की चपेट में आने से 2 की मौत, पुलिस कर रही मामले की जांच

कोट्टायम। केरल के वेल्लोर से एक दर्दनाक खबर सामने आ रही है। बुधवार सुबह यहां वेल्लोर के पास ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोट्टायम रेलवे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब चार बजे हुई। रेलवे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि वे त्रिवेन्द्रम-मैंगलोर ट्रेन की चपेट में आ गये। दोनों व्यक्तियों की उम्र 19 और 21 साल थी। उनके शव फिलहाल कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं और उनके संबंधित परिवारों द्वारा पहचान की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना कैसे हुई इसको लेकर आगे की जांच के बाद ही मिल पाएगा।

तमिलनाडु के तिरुमंगलम में कार और दोपहिया वाहन की हुई भीषण टक्कर

मदुरै (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के तिरुमंगलम से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आज सुबह तिरुमंगलम के पास शिवराकोट्टई में विरुधुनगर और मदुरै राजमार्ग पर एक कार और दोपहिया वाहन की टक्कर में पांच लोगों की कथित तौर पर मौत हो गई। यह पूरा हादसा सीसीटीवी में कैद हो गया। मदुरै जिले के पुलिस अधीक्षक अरविंद ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना तब हुई जब विरुधुनगर-मदुरै राजमार्ग पर तिरुमंगलम के पास शिवराकोट्टई में एक तेज रफ्तार एसयूवी एक मोपेड से टकरा गई।

यूपी-बिहार में बदले मौसम के तेवर

दिल्ली में बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में पारा एक बार फिर चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आज और कल यानी शुक्रवार को तापमान में और इजाफा हो सकता है और गर्मी से लोगों को परेशानी उठानी पड़ सकती है।

वहीं, यूपी, बिहार, हरियाणा और पंजाब में गर्मी में राहत मिलने के आसार हैं। हालांकि, दो दिन से लोगों को हवा में गर्माहट महसूस होने लगी है। दिल्ली में दो दिनों से तापमान में इजाफा देखने को मिल रहा है। अब हवा में भी गर्माहट देखने को मिल रही है। बुधवार को दिल्ली के नरेला में तापमान 41.2 डिग्री आंका गया। मौसम विभाग की मानें तो दो दिनों तक यही हाल रहने वाला है और गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

मौसम विभाग की मानें तो 13 अप्रैल को आंधी के साथ दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। वहीं, 14 और 15 अप्रैल

को भी हल्की बारिश और आंधी की संभावना है। इसके चलते तापमान में 5 डिग्री की कमी देखने को मिल सकती है।

दिल्ली में इन दिनों सुबह से ही तेज धूप निकल रही है। इसके चलते दिन के समय लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि, आसमान साफ होने और ठंडी हवा के चलते न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रह रहा है। मानक वेधशाला सफदरजंग के मुताबिक, दिल्ली में बुधवार का दिन सीजन के सबसे गर्म दिन के रूप में रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में बुधवार को अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक है जबकि, यहां पर न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से तीन डिग्री कम है।

दिल्ली में आर्द्रता का स्तर 55 से 26 फीसदी दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के बीच अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक ही रहने का अनुमान है। इस दौरान लोगों को तेज धूप का सामना करना पड़ेगा। हालांकि शनिवार की शाम के बाद दिल्ली के मौसम पर एक पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिलेगा। इसके चलते तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। रविवार और सोमवार को भी हल्की बूंदाबांदी और तेज हवा का मौसम बना रहने का आसार हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली एनसीआर में 13 से 15 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। दिल्ली में 13 अप्रैल को 25 से 35 किलोमीटर की रफ्तार वाली हवाओं और गरज चमक के साथ हल्की बारिश देखी जा सकती है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो दिल्ली में 14 अप्रैल को मौसमी गतिविधियां अपने चरम पर होंगी। इस दौरान दिल्ली में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई। साथ ही गरज चमक के साथ बारिश भी होगी। दिल्ली में 15 अप्रैल को भी आंधी बारिश वाला मौसम रहेगा।

यूपी और बिहार के कई जिलों में तापमान में गिरावट देखने को मिली है। यूपी के कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, बिहार के 7 जिलों में मौसम विभाग द्वारा बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के कुछ इलाकों में दो दिनों तक हल्की बारिश के आसार हैं। औरंगाबाद, रोहतास, गया, नवादा, जमुई, बांका समेत कई इलाकों में गर्जन के साथ बारिश को अलर्ट जारी किया गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले पूर्वोत्तर राज्यों में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा और कड़ी

अगरतला, एजेंसी। भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों के बाद 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव के दौरान गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए आठ पूर्वोत्तर राज्यों में 5,437 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह बात कही। सेना, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), असम राइफल्स और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी अक्सर पूर्वोत्तर में सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर रहे हैं, कई बैठकें कर रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर तैनात अपने सैनिकों को जागरूक कर रहे हैं। 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से बाड़बंदी नहीं की गई है। ईसीआई द्वारा नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी और समीक्षा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे गांवों और संकटग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि म्यांमार, बांग्लादेश, चीन, भूटान और नेपाल के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर भी विशेष उपाय किए जा रहे हैं। पूर्वी कमान के बीएसएफ एडीजी रवि गांधी अब मिजोरम और असम के सीमावर्ती इलाकों के तीन दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उन्हें परिचालन स्थिति के बारे में जानकारी दी गई।

बीएसएफ एडीजी ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ असम के करीमगंज और कछार जिलों में भारत-बांग्लादेश सीमाओं का भी दौरा किया और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान बीएसएफ के कमांडरों और सैनिकों और सुतारकांडी में एकीकृत मुख्य चौकियों (आईसीपी) के अधिकारियों से भी बातचीत की।

पिछले महीने अधिकारी ने त्रिपुरा से लगे भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया।

अन्नामलाई को जोकर कहने पर गरमाई तमिलनाडु की राजनीति, भाजपा नेता ने किया पलटवार

चेन्नई।
तमिलनाडु में आगामी 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों में जुबानी जंग तेज हो गई है और भाषा की शालीनता खत्म हो रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन द्वारा कहने पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने बुधवार को पलटवार किया।

कोयंबटूर से भाजपा उम्मीदवार अन्नामलाई ने कहा कि परिवार के उपनाम के बिना दयानिधि मारन की कोई हैसियत नहीं है। विगत दिनों एक पत्रिका को दिए साक्षात्कार में द्रमुक नेता दयानिधि मारन ने अन्नामलाई को और अच्छा कहा था।

परिवार के उपनाम के बिना उन्हें कहीं नौकरी भी नहीं मिलेगी

भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने द्रमुक नेता मारन पर हमला करते हुए कहा कि परिवार के उपनाम के बिना उन्हें कहीं नौकरी भी नहीं मिलेगी। वह केवल अपने परिवार के दम पर राजनीति में हैं। उन्होंने द्रमुक पर भी निशाना साधा और कहा कि यह देश की सबसे गंदी पार्टी है और इसकी स्थापना की गंदी भाषा पर ही हुई है। यदि आप द्रमुक के इतिहास को देखें तो इस पार्टी ने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया और नए कार्यकर्ता के प्रति असहिष्णुता दिखाई। वे राजनीतिक शब्दावली में अभद्र भाषा लेकर आए। उन्होंने खुद को करार देते हुए कहा कि वह द्रमुक के दुर्व्यवहार को सम्मान बैज के रूप में सजाएंगे। इधर, द्रमुक नेता दयानिधि मारन ने बुधवार को कहा कि वह अन्नामलाई के प्रति की गई अपनी टिप्पणी पर कायम हैं।

अपमान करने वालों को जनता सिखाएगी सबक

पीएम मोदीप्रधानमंत्री मोदी ने भी भाजपा नेता पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ सत्तारूढ़ द्रमुक पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि द्रमुक नेता की टिप्पणियां पार्टी का असली चरित्र दिखाती है। पीएम ने दावा किया कि अपमान करने वालों को प्रदेश की जनता सबक सिखाएगी। कोयंबटूर के मेट्टुपालयम में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार की राजनीति करने वाले युवाओं को आगे बढ़ने से रोकते हैं। क्षेत्रीय अखंडता से समझौता करनेपर कांग्रेस को अपराध बोध नहीं कच्चातिवु मुद्दे पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई ने क्षेत्रीय अखंडता से समझौता करने और हमारे तमिल मछुआरों का जीवन खतरे में डालने का कांग्रेस को कोई अपराधबोध नहीं है। अभी हाल ही में दिल्ली में मध्य प्रदेश को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा था कि क्या वहां कोई रहता है ये बिल्कुल बकवास है और पीएम मोदी बेबुनियाद बातें करते हैं।

छत्तीसगढ़ी एक्टर की सड़क हादसे में मौत

बिलाईगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़ी हुई एक बड़ी खबर सामने आ रही है बताया जा रहा है कि एक भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ी कलाकार सूरज मेहर की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि बिलाईगढ़ के पास स्कॉर्पियो और पिकअप में जोरदार टक्कर हुई है। जिसमें छत्तीसगढ़ी एक्टर सवार था, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई है। बतादे की छत्तीसगढ़ी कलाकार सूरज मेहर फिल्मों में विलेन का रोल अदा करता था। बताया जा रहा है कि आज उनकी ओड़ीशा में सगाई थी और सगाई से पहले ही उनकी मौत हो गई है।

खबरें हैं कि हादसे के दौरान सूरज मेहर गाड़ी में सामने वाली सीट पर बैठे हुए थे। इस वक्त दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर इतनी जोरदार हुई कि सूरज की मौके पर ही मौत हो गई। वही इस हादसे के बाद सरसीवा की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्कॉर्पियो में फंसे लोगों को निकाल कर अस्पताल भेज दिया है। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिल्ली मेट्रो ट्रेन में होली खेलने वाली दोनों लड़कियां गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस ने होली के त्योहार से पहले मेट्रो ट्रेन में होली खेलने और रील बनाने वाली दोनों लड़कियों को विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया। हालांकि उन्हें कुछ ही देर में थाने से ही जमानत भी मिल गई। पुलिस ने बताया कि दोनों लड़कियों के खिलाफ 8 अप्रैल को नेताजी सुभाष प्लेस मेट्रो पुलिस स्टेशन में ढ्ढक्कष्ट की धारा 294 (अश्लील हरकतें और गाने) और मेट्रो रेलवे (संचालन और रखरखाव) अधिनियम की धारा 59 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अश्लील और बेहूदा वीडियो बनाकर वायरल किया

इस बारे में पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा ने बताया- दिल्ली मेट्रो ट्रेन में अश्लीलता फैलाने और गैरकानूनी गतिविधियों के

सम्बन्ध में एक मेट्रो अधिकारी से शिकायत मिली थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि दो लड़कियों ने ट्रेन में अश्लील और बेहूदा वीडियो बनाते हुए उसे रिकॉर्ड किया और फिर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मल्होत्रा के मुताबिक, जांच के दौरान नोएडा पुलिस ने उस वीडियो को बनाने वाली उन दोनों लड़कियों का पता लगाकर उनसे सम्पर्क किया। जिसके बाद ग्रेटर नोएडा में रहने वाली इन लड़कियों ने 21 मार्च को चलती ट्रेन में रील बनाने की बात मान ली। बाद में कुछ शर्तों के साथ दोनों को पुलिस स्टेशन से ही जमानत भी मिल गई। जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़कियों के खिलाफ यह कार्रवाई तब हुई जब दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने पुलिस को एक पत्र लिखकर उस वायरल वीडियो की गहन जांच करने का अनुरोध किया था। उस वीडियो में दो लड़कियां ट्रेन के अंदर एक-दूसरे पर रंग लगातीं दिखाई दी थीं। इससे पहले, दोनों लड़कियों को नोएडा में चलती स्कूटी पर रंग लगाते और अंतरंग हाव-भाव करते देखा गया था। एक अन्य वीडियो में होली के दौरान स्टंट करते वक्त एक महिला स्कूटी से गिर गई। जिसेक बाद नोएडा पुलिस ने दोनों वीडियो का संज्ञान लिया और तीनों महिलाओं को अश्लीलता और सार्वजनिक स्थान पर उपद्रव करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

असम राइफल्स का संयुक्त अभियान, बड़ी मात्रा में हथियार के साथ लाखों रुपए किए बरामद

असम। असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में एक संदिग्ध को 13,11,130 रुपये नकद, एक कार्बाइन मशीन गन, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड, एक शॉटगन और गोला-बारूद के साथ पकड़ा। पकड़े गए व्यक्ति को बरामदगी के साथ आगे की जांच के लिए उखरूल पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। असम राइफल्स की तरफ से इसकी जानकारी दी गई। असम राइफल्स ने अपने बयान में कहा कि पकड़े गए व्यक्ति को बरामदगी के साथ उखरुल पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले, सुरक्षा बलों ने मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में भारी हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था। अधिकारियों के मुताबिक, मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के साथ मिलकर रविवार को एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया और एक भूमिगत ठिकाने से एक 7.65 मिमी पिस्तौल, 10 ग्रेनेड, एक केनवुड रेडियो सेट और एक मेडिकल किट बरामद की।

मतदान केंद्र पर मतदाताओं को वोट डालने की अनुमति देने से पहले उनकाब्रेथलाइजर परीक्षण किए जाने की मांग वाली याचिका खारिज

नईदिल्ली, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के दौरान प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं को वोट डालने की अनुमति देने से पहले उनका, रक्त में शराब (अल्कोहल) की मात्रा मापने वाला ब्रेथलाइजर परीक्षण किए जाने की मांग कर रही याचिका बुधवार को खारिज कर दी।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका खारिज करने के आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया और कहा कि यह प्रचार हित की याचिका अधिक है। जनवाहिनी पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई की ओर से पेश वकील ने कहा कि चूंकि आदर्श आचार संहिता लागू है, इसलिए किसी भी मतदाता को शराब के नशे में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। पीठ ने कहा, यह क्या है? यह प्रचार के लिए है। मतदान के दिन मद्य निषेध दिवस (ड्राई डे) होता है और हर जगह पुलिसकर्मी तैनात होते हैं। हम इस पर विचार नहीं करेंगे और याचिका खारिज की जाती है। जनवाहिनी पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई ने शुरू में हाई कोर्ट का रुख किया, जिसने 28 फरवरी को याचिका खारिज कर दी थी।

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता किसी भी ऐसे विशिष्ट कानूनी प्रविधान पर अपना ध्यान आकर्षित

करने में विफल रहा है जो भारत के चुनाव आयोग के लिए यह सुनिश्चित करना अनिवार्य बना दे कि मतदान की अनुमति मिलने के बाद मतदान केंद्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का रक्त में अल्कोहल की मात्रा मापने वाला ब्रेथलाइजर परीक्षण हो। जनवाहिनी पार्टी ने छह जनवरी के अपने प्रतिवेदन पर चुनाव आयोग की कथित निष्क्रियता को चुनौती दी। प्रतिवेदन में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश बिंदु पर एक ब्रेथलाइजर परीक्षण की व्यवस्था करने और केवल उन्हीं मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति देने की मांग की गई है, जो शराब के नशे में ना हों।

बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल के लिए 'राम' की छवि चुनौती, समझें मेरठ का समीकरण

मेरठ, एजेंसी।
राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी। मेरठ के चुनावी रण में यह गीत तो खूब बज रहा है, लेकिन पर्दे के राम यानी भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल अपनी छवि के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। आशाओं के रथ पर सवार भाजपा प्रत्याशी के सामने एक तरफ ग्लैमर की परंपरागत परेशानियां हैं तो दूसरी ओर नेता जैसे गुणों का अभाव। चुनाव मैदान में वह अपने को 'अराजनीतिक' बता रहे हैं और यही उत्तर भाजपा को परेशानियों में डाल रहा है। माहौल 'राममय' है लेकिन राजनीतिक विभीषण भी सक्रिय हैं। जन्मजात मेरठी होने के बावजूद अभिनेता से नेता बने अरुण गोविल का स्थानीय जुड़ाव नहीं बन पा रहा। उनके लिए उनकी 'राम' की छवि ही चुनौती बनी हुई है।

मेरठ के साकेत में स्वागत की लंबी श्रृंखला के बाद संचालक घोषणा करता है... अब 'रामजी' अरुण गोविल आपको 'दर्शन' देंगे और

हमको 'आशीर्वाद' प्रदान करेंगे। रामनामी पटका पहने कार्यकर्ताओं की नारेबाजी के बीच केसरिया वस्त्रत्धारी गोविल रामायण फेम मुस्कराहट के साथ यह विशेषण स्वीकार करते हैं। नेता बनना मुश्किल है या अभिनेता? इसका दृश्य भी स्वागत समारोह में देखने को मिला। वह 'आशीर्वाद' देने माइक पर आये। जय श्रीराम का उद्घोष किया। नेताई अंदाज बिल्कुल नहीं था। कोई संबोधन नहीं। सीधे अपनी बात। न नेताई भाषण के आरोह-अवरोह। न दावे-न वादे। न वार-न प्रहार। बस एक अपील... सौ परसेंट वोट देना। उच्च आय वर्ग के लोग वोट नहीं डालते हैं। वह छुट्टी मनाते हैं। ऐसा मत करना... प्लीज।

भाषण का अंदाज रामायण के संवाद की तरह था। मंद-मंद। कोई सियासी पुट नहीं। मनोयोग से भाजपा-संघ के पदाधिकारियों ने यह आशीर्वचन सुने। भाजपा का यह कार्यक्रम चुनावी जरूर था मगर अंदाज अलग। कार्यकर्ता से लेकर मंत्री तक और संघ पदाधिकारी तक सब 'दर्शन' कर रहे थे। सियासत में पैंतरे चलते हैं। पर्दे का राम इससे अनभिज्ञ है। वह भाषण देने में निपुण नहीं है। लेकिन धीरे-धीरे धार बढ़ रही है। यह बात हम नहीं, साथ के लोग बताते हैं। वे कहते हैं... पहले एक मिनट मुश्किल से बोलते थे। अब तीन-चार मिनट बोल लेते हैं। पहले गाड़ी से कम उतरते थे। अब जहां जरूरत होती है, वह चल देते हैं। चुनाव संचालन समिति के सदस्यों की बात मानते हैं। एक दिन में उनके 17 दौरे लग रहे हैं। लेकिन टाइम बंधा हुआ है। सुबह नौ बजे से रात के 9 बजे तक। कार्यक्रम में फूल मालाएं नदारद हैं। रामनाम के पटके ही छाये हैं। पर्दे के राम का अपना सत्ता संग्राम वार-पलटवार से अलग है। यह काम शीर्ष नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसी को नहीं बख्शा। लेकिन गोविल का अपना 'युद्ध' बिना शब्द बाण के चल रहा है। बकौल उनके लोग मुझमें राम देख रहे हैं... मैं इंसान हूं। राम तो भगवान थे। रामेच्छा से चुनाव लड़ रहा हूं। टिकट मिलने के बाद मेरठ आए भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल आते ही परेशानियों में घिरे। बड़ी मुश्किल से उन्होंने मीडिया से बातचीत की। मेरठ की किसी समस्या के बारे में वह जवाब नहीं दे सके। इतना कहा- एक बार जितवा दीजिए, फिर पता करेंगे कि क्या-क्या समस्याएं हैं।

सत्ता सिंहासन का गलियारा है पूर्वी राजस्थान

जयपुर, एजेंसी। पूर्वी राजस्थान सत्ता सिंहासन का गलियारा माना जाता है। दौसा, करौली-धौलपुर, अलवर, जयपुर शहर-जयपुर ग्रामीण, टोंक-सवाई माधोपुर अहम सीटें मानी जाती है। पिछले दो चुनावों में बीजेपी लगातार जीत रही है। लेकिन इस बार कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वजह यह है कि सत्ता विरोधी लहर की काट बीजेपी प्रत्याशियों के पास नहीं है। बीजेपी ने रणनीति के तहत कई सीटों पर अपने प्रत्याशी बदल दिए है। पीएम मोदी का रोड शो और जनसभाएं प्रस्तावित है, ताकि माहौल बन सके। सियासी जानकारों का कहना है कि इस बार करौली-धौलपुर जयपुर ग्रामीण, अलवर, दौसा और टोंक-सवाई माधोपुर में बीजेपी की सीट फंसी हुई है। कांग्रेस से कड़ी चुनौती मिल रही है। दौसा सीट को निकालने के लिए बीजेपी कल 12 अप्रैल को पीएम मोदी का रोड शो करवाने जा रही है।

विधानसभा चुनाव के हिसाब से कांगेस बढ़त में है। दौसा में किरोड़ी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। भजनलाल सरकार के मंत्री किरोड़ी लाल का गृह जिला दौसा है। ऐसे में किरोड़ी लाल गांव-गांव जाकर मोदी के रोड शो को सफल बनाने की अपील कर रहे है। दौसा में पहले यह माना जा रहा था कि किरोड़ी लाल के भाई जगमोहन को बीजेपी का टिकट मिलेगा, लेकिन पार्टी ने नहीं दिया है। ऐसे में भीतरघात का खतरा भी कन्हैयालाल को हो सकता है। एसटी के लिए रिजर्व सीट दौसा में इस बार कांटे के मुकाबले में कांग्रेस के मुरारी लाल मीणा भारी पड़ते हुए दिखाई दे रहे है। सचिन पायलट दौसा में उनके पक्ष में कई जनसभाएं कर चुके है। बता दें दौसा सचिन पायलट का गढ़ माना जाता है। सचिन पायलट के पिता स्वर्गीय राजेश पायलट दौसा से 5 बार सांसद रहे। इस बार बीजेपी ने सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट दिया है।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)